NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विज़डम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 14 अंक: 144 लखनऊ, शुक्रवार 10 जनवरी 2025 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

हिंदू धार्मिक स्थलों पर मस्जिदों का निर्माण 'घाव'

सीएम योगी बोले- सर्जरी एक बार होगी और उसके लिए हमें तैयार रहना होगा

योगी ने साफ तौर पर कहा कि सर्जरी एक बार होगी और उस सर्जरी के लिए हमें तैयार रहना होगा। सनातन धर्म के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए, योगी ने प्राचीन हिंदू धर्मग्रंथों का हवाला देते हुए इसे दुनिया का सबसे पुराना विश्वास होने का दावा किया।

नई दिल्ली (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संभल में शाही जामा मस्जिद विवाद को लेकर अपनी चुप्पी तोड़ी है। इसके साथ ही उन्होंने अदालत के आदेश वाले सर्वेक्षण का जोरदार बचाव किया, ताकि दावों का पता लगाया जा सके कि मस्जिद एक हिंदू मंदिर के ऊपर बनाई गई थी। उन्होंने मस्जिद निर्माण के लिए हिंदू धार्मिक स्थलों पर कब्जे को एक घाव बताया और दावा किया कि इसकी सर्जरी की आवश्यकता है नहीं तो यह कैंसर में बदल सकती है।नवंबर में 16वीं सदी की मस्जिद के सर्वेक्षण के कारण संभल में हिंसक झड़पें हुईं। पाँच लोग मारे गए और लगभग 20 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। योगी ने कहा कि मैं किसी भी धर्म के खिलाफ नहीं हूं और उस जगह का सम्मान करता हूं जहां लंबे समय से प्रार्थनाएं होती रही हैं।श लेकिन अगर किसी समुदाय का प्रार्थना स्थल टूट जाता है तो इसकी कड़ी आलोचना की जानी चाहिए। देखिए कैसे संभल का इस्लामीकरण कर दिया गया है। हमारे धर्म के सभी चिन्हों को नष्ट कर दिया गया है, ढक दिया गया है और ठोस बना दिया गया है। 2017 से पहले वहां लगातार दंगे हुए। योगी ने साफ तौर पर कहा कि सर्जरी एक बार होगी और उस सर्जरी के लिए हमें तैयार रहना होगा। सनातन धर्म के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए, योगी ने प्राचीन हिंदू धर्मग्रंथों का हवाला देते हुए इसे दुनिया का सबसे पुराना विश्वास होने का दावा किया। उन्होंने बताया कि हजारों साल पहले लिखे गए हिंदू साहित्य में विष्णु के दसवें अवतार कल्कि के भविष्य के अवतार का उल्लेख किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत का ऋषि सदैव ज्ञान की उस धारा का प्रतिनिधित्व करता रहा है, जिसने समय–समय पर देश को नेतृत्व दिया, नई दिशा दी और आगे बढ़ने के लिए एक नई प्रेरणा प्रदान की। मुख्यमंत्री ने कहा कि शसनातनश तो हमेशा शिखर पर ही रहा है, इसलिए सनातन है...हिंदू एकता और राष्ट्रीय एकता एक–दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह श्वक्फ बोर्डश है या भू–माफियाओं का बोर्ड है। एक–एक इंच लैंड वापस लेंगे। उन्होंने कहा कि जिन्होंने श्री अयोध्या धाम के वासियों के साथ सौतेला व्यवहार किया है, उनको नैतिक रूप से वहां जाने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि मूल संविधान में कहीं भी श्सेक्युलरश और श्सोशलिस्टश शब्द नहीं हैं। संविधान का गला घोटकर जो शब्द डाले गए हों, वे भारत के संविधान की आत्मा कैसे हो सकते हैं?

भविष्य युद्ध में नहीं बुद्ध में है, प्रवासी भारतीय सम्मेलन में बोले मोदी

नयी दिल्ली 09 जनवरी (एजेंसी) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को ओडिशा में 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का उद्घाटन किया. कार्यक्रम में बोलते हुए, उन्होंने इस अवसर के महत्व पर भी प्रकाश डाला, और बताया कि कुछ ही दिनों में प्रयागराज में महाकुंभ मेला शुरू हो जाएगा। उन्होंने देश भर में व्याप्त खुशी के माहौल पर जोर देते हुए मकर संक्रांति और माघ बिहू के आगामी त्योहारों का भी उल्लेख किया। अपने संबोधन में प्रधान मंत्री ने वैश्विक व्यापार और आध्यात्मिकता में इसके महत्वपूर्ण योगदान को ध्यान में रखते हुए, ओडिशा की गहन सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत की भी प्रशंसा की। पीएम मोदी ने ओडिशा के प्राचीन समुद्री संबंधों पर भी टिप्पणी की, जहां व्यापारी बाली, सुमात्रा और जावा जैसे सुदूर क्षेत्रों की यात्रा करते थे। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि इन ऐतिहासिक संबंधों का सम्मान करने के लिए बाली यात्रा की परंपरा अभी भी मनाई जाती है। ओडिशा के आध्यात्मिक सार का जिक्र करते हुए उन्होंने शांति के प्रतीक धौली के बारे में बात की, जहां सम्राट अशोक ने कलिंग युद्ध के बाद अहिंसा को अपनाया था। एक ऐसे युग में जब साम्राज्य हथियारों के बल पर बनाए जाते थे, सम्राट अशोक ने यहां ओडिशा में शांति का मार्ग चुना। यह वह विरासत है जो आज भारत को युद्ध में नहीं, बल्कि बुद्ध की शिक्षाओं में निहित भविष्य की वकालत करने के लिए प्रेरित करती है।प्रधान मंत्री ने 9 जनवरी के ऐतिहासिक महत्व को भी बताया, जो 1915 में महात्मा गांधी की विदेश से भारत वापसी का प्रतीक है, जिसने भारत के स्वतंत्रता संग्राम की नींव रखी थी। उनकी टिप्पणियाँ इस आयोजन के आसपास के उत्सव के मूड को प्रतिध्वनित करती हैं, जो दुनिया भर से भारतीय प्रवासी सदस्यों की उपस्थिति से बढ़ा है। पीएम मोदी के अनुसार, प्रवासी भारतीय दिवस का यह संस्करण विशेष महत्व रखता है

आप की जीत के दावे पर पृथ्वीराज चव्हाण की सफाई

बोले- अगर इंडिया अलायंस मिलकर...

कांग्रेस नेता ने कहा कि अब जब सभी प्रमुख दल मैदान में हैं तो यह एक खुला चुनाव बन गया है। कांग्रेस पार्टी ने जबरदस्त गति हासिल की है और मुझे यकीन है कि हम विजयी होंगे। इससे पहेल उन्होंने कहा था कि अगर आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन होता तो बेहतर होता।

नई दिल्ली (एजेंसी) वरिष्ठ कांग्रेस नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल की जीत की उम्मीद है। कांग्रेस की चुनाव लड़ने की योजना के बावजूद, उन्होंने सुझाव दिया कि कांग्रेस–आप गठबंधन फायदेमंद हो सकता है। हालांकि, जब इसको लेकर विवाद बढ़ा तो उन्होंने सफाई भी दी। सफाई में पृथ्वीराज चव्हाण ने एक्स पर लिखा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव पर मेरी टिप्पणी की संदर्भ से हटकर व्याख्या की गई। अगर इंडिया अलायंस मिलकर लड़ता तो अलायंस की जीत पक्की होती।इसके आगे कांग्रेस नेता ने कहा कि अब जब सभी प्रमुख दल मैदान में हैं तो यह एक खुला चुनाव बन गया है। कांग्रेस पार्टी ने जबरदस्त गति हासिल की है और मुझे यकीन है कि हम विजयी होंगे। इससे पहेल उन्होंने कहा था कि अगर आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन होता तो बेहतर होता। उनका मानना था ध कि आम आदमी पार्टी दिल्ली चुनाव जीतेगी। वहीं अशोक गहलोत ने कहा कि इस बार आम आदमी पार्टी दिल्ली चुनाव नहीं जीत पाएगी। इस बीच, आम आदमी पार्टी नेता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि पृथ्वीराज चव्हाण का बयान बिल्कुल सही है। वहीं, टीएमसी और समाजवादी पार्टी के साथ–साथ उद्धव ठाकरे के गुट ने भी आम आदमी पार्टी को अपना समर्थन दिया है। महाराष्ट्र के कद्दावर कांग्रेसी नेता द्वारा दिल्ली चुनाव में हार की स्वीकारोक्तिश और श्महज वोट–कटवाश के रूप में इसकी भूमिका। दोनों पार्टियां पहले से ही राजनीतिक टकराव की स्थिति में हैं, दिल्ली कांग्रेस के नेता आप सरकार के दस साल के श्कुशासनश पर निशाना साध रहे हैं और बाद में तालियां बजा रहे हैं।कुछ दिन पहले, कांग्रेस के कोषाध्यक्ष अजय माकन ने आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल के खिलाफ चौतरफा हमला करते हुए उन्हें राष्ट्र–विरोधी करार दिया था, जबकि आप ने सबसे पुरानी पार्टी को इसके लिए माफी मांगने का अल्टीमेटम जारी किया था। इसने भारत के दो सहयोगियों के बीच एक और भयंकर राजनीतिक लड़ाई के लिए मंच तैयार कर दिया है। पृथ्वीराज चव्हाण ने भी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) को छोड़ने की जोरदार वकालत की और पारंपरिक मतपत्रों को उलटने की मांग की।

आप को वोटर्स पर बीजेपी की नजर

3 हजार झुग्गी-झोपड़ियों के प्रधानों से मिलेंगे अमित शाह

दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले झुग्गी-झोपड़ियों के मतदाताओं से जुड़ने की पहल के तहत अमित शाह 11 जनवरी को दिल्ली में झुग्गी-झोपड़ी समूहों के नेताओं से मुलाकात करने वाले हैं।

नई दिल्ली (एजेंसी) जैसे ही दिल्ली चुनाव से पहले राजनीतिक माहौल गर्म हो रहा है, भाजपा ने विशेष रूप से झुग्गी–झोपड़ी के मतदाताओं को लक्षित करते हुए एक अनोखी पहल शुरू की है। श्जहाँ झुग्गी, वहाँ मकानश अभियान का उद्देश्य राजनेताओं और झुग्गी–झोपड़ियों में रहने वाले मतदाताओं के बीच की दूरी को पाटना है। इस संबंध को मजबूत करने के लिए, भाजपा नेता, सांसद और विधायक स्थानीय मुद्दों को समझने के लिए इन क्षेत्रों में रातें बिता रहे हैं, ताकि उनकी अभियान रणनीति में एक आकर्षक स्पर्श सुनिश्चित हो सके।दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले झुग्गी–झोपड़ियों के मतदाताओं से जुड़ने की पहल के तहत अमित शाह 11 जनवरी को दिल्ली में झुग्गी–झोपड़ी समूहों के नेताओं से मुलाकात करने वाले हैं। शहर भर की लगभग 3,000 झुग्गी बस्तियों के प्रमुखों के साथ शाह की यह पहली बातचीत होगी। बैठक शनिवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में होगी। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने झुग्गी–झोपड़ी के मतदाताओं से जुड़ने के लिए एक विशेष पहल शुरू की है। पिछले कुछ महीनों में, दिल्ली भाजपा के कई नेता झुग्गी–झोपड़ियों में रहने वालों से उनके मुद्दों को समझने के लिए मुलाकात कर रहे हैं। लगभग दो दर्जन भाजपा नेता हर हफ्ते इन झुग्गी–झोपड़ियों में एक रात बिता रहे हैं, लोगों से जुड़ने और उनकी चिंताओं के बारे में जानने की कोशिश कर रहे हैं। पिछले हफ्ते, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने झुग्गीवासियों के लिए दिल्ली के अशोक विहार में 1,675 फ्लैटों का उद्घाटन किया। दिल्ली में लगभग 675 झुग्गी–झोपड़ियाँ हैं, जिनमें से 18–20 प्रतिशत पूर्वी और उत्तरपूर्वी संसदीय क्षेत्रों में स्थित हैं। इन क्षेत्रों ने पिछले दो विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी (आप) को लगातार समर्थन दिया है। हालांकि, बीजेपी आगामी चुनाव में इन वोटरों को अपने पाले में करने के लिए पुरजोर कोशिश कर रही है। अपने स्लम विकास अभियान के हिस्से के रूप में, भाजपा बेहतर आवास और बुनियादी ढाँचा प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

अतिशि ने बीजेपी को बताया गाली-गलौज पार्टी, बोलीं- उनके पास दिल्ली के लिए कोई एजेंडा और चेहरा नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी) सीएम आतिशी ने आज गोविंदपुरी इलाके में ।।च चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस श्गाली–गलौजश पार्टी के पास दिल्ली के लिए कोई एजेंडा, नैरेटिव या सीएम चेहरा नहीं है। इनका एक ही काम है– अरविंद केजरीवाल को गालियां देना। मुझे लगता है कि दिल्ली के लोगों के लिए निर्णय लेना बहुत आसान होगा। इससे पहले उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा कि कड़कड़ाती हुई ठंड में, भाजपा की केंद्र सरकार ने, नरेला में झुग्गियाँ तोड़ दीं। महिलाएँ और बच्चे सड़क पर आ गए हैं। भाजपा वाले झुग्गीवासियों से इतनी नफरत क्यों करते हैं?आतिशी ने कहा कि थोड़ी देर में नरेला जा रही हूँ। इन झुग्गीवासियों से मिलूँगी। इनकी हर संभव मदद करेंगे। इससे पहले आतिशी ने मुख्यनिर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार को पत्र लिखकर नयी दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची में कथित हेरफेर पर चर्चा के लिए मिलने का समय मांगा है। इस सीट से 'आप' प्रमुख अरविंद केजरीवाल विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। यह आतिशी का पिछले तीन दिनों में इस मुद्दे पर सीईसी को लिखा गया दूसरा पत्र है। पांच जनवरी को भी आतिशी ने इन कथित अनियमितताओं पर चर्चा के लिए एक मुलाकात का अनुरोध किया था। आतिशी ने अपने इस नये पत्र में नयी दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं का मुद्दा फिर उठाया तथा मुख्य निर्वाचन आयुक्त से तत्काल मुलाकात के लिए समय देने का आग्रह किया। पत्र में कहा गया है, "दिल्ली विधानसभा चुनाव में 27 दिन से भी कम समय बचा है, इसलिए इस मामले पर सर्वोच्च प्राथमिकता से विचार किया जाना चाहिए। हम स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के सिद्धांतों को बनाये रखने के लिए भारत के निर्वाचन आयोग पर भरोसा करते हैं।" उन्होंने पत्र में कहा, "एक बार फिर, मैं आपसे अनुरोध करना चाहूंगी कि दिल्ली विधानसभा के स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए कृपया जल्द से जल्द एक मुलाकात का समय दें।"

मणिपुर के 500 युवाओं को दिल्ली में कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा: मुख्यमंत्री

यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि प्रशिक्षण का वित्तपोषण पर्यटन मंत्रालय द्वारा किया जाएगा। उन्होने कहा कि 17 स्टार्टअप्स ने पहले ही लगभग 432 आंतरिक रूप से विस्थापितों को रोजगार दिया है।

मणिपुर 09 जनवरी (एजेंसी)मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने बुधवार को कहा कि राज्य के लगभग 500 युवाओं को एयरलाइन में केबिन क्रू के पद पर नौकरी के लिए दिल्ली में कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा और आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों (आईडीपी) को प्राथमिकता दी जाएगी ।यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि प्रशिक्षण का वित्तपोषण पर्यटन मंत्रालय द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 17 स्टार्टअप्स ने पहले ही लगभग 432 आंतरिक रूप से विस्थापितों को रोजगार दिया है।सिंह ने कहा कि सरकार जातीय हिंसा से प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में हर संभव सहायता दे रही है। उन्होंने कहा, बिष्णुपुर जिले के फुबाला इलाके में सरकार ने प्रीफेब्रिकेटिड मकानों का निर्माण किया है। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थित मकानों में पहुंचाया गया है।

चुनाव से पहले केजरीवाल ने चला जाट आरक्षण का दांव,पीएम मोदी को लिखी चिट्ठी, धोखा देने का लगाया आरोप

केजरीवाल ने ऐलान करते हुए कहा कि मैं जाट समुदाय के लिए लड़ूंगा और उन्हें केंद्र से आरक्षण दिलाऊंगा और जो भी जरूरी होगा वो करूंगा। इससे पहले उन्होने मोदी को लिखे पत्र में कहा था कि मैं यह पत्र आपको 10 साल पहले एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर किए गए वादे की याद दिलाने के लिए लिख रहा हूं।

नई दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर दिल्ली के जाट समुदाय को केंद्रीय ओबीसी सूची में शामिल करने का आग्रह किया है। इसके बाद एक प्रेस वार्ता में केजरीवाल ने कहा कि जाट समुदाय के अलावा 5 जातियां भी राज्य की ओबीसी सूची में हैं लेकिन केंद्र की ओबीसी सूची में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि इन 5 जातियों को भी केंद्र की ओबीसी सूची में शामिल किया जाना चाहिए ताकि इन 5 जातियों के युवाओं को केंद्र सरकार के संस्थानों में शिक्षा और रोजगार में समान अवसर मिल सकें। केजरीवाल ने ऐलान करते हुए कहा कि मैं जाट समुदाय के लिए लड़ूंगा और उन्हें केंद्र से आरक्षण दिलाऊंगा और जो भी जरूरी होगा वो करूंगा। इससे पहले उन्होंने मोदी को लिखे पत्र में कहा था कि मैं यह पत्र आपको 10 साल पहले एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर किए गए वादे की याद दिलाने के लिए लिख रहा हूं। पिछले कुछ दिनों में, मैंने दिल्ली के जाट समुदाय के कई प्रतिनिधियों से मुलाकात की है, जिन्होंने केंद्रीय ओबीसी सूची से अपने समुदाय को बाहर किए जाने पर चिंता व्यक्त की है।उन्होंने आगे लिखा कि इन प्रतिनिधियों ने मुझे बताया कि 26 मार्च 2015 को आपने दिल्ली के जाट समुदाय के प्रतिनिधियों को अपने निवास पर आमंत्रित किया था और उनसे वादा किया था कि दिल्ली की ओबीसी श्रेणी के तहत सूचीबद्ध जाट समुदाय को भी केंद्रीय ओबीसी सूची में शामिल किया जाएगा।

वाम दलों ने दिल्ली पोल में ठोकी ताल, बीजेपी हटाओ, दिल्ली बचाओ का दिया नारा, छह सीटों पर उतारेंगे उम्मीदवार

नई दिल्ली 09 जनवरी (एजेंसी) 2025 के दिल्ली विधानसभा चुनावों से पहले वामपंथी एकता के प्रदर्शन में कम्युनिस्ट पार्टियों ने छह विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव लड़ने की तैयारी करते हुए एक–दूसरे को समर्थन देने का फैसला किया है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) दो सीटों करावल नगर और बदरपुर पर चुनाव लड़ेगी। सीपीआई (एम) पोलित ब्यूरो सदस्य बृंदा करात ने गुरुवार को षबीजेपी हटाओ, दिल्ली बचाओष का नारा देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी दिल्ली के लोगों के अधिकारों को बुलडोज कर रही है और उन्हें रोकना जरूरी है। बृंदा करात ने कहा कि तीन वामपंथी दल – भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), सीपीआई और सीपीआई (मार्क्सवादी–लेनिनवादी)– दो–दो, कुल छह (विधानसभा) सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। सीपीआई (एम) करावल नगर और बदरपुर (विधानसभा क्षेत्र) में चुनाव लड़ रही है। बाकी सीटों के लिए हमने नारा दिया हैरू बीजेपी हटाओ, दिल्ली बचाओ। उन्होंने आगे भाजपा पर दिल्ली सरकार को ष्स्वायत्तताष से वंचित करने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा की नीतियों ने दिल्ली सरकार की स्वायत्तता को खत्म कर दिया है, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने अनिवार्य कर दिया था ।उन्होंने कहा कि मैंने आपको बताया है कि यह दिल्ली में भाजपा को हराने के बारे में है। हमारा ध्यान उन्हें हराना है। जहां लेफ्ट चुनाव नहीं लड़ रहा है, वहां हम अपने विश्लेषण के आधार पर फैसला करेंगे कि किसे समर्थन देना है। समझ ये है कि बीजेपी सबसे खतरनाक और जहरीली ताकत है। उन्हें राष्ट्रीय राजधानी में हर कीमत पर हराया जाना चाहिए, जहां उनकी नीतियों ने दिल्ली सरकार की स्वायत्तता को खत्म कर दिया है, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने अनिवार्य किया था। भाजपा दिल्ली की जनता के अधिकारों के खिलाफ बुलडोजर की तरह काम कर रही है और उसे रोकना जरूरी है। जैसा कि आम आदमी पार्टी को आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारत ब्लॉक पार्टियों के बीच अधिक समर्थन मिल रहा है, आप सांसद संजय सिंह ने अपनी पार्टी को षदिल्ली में एकमात्र पार्टी करार दिया है ।

राजधानी लखनऊमें मिला एचएमपीवी का पहला संदिग्ध केस

लखनऊ,एजेंसी। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एचएमपीवी वायरस का पहला संदिग्ध केस मिला है। 60 साल की महिला में इसके लक्षण देखे गए हैं। महिला को बुखार था और सांस की दिक्कत थी। डॉक्टरों ने प्राइमरी इलाज के बाद महिला को बलरामपुर हॉस्पिटल रेफर किया था। जिसके बाद ब्लड सैंपल जांच के लिए एक निजी हॉस्पिटल को भेजे गए, उसमें रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। बता दें कि सैम्पल को जांच के लिए केजीएमयू और एसजीपीजीआई भेजा गया है। यहां चेक होने के बाद पुष्टि होगी।

हेड रेडियो आपरेटर की भर्ती परीक्षा, हाईकोर्ट ने दिया री-एग्जाम का आदेश

लखनऊ,एजेंसी। उत्तर प्रदेश पुलिस की हेड रेडियो ऑपरेटर भर्ती को लेकर हाई कोर्ट ने अहम आदेश दिया है। जस्टिस आलोक माथुर की लखनऊ बेंच ने हेड रेडियो ऑपरेटर की भर्ती को रद्द कर दिया है। साल 2022 में रेडियो ऑपरेटर के कुल 936 पदों के लिए 40,000 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी थी। भर्ती प्रक्रिया के दौरान उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती और प्रोन्नति बोर्ड ने निर्धारित योग्यता में बदलाव किया था। विज्ञापन में डिप्लोमा की मांग की गई थी, लेकिन अचानक एक प्रस्ताव पास कर बीटेक पास उम्मीदवारों को भी भर्ती प्रक्रिया में शामिल कर लिया गया था। इस योग्यता में बदलाव को लेकर एक याचिका कोर्ट में दायर की गई थी। याचिका की सुनवाई के बाद हाई कोर्ट ने इस भर्ती प्रक्रिया को रद्द कर दिया है। हाईकोर्ट का कहना है कि पुलिस भर्ती बोर्ड को योग्यता मानकों में बदलाव का अधिकार नहीं है। केवल शासन स्तर से योग्यता मानकों में बदलाव किया जा सकता है। हाईकोर्ट के फैसले के बाद अब भर्ती बोर्ड नए सिरे से भर्ती प्रक्रिया को शुरू करेगा।

महाकुंभ में अपने पाप धोने जाएगी सरकार, हम पुण्य और दान के लिए जाएंगे : अखिलेश यादव

लखनऊ,एजेंसी। महाकुंभ 2025 के आगाज में अब कुछ ही दिन रह गए है। मेले को भव्य और दिव्य बनाने के लिए खास तैयारियां की गई है। मेले में 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। इस मेले में देश–विदेश से कई दिग्गज हिस्सा लेंगे। इसी बीच समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव से भी कुछ मीडिया पत्रकारों ने बातचीत करते हुए पूछा कि क्या वो महाकुंभ में जाएंगे? तो इस पर अखिलेश यादव ने एक बड़ा बयान दे दिया। लखनऊ के सपा कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक बड़ा बयान दे दिया। उन्होंने कहा, कुंभ में तीन तरह के लोग जाते हैं, पुण्य कमाने के लिए, दान करने के लिए और अपने पाप धोने के लिए। हम कुंभ में पुण्य और दान के लिए जाएंगे और सरकार वहां अपने पाप धोने जाएगी। उन्होंने बीते कुछ दिनों से चल रही तमाम अटकलों पर विराम लगा दिया है। वहीं, अखिलेश यादव सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि प्रदेश में विकास का कोई कार्य नहीं हो रहा है। आम जनता के हित में कुछ भी नहीं हो रहा है। भाजपा ने स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली सब व्यवस्थाओं को बर्बाद कर दिया है। झूठ और लूट को भाजपा सरकार ने अपनी नीति बना ली है। बजट की लूट करना, गरीबों की जमीन पर कब्जा करना और विरोधी दलों के नेताओं और पार्टियों पर झूठे आरोप लगाकर बदनाम करना ही भाजपा का एकमात्र उद्देश्य रह गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा नीरस, नकारात्मक राजनीति करती है। आदित्य नाथ न योगी है, न मुख्यमंत्री के संवैधानिक पद के दायित्व पर खरे उतरे है। प्रयागराज के महाकुंभ में महान पूज्यनीय संत, महात्मा, बाबा तपस्या में लीन हैं लेकिन अच्छा हो फरवरी 2027 में महाकुंभ के समापन के बाद संत, बाबा अपने गुरु भाई आदित्य नाथ जी को भी अपने साथ ले जाएं। यह उत्तर प्रदेश की जनता पर बहुत उपकार होगा। यह पुण्य कार्य जनहित में माना जाएगा।

अखिलेश यादव के चाचा राजपाल यादव का निधन, गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में ली अंतिम सांस

लखनऊ,एजेंसी। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के चाचा राजपाल सिंह यादव का निधन हो गया है। वह काफी समय से बीमार चल रहे थे और गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। आज गुरुवार (9 जनवरी) की तड़के 4 बजे उनका निधन हो गया। उनके निधन के बाद यादव परिवार में दुख की लहर है। उनके भाई रामगोपाल यादव ने दुख जताया है। काफी दिनों से बीमार चल रहे राजपाल यादव आज जिंदगी की जंग हार गए। गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। उनका पार्थिव शरीर आज गुरुग्राम से उनके पैतृक गाँव सैफई ले जाया जाएगा। जहां कुछ समय के लिए उनका शव अंतिम दर्शनों के लिए रखा जाएगा। राजपाल सिंह यादव के निधन पर सपा नेता और उनके भाई रामगोपाल यादव ने दुख जताया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट शेयर कर लिखा, मैं अत्यंत दुख के साथ ये सूचित कर रहा हूँ कि मेरे अनुज राजपाल सिंह का आज सुबह चार बजे मेदांता अस्पताल गुड़गांव में असामयिक निधन हो गया है। उनका अंतिम संस्कार मेरे पैतृक गाँव सैफई में आज दोपहर बाद किया जाएगा। प्रभु उनकी आत्मा को शांति दे और उन्हें अपने श्री चरणों में स्थान दें। ओमः शांति !

वक्फ बोर्ड के नाम पर कब्जा करने वालों से एक-एक इंच जमीन वापस लेंगे: सीएम योगी

लखनऊ,एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य सरकार वक्फ बोर्ड के नाम पर कब्जा की गई एक–एक इंच जमीन को वापस लेने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि वक्फ के नाम पर जिन–जिन लोगों ने जमीनों पर कब्जा किया है, उन्हें यह जमीन वापस ली जाएगी। मुख्यमंत्री ने वक्फ बोर्ड पर कड़ा रुख अपनाते हुए इसे भू–माफियाओं का बोर्ड करार दिया। योगी ने कहा कि यह बताना मुश्किल है कि यह वक्फ बोर्ड है या भू–माफियाओं का बोर्ड है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा, राज्य सरकार ने वक्फ अधिनियम में संशोधन किया है और अब वक्फ के नाम पर कब्जाई गई हर एक इंच जमीन की सक्रिय जांच की जा रही है। हम इसे वापस लेंगे और इस जमीन का इस्तेमाल गरीबों के लिए घर बनाने, स्कूल और अस्पताल बनाने में करेंगे।ष वहीं, सनातन धर्म की प्राचीन विरासत पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कुंभ की परंपरा वक्फ संस्था से बहुत पुरानी है। सनातन धर्म की गहराई समुद्र से भी अधिक है और यह कभी भी किसी संप्रदाय या धर्म से तुलना नहीं की जा सकती। योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी (सपा) और उसके नेताओं पर कड़ा हमला भी किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा के नेता डॉ. राम मनोहर लोहिया के सिद्धांतों को सही तरीके से समझने और पालन करने में नाकाम रहे हैं। मुख्यमंत्री ने लोहिया का एक प्रसिद्ध कथन याद करते हुए कहा, ष्डॉ. लोहिया ने कहा था कि अगर आपको भारत को समझना है, तो राम, कृष्ण और शिव की परंपराओं का अध्ययन करें। जो लोग लोहिया के सिद्धांतों का पालन करने का दावा करते हैं, वे कभी उनके असली अर्थ को समझ नहीं पाए। इसके अलावा, संभल में धार्मिक स्थलों पर हुए विवाद पर भी मुख्यमंत्री ने अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि पुराणों में संभल को भगवान श्री हरि विष्णु के दसवें अवतार कल्कि का जन्मस्थान माना गया है। किसी भी धार्मिक स्थल पर अतिक्रमण या उन्हें नुकसान पहुँचाने की कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने साफ कहा, हमारी सरकार ने न्यायालय के आदेश पर त्वरित कार्रवाई की और दंगाइयों को सख्त संदेश दिया। वहीं, योगी ने एकता और अखंडता के महत्व को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि विभाजन हमेशा कमजोरी की ओर ले जाता है, जबकि एकता हमें शक्तिशाली और अजेय बनाती है। इस संदर्भ में, उन्होंने बटेंगे तो कटेंगे, एक रहेंगे तो नेक रहेंगे का नारा भी दिया।

लखनऊ कमिश्नर से शिकायत लोग बोले-लैंड माफिया का गोल्फ कोर्स पर कब्जा

लखनऊ,एजेंसी। लखनऊ में गोमती नगर स्थित एलडीए ऑफिस में गुरुवार को समाधान दिवस का आयोजन किया। इसमें कई लोग अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे। कमिश्नर डॉ रोशन जैकब ने 28 शिकायतों को सुना। कमिश्नर ने अधिकारियों को शिकायतों का तुरंत निपटारा करने के आदेश दिए। करीब सात लोगों को नम्बर नहीं आने पर निराश होकर लौटना पड़ा। शिविर में आए शिकायतकर्ता राजेंद्र यादव ने कहा अंसल एपीआई में यह सोचकर घर लिया था कि यहां पर 18 होल का गोल्फ कोर्स है। इस गोल्फ कोर्स को अंसल एपीआई और कुछ लैंड माफिया मिलकर बेच रहे है। राजेंद्र यादव ने बताया कि हमने कमिश्नर को मांग पत्र दिया है। 60 फीट की दीवार अक्टूबर महीने में तोड़ दी गई थी। इस पर लोगों ने नाराजगी जताई थी, जिसके बाद फिर से अतिक्रमण करने की कोशिश की गई। अगर हम लोगों की मांग पर सुनवाई नहीं हुई तो सुशांत गोल सिटी के 5000 निवासी बड़ा आंदोलन करेंगे। अंसल गोल्फ विला के महासचिव विनोद कुमार सिंह ने कहा हम लोगों ने स्वीकृत लेआउट के आधार पर मकान खरीदा था। मकान के आस–पास गोल्फ कोर्स रोड का विकास असल द्वारा किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया गोल्फ कोर्स की भूमि को भूमाफियाओं ने कृषि जमीन दिखाकर फर्जी बैनामा कर लिया है। शिकायतकर्ता शुभम सिंह ने बताया कि संपूर्ण समाधान दिवस पर मंडलायुक्त से शिकायत करने आए थे। लेकिन हमारी कोई सुनवाई नहीं हुई है। हमारे पिताजी ने 1997 में हुसैनाबाद में जमीन खरीदी थी। वहां पर अवैध रूप से बांग्लादेशियों को बसा दिया गया। गलत ढंग से वहां पर अतिक्रमण कराया गया है।उन्होंने बताया कि एलडीए अधिकारियों को कहना है कि यह नजूल की जमीन है, यहां पर हमारे द्वारा कार्रवाई नहीं की जाएगी। जबकि नजूल की तरफ से कहा गया है कि यह व्यक्तिगत संपत्ति है। अब एलडीए वहां पर बिना हमें जानकारी दिए हुए अधिग्रहण कर रही है। हमारी सुनवाई नहीं हो रही। शिकायतकर्ता शारदा प्रसाद ने बताया कि हम लोग ठठक ग्रीन सोसाइटी फैजाबाद रोड से रहने वाले हैं। बिल्डर ने पूरा पैसा लेने के बाद भी सोसायटी में सुविधाएं नहीं डेवलप की हैं। इलेक्ट्रिसिटी का इंटरनल और एक्सटर्नल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलप नहीं किया गया है। सीसी नहीं था। उसके पहले कब्जा दिया गया। उन्होंने बताया कि एलडीए ने मैकेनाइज पार्किंग बनाने की अनुमति दी, लेकिन वहां जगह नहीं थी। हम लोगों ने डेढ़ लाख रुपए दिए, लेकिन पार्किंग नहीं मिली। इसके साथ ही कुछ लोगों से ढाई लाख रुपए ले लिए गए हैं। अब उन्हें स्टिल्ट पार्किंग दी गई है।

लखनऊनगर निगम द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन योजना का शुभारंभ, लखनऊ को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्तबनाने के प्रयासों को मिली नई दिशा

लखनऊ,(संवाददाता) आज लखनऊ नगर निगम द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के तहत शिवरी स्थित ठोस अपशिष्ट प्रोसेसिंग प्लांट पर एक नई पहल की गई। इस योजना के अंतर्गत नगर में प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले लगभग 2000 मीट्रिक टन कूड़े के निस्तारण के लिए द्वितीय चरण में 700 मीट्रिक टन क्षमता के प्रसंस्करण संयंत्र का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में महापौर सुषमा खर्कवाल, वरिष्ठ भाजपा नेता नीरज सिंह, और 25 से अधिक पार्षदों की उपस्थिति रही।महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल ने इस अवसर पर नगर निगम द्वारा शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और मेसर्स भूमि ग्रीन एनर्जी संस्था एवं समस्त कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इस ठोस अपशिष्ट प्रबंधन योजना के तहत शहर में जनित ठोस अपशिष्ट के वैज्ञानिक प्रसंस्करण का कार्य सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे शहर को कूड़ा मुक्त और प्रदूषण मुक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जाएगा।नए फ्रेश वेस्ट प्रसंस्करण संयंत्र के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि यह संयंत्र पूर्व स्थापित 700 मीट्रिक टन क्षमता वाले प्लांट के साथ मिलकर कुल 1400 मीट्रिक टन क्षमता के साथ कार्य करेगा, जिससे 2000 मीट्रिक टन कूड़े का वैज्ञानिक प्रसंस्करण सुनिश्चित होगा। संयंत्र में अत्याधुनिक सुविधाएं, पर्यावरण मित्र प्रसंस्करण प्रणाली, दुर्गंध नियंत्रण प्रणाली, और एक आधुनिक प्रयोगशाला स्थापित की गई है, जो प्रसंस्करण की गुणवत्ता की निरंतर जांच करेगी। इस संयंत्र से प्राप्त जैविक खाद कृषि कार्यों में उपयोगी होगी और ऊर्जा उत्पादन से बिजली आपूर्ति में सहायता मिलेगी।कार्यक्रम में नीरज सिंह ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह परियोजना माननीय सांसद राजनाथ सिंह की फ्यूचरिस्टिक सोच का परिणाम है और नगर निगम की तरफ से इस दिशा में किए जा रहे प्रयास सतत विकास की ओर एक महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने नगर निगम की तुलना शरीर के दिल से करते हुए कहा कि नगर निगम कूड़ा प्रबंधन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।महापौर ने इस प्लांट पर बनाए गए नवीन सभागार का नाम श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेयी जी के नाम से रखने का प्रस्ताव भी रखा।इस कार्यक्रम में पार्षदों, नगर निगम अधिकारियों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही, जिन्होंने इस महत्वाकांक्षी परियोजना को सफल बनाने में योगदान दिया।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर तीसरे दिन संगठन सृजन कार्यक्रम, कार्यकर्ताओं से लिया गया सुझाव

लखनऊ, (संवाददाता) आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर आयोजित संगठन सृजन कार्यक्रम के तीसरे दिन, अवध जोन के विभिन्न जनपदों के कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव और उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पाण्डेय एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय द्वारा ली गई। इस बैठक में लखीमपुर खीरी, बलरामपुर, सीतापुर, श्रावस्ती, बहराइच, गोंडा, हरदोई, उन्नाव, बाराबंकी, और लखनऊ जनपद के कार्यकर्ता शामिल हुए।बैठक में अवध जोन के सह प्रभारी और राष्ट्रीय सचिव धीरज गुर्जर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता और सांसद किशोरी लाल शर्मा, पूर्व सांसद श्री पी.एल. पुनिया, उत्तर प्रदेश कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना, विधायक वीरेन्द्र चौधरी और पूर्व विधायक संजय कपूर भी उपस्थित रहे।बैठक के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं से प्रदेश में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए उनके सुझाव प्राप्त किए गए। सभी कार्यकर्ताओं ने अपने–अपने विचार और सुझाव शीर्ष नेतृत्व के सामने रखे।राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पाण्डेय ने बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन निर्माण की इस प्रक्रिया मेंसभी को कार्य करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा, ष्हम 35 वर्षों से प्रदेश में सरकार में नहीं हैं फिर भी आप सभी पूरे उत्साह के साथ संघर्ष कर रहे हैं इसके लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं।ष्प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार की बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की उपस्थिति और सड़क पर संघर्ष करने की भावना आने वाले समय में विधानसभा में भी देखी जाएगी।बैठक के बाद, भारतीय शिक्षिका और समाज सुधारक फातिमा शेख की जयंती के अवसर पर अविनाश पाण्डेय और अजय राय ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

थाना नाका क्षेत्र में शरणजीत होटल हत्याकांडः फरार अभियुक्तकी गिरफ्तारी हेतु आम जनमानस से सहयोग की अपील

लखनऊ,(संवाददाता) थाना नाका क्षेत्र के शरणजीत होटल में हुए हत्याकांड में फरार और वांछित अभियुक्त मो0 बदर की गिरफ्तारी हेतु अपर पुलिस उपायुक्त मध्य ने आज प्रेस को बयान देते हुए आम जनमानस से सहयोग की अपील की।अपर पुलिस उपायुक्त ने कहा कि शरणजीत होटल में हुई हत्या के मामले में जांच के बाद अभियुक्त की पहचान मो0 बदर के रूप में हुई है, जो घटना के बाद फरार हो गया है। पुलिस उसके खिलाफ कार्रवाई कर रही है और उसकी तलाश जारी है।उन्होंने यह भी बताया कि पुलिस ने उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है और अभियुक्त को जल्द गिरफ्तार करने के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं। इसके साथ ही, आम जनता से अपील की गई है कि यदि किसी को अभियुक्त के बारे में कोई जानकारी मिलती है तो वह तुरंत पुलिस से संपर्क करें और अपने सामर्थ्यानुसार सहयोग करें।अपर पुलिस उपायुक्त ने यह भी कहा कि किसी भी व्यक्ति को जानकारी देने पर पहचान गुप्त रखी जाएगी और उस सूचना के लिए उचित इनाम भी दिया जाएगा।

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता राजपाल सिंह यादव का निधन

लखनऊ,(संवाददाता) समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के चाचा, राजपाल सिंह यादव (73 वर्ष) का लंबी बीमारी के बाद आज तड़के चार बजे निधन हो गया। वे काफी समय से बीमार थे और उनका इलाज गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में चल रहा था। उनका अंतिम संस्कार आज उनके पैतृक गांव सैफई में किया गया। अखिलेश यादव ने स्वर्गीय राजपाल सिंह यादव के पार्थिव शरीर को नमन करते हुए उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की और गहरा दुख व्यक्त किया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव और उनके बड़े भाई प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने भी उनके निधन पर शोक जताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, ष्मैं अत्यंत दुःख के साथ सूचित कर रहा हूं कि मेरे अनुज श्री राजपाल सिंह का आज सुबह चार बजे मेदांता अस्पताल, गुड़गांव में असामयिक निधन हो गया है। प्रभु उनकी आत्मा को शांति दे और उन्हें अपने श्री चरणों में स्थान दें। द शांति!ष्राजपाल सिंह यादव की प्रारंभिक शिक्षा सैफई के स्कूल में हुई थी, और उन्होंने अपनी इंटर की पढ़ाई मैनपुरी के करहल स्थित जैन इंटर कॉलेज से की थी। वे बीए इटावा के केके डिग्री कॉलेज से, और एमए लखनऊ विश्वविद्यालय से 1976 और 77 में किए थे।

राज्य कर विभाग की समीक्षा बैठक में लंबित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के निर्देश

लखनऊ(संवाददाता), प्रमुख सचिव जी0एस0टी एम0 देवराज की अध्यक्षता में राज्य कर विभाग की विशेष अनुसंधान शाखा द्वारा जांच किए जा रहे प्रकरणों के संबंध में वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से जोनल अपर आयुक्त के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक के दौरान प्रमुख सचिव ने नाराजगी व्यक्त करते हुए लंबित प्रकरणों में दो दिनों के भीतर नोटिस निर्गत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रकरणों को लंबे समय तक लटकाए रखना विभाग की छवि को धूमिल करता है, और यह व्यापारियों और विभाग दोनों के हित में नहीं है। इसलिए सभी लंबित प्रकरणों को गंभीरता से लेकर विधिक प्रक्रिया के तहत निर्धारित समय में निस्तारण किया जाना चाहिए।प्रमुख सचिव ने जानकारी दी कि 2022–23 में 12 प्रकरण और 2023–24 में 130 प्रकरणों के लिए जोनल स्तर पर नोटिस निर्गत किया जाना शेष है। उन्होंने अधिकारियों को यह निर्देश भी दिया कि भविष्य में आख्या प्राप्त होने पर 01 सप्ताह के भीतर आवश्यक निर्णय लेते हुए नोटिफिकेशन जारी किया जाए। नोटिस जारी करने की जिम्मेदारी अपर आयुक्त ग्रेड 01 (जोनल अधिकारी) की होगी।

उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान द्वारा बाल साहित्य सम्मानों की घोषणा

लखनऊ (संवाददाता)उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान द्वारा संचालित बाल साहित्य संवर्द्धन योजना के तहत बाल साहित्य सम्मानों के लिए गठित समिति की बैठक आज निदेशक, उ०प्र० हिन्दी संस्थान, लखनऊ में सम्पन्न हुई। इस बैठक में वर्ष 2023 के बाल साहित्य सम्मानों पर सर्वसम्मति से विचार–विमर्श किया गया।इस वर्ष प्रत्येक सम्मान के तहत 51,000 रुपये की पुरस्कार धनराशि दी जाएगी। सम्मानित बाल साहित्यकारों को पुरस्कार धनराशि, अंगवस्त्र और प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया जाएगा।हिंदी संस्थान की प्रधान संपादक डॉ. अमिता दुबे ने बताया कि इस वर्ष विभिन्न बाल साहित्य सम्मानों से सम्मानित किए जाने वाले साहित्यकारों में डॉ. करुणा पांडे (लखनऊ), डॉ. आर. पी. सारस्वत (सहारनपुर), डॉ. मोहम्मद अरशद खान (शाहजहाँपुर), श्री दिलीप शर्मा (अलीगढ़), श्री नरेंद्र निर्मल (गौतमबुद्धनगर), श्री बलराम अग्रवाल (गौतमबुद्धनगर), देवी प्रसाद गौड़ (मथुरा), डॉ. दीपक कोहली (लखनऊ) और अनिल कुमार शनिलयश (प्रतापगढ़) शामिल हैं।इन सम्मानों के माध्यम से बाल साहित्य के क्षेत्र में योगदान देने वाले साहित्यकारों का सम्मान किया जाएगा और उनकी रचनात्मकता को प्रोत्साहित किया जाएगा।

पाथवे टू इम्प्लायमेंट समिट का आयोजनः कौशल विकास और रोजगार के नए अवसरों पर चर्चा

लखनऊ,(संवाददाता) इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में गुरुवार को उत्तर प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता विभाग, प्राविधिक शिक्षा विभाग और मेधा फाउंडेशन के सहयोग से श्पाथवे टू इम्प्लॉयमेंट समिटश का आयोजन किया गया। इस समिट का उद्देश्य युवाओं को कौशल विकास के माध्यम से रोजगार के लिए सशक्त बनाना, महिला रोजगार को प्रोत्साहित करना, स्टार्टअप और उद्यमशीलता को बढ़ावा देना और देश के आर्थिक विकास में योगदान देना था।कार्यक्रम में 110 से अधिक प्रतिष्ठित औद्योगिक संगठनों के शीर्ष प्रबंधकों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनके द्वारा शिक्षा, उद्योग और सरकार के बीच साझेदारी को सुदृढ़ करने के लिए विचार साझा किए गए। इस समिट ने रोजगार और उद्यमशीलता के क्षेत्र में नई संभावनाओं का द्वार खोला।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. हरिओम, प्रमुख सचिव, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता विभाग, उत्तर प्रदेश ने अपने संबोधन में कहा कि नीतियां बनाना आसान है, लेकिन उन्हें प्रभावी तरीके से लागू करना ही असली चुनौती है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन के लिए एग्रो सेक्टर और छोटे उद्योगों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया।प्राविधिक शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव नरेंद्र भूषण ने कहा कि उद्योग जगत और शिक्षा क्षेत्र के बीच मजबूत तालमेल से युवाओं को बेहतर रोजगार के अवसर दिए जा सकते हैं। उन्होंने कौशल विकास कार्यक्रमों को उद्योग की आवश्यकताओं से जोड़े जाने की आवश्यकता पर जोर दिया।महानिदेशक प्राविधिक शिक्षा अविनाश कृष्ण सिंह ने डिप्लोमा और तकनीकी पाठ्यक्रमों को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप अद्यतन करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों को रोजगार के अवसर प्रदान करने वाले बनाना चाहिए।निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन नेहा प्रकाश ने महिलाओं को रोजगार के क्षेत्र में बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया, और आईटीआई उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को उचित वेतन देने की बात की ताकि वे बेहतर प्रदर्शन कर सकें।समिट में मेधा फाउंडेशन के सह–संस्थापक क्रिस्टोफर टुरिल्लो ने फाउंडेशन की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की।

राम नगरी अयोध्या में फ्लोटिंग रेस्टोरेंट का निर्माणरू श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए नई सुविधा

लखनऊ (संवाददाता) राम नगरी अयोध्या में श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती संख्या को देखते हुए उत्तर प्रदेश ईको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड द्वारा सरयू नदी पर एक अनोखा फ्लोटिंग रेस्टोरेंट तैयार किया जा रहा है। इसकी लागत 3.59 करोड़ रुपये है, और यह रेस्टोरेंट आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने इस परियोजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि रेस्टोरेंट की लंबाई 12 मीटर और चौड़ाई 6 मीटर होगी। इसमें विभिन्न प्रकार के स्थानीय व्यंजन उपलब्ध होंगे, जिन्हें पर्यटक और श्रद्धालु आनंद से खा सकेंगे।मंत्री ने बताया कि रामलला के विराजमान होने के बाद से अयोध्या में श्रद्धालुओं की संख्या तेजी से बढ़ी है। पिछले साल जनवरी से सितंबर तक 13 करोड़ से अधिक श्रद्धालु अयोध्या में दर्शन के लिए पहुंचे। इस बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार का उद्देश्य है कि श्रद्धालु केवल दर्शन ही नहीं, बल्कि ईको पर्यटन, वाटर स्पोर्ट और रूरल पर्यटन का भी अनुभव लें।इस फ्लोटिंग रेस्टोरेंट की डिजाइन पर्यावरण के अनुकूल होगी, जिससे नदी का प्राकृतिक सौंदर्य बनाए रखा जाएगा और नदी प्रदूषित नहीं होगी। परियोजना के पूर्ण होने के बाद, यह न केवल अयोध्या के पर्यटन को बढ़ावा देगा, बल्कि स्थानीय समुदाय के लिए रोजगार के नए अवसर भी उत्पन्न करेगा।पर्यटन मंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि संगम नगरी प्रयागराज में पिछले साल से फ्लोटिंग रेस्टोरेंट की सुविधा शुरू की गई है, जो पर्यटकों और श्रद्धालुओं के बीच काफी लोकप्रिय हो रहा है। अयोध्या में इस फ्लोटिंग रेस्टोरेंट के संचालन से इसे भी एक प्रमुख आकर्षण के रूप में देखा जा सकता है।

आजाद समाज पार्टी मिल्कीपुर उपचुनाव में उतरेगी प्रत्याशी

मिल्कीपुर–अयोध्या। आदर्श आचार संहिता लगने के बाद मिल्कीपुर में आजाद समाज पार्टी सक्रिय हो गई है । बुधवार को इनायतनगर में मंडलीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई । बैठक में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील कुमार चित्तौड़ ने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर पार्टी के नीतियों से अवगत कराया तथा चुनावी रणनीति पर चर्चा की एवं पार्टी पदाधिकारी को चुनावी टिप्स दिए। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इस देश का जो संविधान हैं भारत के प्रत्येक नागरिक को फ्री में शिक्षा मिले इलाज मिले सुरक्षा मिले विकास हो जाति के नाम पर किसी के साथ भेदभाव न हो सभी क्षेत्रों में बराबरी का अवसर मिले संविधान भारत के प्रत्येक नागरिक को अधिकार देता है।बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर ने कहा था सरकार में बैठे लोग इमानदारी से संविधान के अनुरूप कार्य करेंगे तो इस देश के गरीबों का कल्याण बहुत तेजी से होगा संविधान को लागू हुए 75 वर्ष हो गये लेकिन देश के 50 प्रतिशत लोग हाई स्कूल पास नहीं कर सके, गरीबों को अच्छा इलाज अच्छी शिक्षा नहीं मिल पा रही है। जाति और धर्म के नाम पर थाना और तहसीलों में भी भेदभाव किया जाता है। इन सभी अधिकारों को आम जनता तक पहुंचाने के लिए आजाद समाज पार्टी ने संकल्प लिया है। पार्टी मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव लड़कर देश को यह संदेश देगी की मिल्कीपुर की जनता हमारी पार्टी के नीतियों से संतुष्ट है, और बहुजन समाज के लोग पार्टी के साथ जुड़ेंगे। उन्होंने कहा कि आगे पार्टी तय करेगी किसको मिल्कीपुर से चुनाव लड़ना है।इस मौके पर भावी प्रत्याशी सूरज चौधरी, जिलाध्यक्ष देवेश कुमार पिंटू,रवीन्द्र कुमार विष्णु प्रताप,गुलशन भारतीय , इस्लाम राणा ,संजय रावत,वसीर, विरेन्द्र मौर्या,अजय कुमार सहित पार्टी की कार्यकर्ता मौजूद रहे

विवादों से फिर घिरा अयोध्या महोत्सव

-सांस्कृतिक आयोजन के नाम पर लगा अश्लीलता परोसने का आरोप
-संस्कृति विभाग के लाखों रुपए का हो रहा बंटाधार

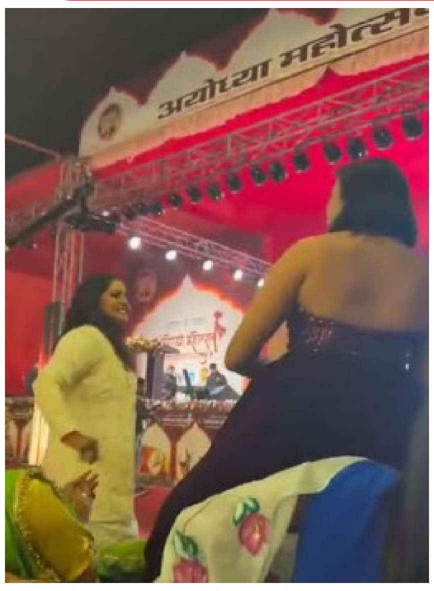

अयोध्या। अयोध्या महोत्सव, जो हर साल शहर की सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर को प्रदर्शित करने के लिए आयोजित किया जाता है, इस बार विवादों में घिर गया है। फॉरएवर लॉन में चल रहे इस महोत्सव में भोजपुरी फिल्मों की मशहूर अभिनेत्रियां, जैसे आम्रपाली दुबे, ने मंच पर अपने डांस से ग्लैमर का तड़का लगाया। हालांकि, इन प्रस्तुतियों को लेकर कई लोगों ने नाराजगी जाहिर की है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में अभिनेत्रियों को मंच पर ठुमके लगाते देखा गया, जिसे लेकर आलोचकों ने इसे "अश्लीलता परोसने" का आरोप लगाया है। वीडियो में नजर आ रहा है कि महोत्सव में मौजूद आम लोग भी इन प्रस्तुतियों का आनंद लेते हुए मस्ती में चूर हैं। पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडेय ने इस आयोजन की कड़ी आलोचना करते हुए सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया। उन्होंने कहा कि अयोध्या महोत्सव के नाम पर शहर की सांस्कृतिक और धार्मिक गरिमा को ठेस पहुंचाई जा रही है। पांडेय ने आरोप लगाया कि इस तरह के आयोजन अयोध्या की पवित्रता और सम्मान को नुकसान पहुंचा रहे हैं। उन्होंने यह भी मांग की कि इस महोत्सव को आयोजित करने के लिए दी जाने वाली सरकारी फंडिंग पर तुरंत रोक लगाई जाए। पांडेय ने प्रशासन से बिना किसी मानक के हर साल होने वाले इस आयोजन पर सख्त कार्रवाई करने की अपील की।

अयोध्या महोत्सव में किस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जा सकते हैं, इस सम्बन्ध में या तो अधिकारी कुछ जानते नहीं या फिर कुछ कहने को तैयार नहीं हैं। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी आरपी यादव कहते हैं कि हमारे विभाग की ओर से अयोध्या महोत्सव को आयोजित करने के लिए 15 लाख रुपये का अनुदान तो दिया जाता है। किन्तु मेले में किस प्रकार के कार्यक्रम होने चाहिए इसकी हमें जानकारी नहीं है। उन्होंने स्पष्ट जानकारी देने के स्थान पल्ला झाड़ते हुए कहा जिला प्रशासन जाने। मतलब यह कि कोई मेले को लेकर कुछ बोलने को तैयार ही नहीं है। अयोध्या महोत्सव में हुई मनमानी का खुलासा करने के लिए अधिवक्ता प्रभात कुमार की ओर से मांगी गई जन सूचना का जिम्मेदार विभाग के अधिकारियों ने जवाब नही दिया। इस विषय पर आवेदक ने डीएम के न्यायालय में जन सूचना प्राप्त करने के लिए अपील की किन्तु आवेदक का कहना है कि पूरा शासन प्रशासन अयोध्या महोत्सव के आयोजक की कठपुतली बना है। जिसके कारण जन सूचना का जवाब नहीं दिया जा रहा है। आलोचकों का कहना है कि इस प्रकार के आयोजनों में सरकारी फंड का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग होता है। इनका उद्देश्य अयोध्या की सांस्कृतिक पहचान को बढ़ावा देना होना चाहिए, लेकिन अब यह आयोजन मनोरंजन और विवाद का कारण बन गया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में किशोरी का मिला अर्धनग्न शव

-मृतका के पिता की तहरीर पर गोसाईगंज पुलिस ने दर्ज किया हत्या का केस
-दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पुलिस कर रही पूंछतांछ

गोसाईगंज–अयोध्या। गोसाईंगंज कोतवाली इलाके में बुधवार की सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में एक किशोरी की अर्धनग्न लाश गांव के समीप नहर में पायी गयी। किशोरी के वस्त्र, चप्पल व शाल शव से 100 फिट की दूरी पर अलग बिखरे पड़े थे। मामले में मृतका के पिता की तहरीर पर गोसाईगंज पुलिस ने हत्या की धारा में केस दर्ज किया है। तहरीर में पड़ोस के गांव के एक युवक पर आशंका व्यक्त की गई है। पुलिस ने दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूंछतांछ कर रही है। घटना गोसाईगंज व महराजगंज सीमा के सादुल्लाहपुर गांव का है। गोसाईंगंज कोतवाली इलाके के गोकुलपुर के मजरे सादुल्लापुर के रामगणेश की पुत्री चाँदनी मंगलवार को रात में खाना पीना खाकर घर मे अपनी छोटी बहन के साथ सोयी। सुबह गांव के बाहर घर से लगभग तीन सौ मीटर दूर पौसारा रजबहा में महराजगंज थाना क्षेत्र के कंचनपुर के समीप उसका अर्धनग्न शव पानी मे औंधे मुंह पड़ा हुआ था। सादुल्लाहपुर गांव का ही एक युवक जब नहर पर शौंच के लिए आया तो शव देखकर उसके होश उड़ गए। शव औंधे मुंह पड़ा होने के कारण वह पहचान नही पाया। सूचना पर जब पुलिस ने पहुंचकर उसे बाहर निकाला तो उसकी पहचान 16वर्षीय चांदनी पुत्री राम गणेश के रूप में हुई। मामले की जानकारी होने पर एसएसपी राजकरन नैय्यर, एसपीआरए वलवंत चौधरी व सीओ योगेंद्र कुमार,प्रशिक्षु सीओ अरविंद सोनकर, फोरेंसिक व एसओजी टीम भी घटना स्थल पहुंचकर गहनता से छानबीन किया। वंही फोरेंसिक टीम ने भी अलग अलग नमूना लिया। पुलिस अधिकारियों ने जब परिजनों से बातचीत की तब पता चला कि वह पड़ोस के एक शिक्षण संस्थान में कक्षा 10 की छात्रा थी। रात्रि में 12 बजे के करीब मृतका की मां की मोबाइल पर दो बार किसी का काल आया था लेकिन मां की आवाज सुनकर फोन करने वाले ने फोन काट दिया था। अनुमान लगाया जाता है कि अर्धरात्रि में किसी के फोन पर घर से निकली थी। शव के परिस्थितियों को देखकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म की बात से इंकार नही किया जा सकता। पिता रामगणेश ने पड़ोस गांव मानापुर के मजरे मुखमूलपुर के युवक मोनू शर्मा को नामजद किया है। पुलिस ने नामजद व एक अन्य संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूंछतांछ कर रही है साथ ही रात में आये फोन काल व अन्य बिंदुओं की ओर जिले की स्वाट टीम ,गोसाईगंज व महराजगंज पुलिस की अलग अलग टीम घटना के अनावरण के लिए एसएसपी राजकरन नैय्यर ने लगाई है। प्रभारी निरीक्षक गोसाईगंज परशुराम ओझा ने बताया कि मुकदमा दर्जकर घटना के अनावरण के लिए टीम कार्य कर रही है जल्द ही खुलासा कर दिया जाएगा।

महबूबगंज उनियार बाजार को बाईपास कर दुकानें बचाने की मांग

गोसाईंगंज–अयोध्या। मया –टांडा मार्ग चौड़ीकरण को लेकर व्यापारिक प्रतिष्ठान और घर से बेघर हो रहे सैकड़ो व्यापारियों ने लगभग 400 लोगों के हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन पूर्व विधायक ईंद्र प्रताप खब्बू तिवारी और एडीएम एफआर को सौपा है।ज्ञापन में महबूबगंज उनियार बाजार को बाईपास कर दुकान और घर बचाने की मांग की है। बेघर हो रहे व्यापारियों ने कहाकि यदि हमारी मांगों को नजरअंदाज किया गया तो हम लोग सड़क पर उतरने को मजबूर होंगे जिसकी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।बुधवार को महबूबगंज और उनियार बाजार के लगभग डेढ़ सौ व्यापारी पूर्व विधायक इन्द्र प्रताप खब्बू तिवारी के यहां पहुंचे और मया – टांडा मार्ग के चौड़ीकरण से घर और व्यापार दोनों हाथ से चले जाने की व्यथा सुनाई । दुकान घर बचाने के लिए लगभग 400 लोगों का हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन सौपा। खब्बू तिवारी ने व्यापारियों को आश्वासत करते हुए कहा कि आप लोग धैर्य धारण करें हम आपकी समस्या का निराकरण कराने का पूरा प्रयास करेंगे।इसके बाद व्यापारियों का दल जिला अधिकारी फैजाबाद से मिलने सभागार पहुंचा वहां उनकी मुलाकात महेंद्र सिंह एडीएम एफ आर अयोध्या से हुई,उन्हें अपना दुखड़ा सुनते हुए व्यापारियों ने हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन दिया और महबूबगंज उनियार बाजार को बाईपास करने की मांग किया। एडीएम ने व्यापारियों को आश्वासन देते हुए कहा कि बाई पास हमारे स्तर की बात नहीं है। हम आपकी समस्या से अपने उच्च अधिकारियों को अवगत कराएंगे।व्यापारी नेता उदयभान गुप्ता ने कहा कि यदि हम सब की मांग को नजरअंदाज किया जाएगा तो हम व्यापारीगण सड़क पर उतरने को मजबूर होंगे इस अवसर पर ध्रूव गुप्ता, दीपक गुप्ता ,डॉ दीपक ,सुजीत मोदनवाल ,रमाकांत जायसवाल, मनीष गुप्ता, मोहम्मद ताहिर ,रामबचन सैनी, धारा यादव सहित सैकड़ो व्यापारी उपस्थित रहे।

चकमार्ग की जमीन पर अवैध तरीके से निर्माण की हुई शिकायत

सोहावल–अयोध्या।तहसील क्षेत्र के मोबीन पुत्र शौकत उल्ला व दद्दन प्रसाद पुत्र रामेश्वर निवासी भदरसा टाऊन मोहल्ला जीवपुर सहित दोनों शिकायत कर्ताओं ने विपक्षी द्वारा होटल एवं बिना नक्शा पास कराये चकमार्ग की भूमि पर बाउंड्री वाल निर्माण की शिकायत तहसीलदार से किया है। मामले में तहसीलदार ने टीम गठित कर कार्रवाई की बात कही है।तहसीलदार सोहावल सुमित कुमार सिंह को दिए गए शिकायती पत्र में मोबीन पुत्र शौकत उल्ला ने कहा है कि गाटा संख्या 782 स्थित नंदी ग्राम की भूमि पर व शिकायत कर्ता दद्दन प्रसाद पुत्र रामेश्वर ने कहा है कि उसकी गाटा संख्या 2300 स्थित भदरसा बाहर की भूमि पर रतन कुमार पुत्र दक्षिणी निवासी दुर्गा पूरी कालोनी जनौरा द्वारा बिना नक्शा पास कराए होटल एवं चकमार्ग की जमीन पर जबरिया बाउंड्री का निर्माण करवाया जा रहा है। शिकायत कर्ताओं ने विपक्षी द्वारा जबरिया कराए जा रहे निर्माण को ध्वस्त कराकर भूमि को खाली कराए जाने की मांग तहसीलदार से की है। पूंछे जाने पर तहसीलदार सोहावल सुमित कुमार सिंह ने बताया कि प्रकरण संज्ञान में आया है। राजस्व टीम गठित करके जल्द ही मामले का निस्तारण करवाया जायेगा।

सीडीओ से तालाब में कूड़ा करकट फेंके जाने की हुई शिकायत

सोहावल–अयोध्या। तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत मुस्तफाबाद निवासी दिनेश प्रताप सिंह ने ग्राम प्रधान द्वारा तालाब में कूड़ा करकट फेंके जाने के शिकायत मुख्य विकास अधिकारी से की है। दिए गए शिकायती पत्र में दिनेश प्रताप सिंह ने कहा है कि प्रधान मो0 नदीम गांव का कूड़ा–करकट एकत्र करवाकर सड़क के किनारे तालाब जो खतौनी में दर्ज है। उसमें डालकर पाट रहे हैं। जिसकी शिकायत पूर्व में एसडीएम सोहावल से भी की जा चुकी है। एसडीएम के निर्देश पर राजस्व निरीक्षक एवं क्षेत्रीय लेखपाल द्वारा ग्राम प्रधान को ताला में कूड़ा करकट नहीं फेंकने के लिए कहा गया। तो करीब तीन माह तक कूड़ा–करकट तालाब में नहीं फेंका गया। इसके बाद एक माह से तालाब में पुनः उसी स्थान पर प्रधान कूड़ा–करकट फेंकना शुरू कर दिये है। मना करने पर कहते है यह स्थान सुविधापूर्ण है। शिकायतकर्ता का कहना है कि जिस स्थान पर कूड़ा–करकट फेंक रहे है। वहां से कुछ दूरी पर कब्रिस्तान, शमशान और देव स्थल भी स्थित है।

सभासद सालिम अंसारी बने समाजवादी युवजन सभा के जिला उपाध्यक्ष

मऊ। यूपी में विधानसभा चुनाव भले ही 2027 में हो पर समाजवादी पार्टी ने अभी से आगामी 2027 चुनाव के लिए तैयारी शुरू कर दी है। इसी क्रम में आज समाजवादी पार्टी के जिला मऊ के कार्यालय पर समाजवादी फ्रंटल संगठनों की बैठक में नगर पालिका परिषद मऊ के वर्तमान सभासद मोहम्मद सालिम अंसारी को समाजवादी युवजन सभा ज़िला मऊ का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है! ज़िलाध्यक्ष समाजवादी युवजन सभा राजेश यादव, जिलाध्यक्ष मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड शाहनवाज़ आलम, जिलाध्यक्ष लोहिया वाहिनी मयंक पांडेय, ज़िला उपाध्यक्ष छात्र सभा अरशद बशर आदि ने माला पहनाकर जिला उपाध्यक्ष युवजन सभा मोहम्मद सालिम अंसारी को मनोनयन पत्र सौंपा।

वरिष्ठ सहायक अशोक कुमार मिश्र हुए सेवानिवृत्ति

अयोध्या। सहायक शिक्षा निदेशक अयोध्या मंडल के वरिष्ठ सहायक पद पर रहे अशोक कुमार मिश्र सेवानिवृत्ति हो गये। सेवानिवृत्ति हुए अशोक कुमार मिश्र का विदाई समारोह सहायक शिक्षा निदेशक कार्यालय पर संपन्न हुआ। विदाई समारोह मे बेसिक शिक्षा विभाग अधिकारी संतोष राय सहायक शिक्षा निदेशक कौस्तुभ कुमार सिंह समाज कल्याण अधिकारी आरपी सिंह शामिल हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक अयोध्या मंडल अयोध्या के कौस्तुभ कुमार सिंह ने किया इस दौरान सभी स्टाफ के लोगों ने अशोक कुमार मिश्रा को बुके और अंग वस्त्र भेंट कर स्वागत सम्मान किया वही अशोक कुमार मिश्र ने बताया कि यहां का कार्यालय हमारा सबसे उत्तम कार्यालय रहा है और यहां के साथी हमारे अपनत का व्यवहार रखते हैं और किसी के साथ किसी भी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं है उन्होंने कहा कि हम यहां पर वरिष्ठ सहायक पद पर कार्यरत थे हमें अपने परिवार से जाना तो दुख हो ही रहा है जिन्होंने अपना माना है इस अवसर पर मंडलीय अध्यक्ष हरि कृष्ण श्रीवास्तव अमित तिवारी अशोक कुमार चौधरी मनीष कुमार गौतम प्रियंका पासवान त्रिभुवन यादव सहित विभाग के सभी कर्मचारी मौजूद रहे।

मानवाधिकार प्रदेश महासचिव ने रैन बसेरों और अलाव की व्यवस्था का किया निरीक्षण

दोहरीघाट, मऊ। ठंड से बचाव के लिए नगर क्षेत्र में बने रैन बसेरों और सार्वजनिक स्थानों पर जल रहे अलाव का जायजा मानवाधिकार संरक्षण संगठन के प्रदेश महासचिव दीपक कुमार पांडेय एवं जिलाध्यक्ष पंकज त्रिपाठी ने लिया। इस दौरान उनके साथ घोसी के एसडीएम अभिषेक गोस्वामी और नायब तहसीलदार निशान्त मिश्रा भी उपस्थित रहे। प्रदेश महासचिव दीपक कुमार पांडेय ने नगर पंचायत कार्यालय प्रांगण में यात्रियों के लिए बनाए गए रैन बसेरों की सुविधाओं और वहां अलाव जलने की व्यवस्था का निरीक्षण किया। उनके आने की सूचना पर घोसी तहसील के एसडीएम अभिषेक गोस्वामी ने दोहरीघाट नगर क्षेत्र में पहुंचकर उनके साथ कस्बे का भ्रमण किया। निरीक्षण के दौरान प्रशासन द्वारा गरीब और असहाय लोगों को दिए जा रहे कंबल वितरण और अलाव व्यवस्था के बारे में पूरी जानकारी दी गई। प्रशासन की इन व्यवस्थाओं से दीपक कुमार पांडेय काफी प्रभावित हुए और उनकी सराहना की। इस निरीक्षण अभियान में मानवाधिकार संरक्षण संगठन के प्रदेश महासचिव दीपक कुमार पांडेय, जिलाध्यक्ष पंकज त्रिपाठी, एसडीएम अभिषेक गोस्वामी, नायब तहसीलदार निशान्त मिश्रा, मिन्टू पांडेय, सत्य प्रकाश दूबे और पवन उपाध्याय समेत अन्य लोग शामिल रहे।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी राजकीय महाविद्यालय के बच्चों को यातायात नियमों के प्रति दिया गया प्रशिक्षण

घायल को अस्पताल पहुचाएं,बाद में फिर वीडियो बनाएं

प्रयागराज ध्उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री के दिशानिर्देशन में सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत श्यामा प्रसाद मुखर्जी राजकीय महाविद्यालय फाफामऊ में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार) ईकाई के कैम्प में यातायात जागरूकता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम की शुरुआत में दीप प्रज्ज्वलित किया गया और प्रधानाचार्य शुभ्रा श्रीवास्तव द्वारा पुष्पगुच्छ देकर मुख्य अतिथि पवन कुमार पाण्डेय का स्वागत किया गया। छात्र छात्राओं को सड़क दुर्घटनाओं से बचने के लिए मुख्य अतिथि यातायात जागरूकता प्रभारी द्वारा सड़क सुरक्षा के नियमों के प्रति व्याख्यान दिया गया।

कार्यक्रम में निरीक्षक पवन पाण्डेय ने छात्रों को बताया कि सड़क दुर्घटना में न जाने कितने लोगों की जान चली जाती है और अंगों के विकलांगता से जीवनभर दूसरो पर निर्भर रहते हैं। खासकर जो बच्चे साइकिल से स्कूल के लिए आते हैं उनके लिए सुरक्षित सफर करना एक बड़ी चुनौती बन गई है,बच्चो से अपील किया गया की वह भी हेलमेट का प्रयोग करें और अपने अभिवावक को भी यातायात नियमों के प्रति प्रेरित करें,कारण है कि लोग नियमों को लेकर लापरवाही करते हैं। छात्रों को बताया गया कि कार चालक सीट बेल्ट वा दोपहिया चालक सही मानकों वाला हेलमेट पहनकर ही घर से निकलें और तीन सवारी दोपहिया वाहन पर न बैठाए। सड़क पर हमेशा दूसरे वाहनों से निश्चित दूरी बनाकर रखनी चाहिए। सड़क किनारे लगे दिशासूचक (आदेशात्मक, सूचनात्मक, संकेतात्मक) बोर्ड व सड़क सुरक्षा नियमों की भलीऱ्भांति जानकारी होनी चाहिए। वाहन चलाते समय नशा न करें। लोग कान में इयरफोन लगाकर गाड़ी चलाते हैं जो बेहद खतरनाक है। उन्होंने छात्रों को गुड सेमिरिटन वा यातायात के दस स्वर्णिम सिद्धान्त के भी बारे में बताया। वाहन चलाते समय आवश्यक कागज साथ रखने के लिए सरकार द्वारा प्रमाणित ऐप (डीजी लाकर, एम परिवहन) में सुरक्षित रख सकते हैं, किसी भी दुर्घटना में घायल व्यक्ति की तुरंत मदद करें और गुड सेमिरिटन बने और सरकार से ईनाम भी पाए। उक्त कार्यक्रम में कॉलेज के समस्त शिक्षक एवं लगभग 120 छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जिन्होंने यातायात के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण जानकारियां ग्रहण की एवं इसे आगे और आगे प्रसारित करने के लिए संकल्प लिया। यातायात के प्रति सराहनीय व्याखायन के लिए कॉलेज के प्रधानाचार्या शुभ्रा श्रीवास्तव द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इस दौरान कार्यक्रम अधिकारी डॉ स्वाती श्रीवास्तव, डॉ दिलीप मौर्य, डॉ अरुण प्रताप सिंह, रजनीकांत रॉय,समाजसेवी (रेलवे चाइल्ड लाइन 1098) नितीश शुक्ल, संदीप शुक्ल,सतेन्द्र कुमार, राजित कुमार व अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

महिला सुरक्षा के प्रति जागरूकता अभियान एंटी रोमियो स्क्वाड ने चलाया मिशन शक्तिफेस-5 अभियान

मऊ। मिशन शक्ति फेस 5 के तहत महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए मऊ जिले में पुलिस प्रशासन की ओर से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में एंटी रोमियो स्क्वाड ने थाना दक्षिण टोला क्षेत्र के हमीरपुर चट्टी पर महिलाओं और छात्राओं को जागरूक किया। इस अभियान का नेतृत्व पुलिस अधीक्षक इलामारन जी के दिशा–निर्देशन और प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र सिंह के कुशल नेतृत्व में किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और छात्राओं को उनके अधिकारों, कानूनों और आपातकालीन सहायता साधनों की जानकारी देना था। एंटी रोमियो स्क्वाड ने महिलाओं और छात्राओं से संवाद किया और उन्हें जागरूक करते हुए बताया कि किसी भी प्रकार की असुविधा या उत्पीड़न का सामना करने पर वे कैसे पुलिस की मदद ले सकती हैं। 1090 वूमेन पावर हेल्पलाइन महिलाओं को उत्पीड़न से बचाने के लिए। 112 आपातकालीन सेवा किसी भी आपात स्थिति में तुरंत मदद पाने के लिए। एंटी रोमियो स्क्वाड की तैनाती स्कूल, कॉलेज और सार्वजनिक स्थलों पर गश्त बढ़ाई गई है। महिलाएं और छात्राएं अपनी समस्याओं को छुपाएं नहीं। अपने अधिकारों और कानूनों की जानकारी रखें किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। पुलिस ने महिलाओं से अपील की कि वे बिना किसी झिझक के पुलिस को सहयोग करें। महिला कांस्टेबल कंचन व आरती ने बताया कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए पुलिस प्रतिबद्ध है और यह अभियान जिले भर में चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान महिलाओं और छात्राओं ने पुलिस की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के अभियान से न केवल उन्हें आत्मविश्वास मिलता है बल्कि समाज में महिला सुरक्षा को लेकर सकारात्मक संदेश भी जाता है। पुलिस ने यह भी आश्वासन दिया कि ऐसे अभियान नियमित रूप से चलाए जाएंगे ताकि महिलाएं सुरक्षित और सशक्त महसूस कर सकें।

बालू लदे खड़े ट्रेलर में ट्रक ने मारी ट्रेलर, ट्रक चालक व खलासी घायल, जिला अस्पताल रेफर

घोसी, मऊ। घोसी कोतवाली क्षेत्र के हडहुआ के समीप फोरलेन पर मंगलवार की देर रात बालू लदे खड़े ट्रेलर में मऊ की तरफ से आ रही तेज रतार अनियंत्रित ट्रक चालक ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे ट्रक का चालक व खलासी गम्भीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुँची पुलिस ने काफी मशक्क़त के बाद दोनो घायलों को ट्रक के केबिन से बाहर निकलवा एंबुलेंस से इलाज के लिये सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घोसी भेजवाया। जहां से चिकित्सकों ने स्थिति गम्भीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बिहार राज्य के भोजपुर के सैयारा गांव निवासी ट्रक चालक प्रदीप कुमार (24 वर्ष) व खलासी शशि कुमार (22 वर्ष) मंगलवार की रात वाराणसी से लोहे का एंगल लादकर गोरखपुर के लिये ट्रक लेकर चले। उसी दौरान घोसी कोतवाली क्षेत्र के हड़हुआ के समीप चालक प्रदीप को अचानक झपकी आ गई। जिससे फोरलेन पर किनारे बालू लदे खड़े ट्रेलर में अनियंत्रित ट्रक पीछे से टक्कर मार दिया। टक्कर लगने से ट्रक का केबिन पूरी क्षतिग्रस्त हो गया। दो वाहनों के टक्कर की आवाज सुनकर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगो ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। स्थानीय लोगो व पुलिस की कड़ी मशक्कत के बाद किसी तरह ट्रक के केबिन को काटकर घायल ट्रक चालक व खलासी को बाहर निकाल कर इलाज के लिये सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घोसी भेजवाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने दोनों को इलाज के लिये जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

आखिर चुनावी रेवड़ी को परिभाषित करना इतना मुश्किल क्यों है?

कमलेश पांडेय ।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने विधानसभा चुनाव की घोषणा से पहले ही पूरे दिल्ली में श्रेवड़ी पर चर्चाश अभियान की शुरूआत कर दी थी। इस मौके पर उन्होंने दो टूक कहा था कि ष्जनता का पैसा, जनता की रेवड़ी, तो उस पर हक भी जनता का ही है।ष

दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 की घोषणा करते वक्त मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि श्चुनावी रेवड़ीश क्या है, इसे परिभाषित करना मुश्किल है। चूंकि इस मुद्दे पर आयोग के हाथ बंधे हुए हैं। इसलिए, कानूनी उत्तर ढूंढे जाएं।ष हालांकि, उनकी इस साफगोई से हमारी संसद और हमारे संविधान के संरक्षक सुप्रीम कोर्ट, दोनों की जिम्मेदारी बढ़ चुकी है। वह यह कि वो जल्द से जल्द इस मसले पर व्याप्त कानूनी असमंजस को दूर करने के लिए एक नेक पहल करें। वहीं, अब तक ऐसा नहीं होना निष्पक्ष चुनावी प्रक्रिया पर एक गम्भीर सवालिया निशान छोड़ जाता है। क्योंकि जब इस मसले पर स्पष्ट नियमन होंगे तो इसका उल्लंघन करने वाले राजनीतिक दलों व उनके नेताओं को कानून के कठघरे में खड़ा किया जा सकेगा। हालांकि, मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार की बात से अब यह स्पष्ट हो चुका है कि आजादी और गणतंत्र बनने के इतने दशकों बाद भी हमारे सत्ता पक्ष या विपक्ष ने कभी इस मुद्दे पर स्पष्ट नियमन बनाने की पहल ही नहीं की, ताकि दुविधाजनक कानूनी परिस्थितियों से चुनावी लाभ उठाते रहा जाए। जबकि, मीडिया में इस बारे में जब–तब बहस होती रहती है, और सर्वोच्च न्यायालय में भी इस बारे में कुछ जनहित दायर है, जिस पर दो टूक निर्णय की प्रतीक्षा देशवासियों को है। लेकिन वर्ष 2018 से अब तक इस पर स्पष्ट निर्णय नहीं हो पाया है। यह गम्भीर बात है, क्योंकि इससे इस अहम मसले पर राजनेताओं और सम्बन्धित पेशेवरों द्वारा जितने मुंह, उतनी बातें की जा रही हैं जिससे मतदाता भी असमंजस में हैं। इसके उलट जिन्हें फ्रीबीज यानी मुफ्त की चुनावी रेवड़ी का लाभ मिल रहा है, उनकी तो बल्ले बल्ले है। वहीं, जिन करदाताओं की जेबें तरह–तरह के टैक्स के माध्यम से हर रोज काटी जा रही हैं और सरकार प्रदत्त जनसुविधा भी नदारत या नाकाफी दिख रहीं हैं उनके दिलोदिमाग में इस सियासी प्रवृत्ति को लेकर अनेक सवाल उठ रहे हैं।वैसे तो सुप्रीम कोर्ट ने भी गत दिनों फ्रीबीज मामले पर सख्त टिप्पणी की और कहा कि राज्यों के पास उन लोगों को 'मुफ्त सौगात' देने के लिए पर्याप्त धन है, जो कोई काम नहीं करते। लेकिन जजों की सैलरी–पेंशन देने के लिए नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ष्राज्य के पास मुफ्त की रेवड़ियां बांटने के लिए पैसे हैं लेकिन जजों की सैलरी–पेंशन देने के लिए नहीं है। राज्य सरकारों के पास उन लोगों के लिए पूरा पैसा है, जो कुछ नहीं करतेय लेकिन जब जजों की सैलरी की बात आती है तो वे वित्तीय संकट का बहाना बनाते हैं।ष्बता दें कि जस्टिस बी.आर. गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने यह मौखिक टिप्पणी उस समय की, जब अखिल भारतीय न्यायाधीश संघ से जुड़ी एक याचिका के निपटारे के क्रम में अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि ने दलील दी कि सरकार को न्यायिक अधिकारियों के वेतन और सेवानिवृत्ति लाभों पर निर्णय लेते समय वित्तीय बाधाओं पर विचार करना होगा। तब सुप्रीम कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी की कि, ष्राज्य के पास उन लोगों के लिए पैसा है जो कोई काम नहीं करते। चुनाव आते हैं आप लाडली बहना और अन्य नयी योजनाएं घोषित करते हैं जिसके तहत आप निश्चित राशि का भुगतान करते हैं। दिल्ली में अब आए दिन कोई न कोई पार्टी घोषणा कर रही है कि वे सत्ता में आने पर 2,500 रुपये देंगे।ष उल्लेखनीय है कि शीर्ष अदालत ने सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को पेंशन के संबंध में अखिल भारतीय न्यायाधीश संघ की ओर से 2015 में दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। जबकि, अटार्नी जरनल आर वेंकटरमणि ने कहा कि वित्तीय बोझ की वास्तविक चिंताओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने पहले कहा था कि, ष्यह 'दयनीय' है कि उच्च न्यायालय के कुछ सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को 10,000 रुपये से 15,000 रुपये के बीच पेंशन मिल रही है।ष यहां ध्यान देने वाली बात है कि सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी ऐसे वक्त में आई है, जब दिल्ली चुनाव में फ्रीबीज की बहार है। आम आदमी पार्टी ने वादा किया है कि उसकी सरकार बनी तो महिलाओं को 2100 रुपए हर महीने मिलेंगे। जबकि कांग्रेस 2500 रुपए देने की बात कह रही है। वहीं, भाजपा भी इसी तरह का ऐलान जल्द करने वाली है।

उधर, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने विधानसभा चुनाव की घोषणा से पहले ही पूरे दिल्ली में श्रेवड़ी पर चर्चाश अभियान की शुरूआत कर दी थी। इस मौके पर उन्होंने दो टूक कहा था कि ष्जनता का पैसा, जनता की रेवड़ी, तो उस पर हकध भी जनता का ही है।ष केजरीवाल ने कहा कि, श्पीएम मोदी ने कई बार कहा है कि केजरीवाल मुफ्त की रेवड़ी दे रहे हैं और इसे बंद किया जाना चाहिए। जबकि केजरीवाल खुलेआम कह रहा है कि हम ये रेवड़ी दे रहे हैं। अब दिल्ली के लोगों को तय करना है कि उन्हें ये रेवड़ी चाहिए या नहीं।ष उन्होंने आगे चेताया कि, ष्अगर बीजेपी जीतती है तो वे ये योजनाएं बंद कर देगी। क्योंकि बीजेपी ने अपने और अपने गठबंधन द्वारा शासित राज्यों में ये रेवड़ियां लागू नहीं की हैं। हालांकि उसकी कथनी और करनी में अंतर है।ष उन्होंने दो टूक कहा कि, ष्ये "मुफ्त की रेवड़ी" नहीं हैं बल्कि ये करदाताओं के पैसे से लागू की गई योजनाएं हैं।ष

वहीं, चुनाव आयोग ने भी इस मुद्दे पर कहा था कि, ष्जिसे आप सामान्य भाषा में श्फ्रीबीजश यानी मुफ्त की चीजें कह रहे हैं वे महामारी जैसे दौर में लोगों की जान बचा सकती हैं। हो सकता है एक वर्ग के लिए जो अतार्किक हो वो दूसरे वर्ग के लिए जरूरी हो।

वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजनीतिक पार्टियों और मुफ्ष्त में सुविधाएं दिए जाने का जिक्र करते हुए एक बार कहा था कि, ष्इस तरह के वादे करके वोटरों को लुभाना राष्ट्र निर्माण नहीं, बल्कि राष्ट्र को पीछे धकेलने की कोशिश है। अगर राजनीति में ही स्वार्थ होगा तो कोई भी आकर पेट्रोल–डीजल भी मुफ्त देने की घोषणा कर सकता है। ऐसे कध्दम हमारे बच्चों से उनका हकध छीनेंगे। देश को आत्मनिर्भर बनने से रोकेंगे। ऐसी स्वार्थभरी नीतियों से देश के ईमानदार करदाता का बोझ भी बढ़ता ही जाएगा। ये नीति नहीं श्अनीतिश है। ये राष्ट्रहित नहीं, ये राष्ट्र का अहित है।एक बार पीएम मोदी ने बुंदेलखंड–एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करते हुए उत्तर प्रदेश के जालौन में तो यहां तक कह दिया था कि, ष्आजकल हमारे देश में मुफ्त की रेवड़ी बांटकर वोट बटोरने का कल्चर लाने की भरसक कोशिश हो रही है। ये रेवड़ी कल्चर देश के विकास के लिए बहुत घातक है। रेवड़ी कल्चर वालों को लगता है कि जनता जनार्दन को मुफ्त की रेवड़ी बांटकर उन्हें खध्रीद लेंगे। हमें मिलकर रेवड़ी कल्चर को देश की राजनीति से हटाना है।

वहीं, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस मुद्दे पर अपना पक्ष रखते हुए कहा था कि, ष्कहा जा रहा है कि अगर सरकारें जनता को फ्री में सुविधाएं देंगी तो सरकारें कंगाल हो जाएंगी। देश के लिए बहुत आफत पैदा हो जाएगी। इन सारी फ्री की सुविधाओं को बंद किया जाए। इससे मन में एक शक पैदा होता है कि कहीं केंद्र सरकार की आर्थिक हालत बहुत ज्यादा खराब तो नहीं हो गयी है। अचानक ऐसा क्या हो गया कि इन सारी चीजों को बंद करने, वापस लेने या इनका विरोध करने की स्थिति आ गई।ष इससे दो कदम आगे बढ़कर उन्होंने आरोप लगाया था कि केंद्र सरकार ने करोड़पति उद्योगपतियों के दस लाख करोड़ रुपए के कर्ज माफ किए थे। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा था कि, ष जब 2014 में केंद्र सरकार का बीस लाख करोड़ का बजट होता था। और आज केंद्र सरकार का बजट लगभग चालीस लाख करोड़ का है तो ये सारा पैसा जा कहां रहा है। इन्होंने बहुत अमीर लोग जो अरबपति हैं उनके दस लाख करोड़ रुपये के कर्जध् माफ कर दिए। अगर ये हजारों लाखों करोड़ों रुपये के कर्जध् माफ नहीं किए जाते तो इन्हें खाने–पीने की चीजों पर टैक्स लगाने की जरूरत नहीं पड़ती।ष यहां पर यह भी उल्लेखनीय है कि एक बार कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में पूछे गए एक सवाल का जवाब ट्वीट किया था। जिसके अनुसार 2017 से लेकर 2022 के बीच बैंकों ने कध्रीब 10 लाख करोड़ रुपये के कर्ज माफ किए हैं। तब उनका कहना था कि सरकार मध्यवर्ग के करदाताओं को लूट रही है। लिहाजा इसी का जिक्र अरविंद केजरीवाल ने भी किया था, जो सही है।वहीं, चुनाव अभियानों में राजनीतिक पार्टियों के मुफ्त चीजें और पैसे देने के वादों से संबंधित एक जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इसे श्एक गंभीर मुद्दाश बताया है। वर्ष 2022 में ही एक याचिका पर सुनवाई करते हुए तत्कालीन चीफ जस्टिस एनवी रमन्ना और जस्टिस कृष्ण मुरारी की बेंच ने कहा था कि– ष्ये एक गंभीर मुद्दा है। जिन्हें ये मिल रहा है वो जरूरतमंद हैं और हम वेलफेयर स्टेट हैं। कुछ टैक्सपेयर कह सकते हैं कि इसका इस्तेमाल विकास के लिए किया जाए। इसलिए ये गंभीर मुद्दा है। अर्थव्यवस्था को हो रहे नुकसान और वेलफेयर में बैलेंस की जरूरत है। दोनों ही पक्षों को सुना जाना चाहिए।ष

उल्लेखनीय है कि इस बाबत जनहित याचिका दायर करने वाले बीजेपी नेता अश्विनी उपाध्याय ने गुजारिश की है कि केंद्र सरकार और चुनाव आयोग राजनीतिक पार्टियों के चुनावी घोषणापत्र को नियंत्रित करने और उनके वादों के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराने से जुड़ा कध्नून लाए और बिना सोच समझकर अतार्किक वादे करने वाली पार्टियों को बैन करे। उनका कहना है कि मुफ्त चीजों की घोषणा करते वकध्त राजनीतिक पार्टियां सरकार पर पड़ रहे कर्ज के बोझ का ध्यान रखें और बताएं कि इसके लिए पैसा किसकी जेब से आ रहा है।

इस बारे में अश्विनी उपाध्याय ने बताया था कि, ष्हमने कोर्ट से यही कहा है कि इस समय केंद्र और राज्य सरकारों पर 150 लाख करोड़ रुपये का कर्ज हो चुका है। अगर इसे नहीं रोका गया तो आने वाले समय में स्थिति बहुत खध्राब हो जाएगी। हमें न विश्व बैंक, न अमेरिका, न जापान कर्ज देगा। स्थिति नियंत्रण के बाहर हो जाएगी। केंद्र सरकार ने भी हमारी जनहित याचिका का समर्थन किया है और कहा है कि जन कल्याणकारी योजनाएं तो चलनी चाहिए लेकिन मुफ्तखोरी की योजनाएं बंद होनी चाहिए। हमने अपनी ओर से सात सदस्यों की एक समिति का प्रस्ताव दिया है। यह समिति बताए कि मुफ्तखोरी को कैसे रोका जाए और राज्यों पर जो कर्ज बढ़ रहा है, उसे कैसे कम किया जाए।ष्यूँ तो भारत में इससे पहले भी सब्सिडी के मुद्दे पर विचार–विमर्श होता रहा है। सब्सिडी के औचित्य आदि पर गंभीर चर्चाएं हुई हैं। लेकिन इस मुद्दे पर इस तरह राजनीतिक दलों के बीच आरोप–प्रत्यारोप ने नए सुलगते हुए सवाल खड़े किए हैं। वह यह कि क्या मुफ्त में चीजें या सेवाएं देना उचित है? क्योंकि राजनीतिक पार्टियां चुनाव जीतने के लिए मुफ्त में चीजें या सुविधाएं देने का वादा हमेशा से करती रही हैं, लेकिन सवाल ये उठता है कि क्या ये किया जाना उचित है?इस विषय पर राजनीतिक मामलों के जानकार बताते हैं कि जब आप वोट मांगने जाते हैं तो इस तरह की बातें कहनी होती हैं। लेकिन इसमें एक फर्क है कि सामान्य रूप से ये कहना कि हम सबका ध्यान रखेंगे और स्पेसिफिक रूप से कहना जैसे श15 लाख आएंगे और हम सबको दे देंगे।श उन्हें लगता है कि इस तरह

सम्पादकीय

स्वयंभू अबेडरवादियों और डा. अबेडकर के नाम पर राजनीति

डॉ.अंबेडकर की पाकिस्तान, इस्लाम, आर्य आक्रमण सिद्धांत और जनजातियों की स्थिति आदि विषयों पर राय, उन्हें और हिंदुत्व समर्थकों को एकसूत्र में बांधती है। हिंदू समाज में व्याप्त कुरीतियों से डॉ. अंबेडकर असंतुष्ट थे। लेकिन वे इसके लिए अब्राहमिक मजहबों को विकल्प नहीं मानते थे। अपनी मृत्यु से ठीक 53 दिन पहले, 14 अक्टूबर 1956 को उन्होंने अपने अनुयायियों के साथ बौद्ध परंपरा को स्वीकार किया।

स्वतंत्रता के बाद भारतीय राजनीति में कांग्रेस के घटते प्रभाव और संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव रामजी अंबेडकर (1891–1956) की बढ़ती लोकप्रियता के बीच क्या कोई संबंध है? बाबासाहेब से घृणा करने वाले कौन थे और वे किसके सबसे निकट थे? 20वीं सदी के सबसे बड़े भारतीय समाज सुधारक डॉ. अंबेडकर को उनके जीवन के अंतिम पड़ाव में राजनीतिक हाशिए पर किसने धकेला? ऐसे कई सवाल है, जो हालिया घटनाक्रम, खासकर सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी दल कांग्रेस के बीच राजनीतिक खींचतान (झड़प सहित) के कारण एकाएक प्रासंगिक हो गए है।

डॉ. अंबेडकरकृ बदलाव, तर्कशीलता और सामाजिक न्याय का प्रतीक हैं। परंतु उनकी विरासत को हड़पने की कोशिश में कांग्रेस राजनीतिक–वैचारिक भंवर में फंस गई है। पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा डॉ।अंबेडकर का तिरस्कार (1952 का चुनाव सहित) सर्वविदित और सार्वजनिक है। उन्होंने बाबासाहेब को खलनायक के रूप में पेश करने और भारतीय सार्वजनिक जीवन से उनके योगदान को मिटाने का हरसंभव प्रयास किया।

मिसाल के तौर पर प्रधानमंत्री के रूप में पं. नेहरू ने 1955 में स्वयं को भारत रत्न देने में कोई हिचकिचाहट नहीं दिखाई, जबकि डॉ. अंबेडकर को इस सम्मान के लिए 35 साल का इंतजार करना पड़ा। इस कालखंड में अधिकांश समय कांग्रेस की ही सरकार थी। वर्ष 1990 में तत्कालीन वीपी सिंह के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार, जिसे तब भाजपा और वामपंथी दलों का बाहरी समर्थन प्राप्त थाकृ उसने इस ऐतिहासिक कलंक को मिटाया। उस समय सरकार ने संसद के केंद्रीय कक्ष में बाबासाहेब का चित्र भी स्थापित किया।

वास्तव में, डॉ. अंबेडकर और हिंदुत्व आंदोलन एक–दूसरे का पर्याय है। बाबासाहेब हिंदुत्वय शब्द का इस्तेमाल करने वाले पहले लोगों में से एक थे। वर्ष 1916 में उन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में एक दस्तावेज प्रस्तुत किया था, जिसके अनुसार, यह संस्कृति की एकता ही है, जो समानता का आधार है। मैं कहता हूं कि कोई भी देश, भारतीय उपमहाद्वीप की सांस्कृतिक एकता से मुकाबला नहीं कर सकता। इसमें न केवल भौगोलिक एकता है, बल्कि इससे भी कहीं अधिक गहरी और बुनियादी एकजुटता हैकृ जो पूरे देश को एक छोर से लेकर दूसरे तक जोड़ती है। वर्ष 1927 में मंदिर प्रवेश के मुद्दे पर डॉ. अंबेडकर ने बयान जारी करते हुए कहा था, ज्हिंदुत्व जितना स्पृश्य हिंदुओं का है, उतना ही अछूत हिंदुओं का भी है। हिंदुत्व के विकास और गौरव में वाल्मीकि, व्याधगीता, चोखामेला और रोहिदास जैसे अछूतों का योगदान उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि वशिष्ठ जैसे ब्राह्मणों, कृष्ण जैसे क्षत्रियों, हर्ष जैसे वैश्यों और तुकाराम जैसे शूद्रों का रहा है।

वीर सावरकर के प्रति कांग्रेस की हीन–भावना किसी से छिपी नहीं है। सच तो यह है कि सावरकर और डॉ. अंबेडकरकृ दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। कई अवसरों पर सावरकर द्वारा किए गए सामाजिक सुधारों की डॉ. अंबेडकर मुखर सराहना कर चुके थे। वर्ष 1933 में अपनी पत्रिका जनता के विशेष अंक में बाबासाहेब ने सावरकर की प्रशंसा करते हुए दलित–उत्थान में उनके योगदान को गौतमबुद्ध के योगदान जितना निर्णायक और महान बताया था। वीर सावरकर का डॉ. अंबेडकर के प्रति नजरिया कैसा था, इसपर डॉ. अंबेडकर के जीवनीकार धनंजय कीर ने अपनी पुस्तक में लिखा थारू वह एक नेता जो निडरता और पूरी ईमानदारी से डॉ. अंबेडकर के संघर्ष का समर्थन करते थे, वे सावरकर थे।

डॉ. अंबेडकर अन्य हिंदू नेताओं जैसे स्वामी श्रद्धानंद के भी बड़े प्रशंसक थे और दलित उत्थान में उनके योगदानों की मुखर सराहना भी करते थे। स्वामी श्रद्धानंद का मानना था कि जातिवाद का अंत, हिंदू एकता के लिए आवश्यक शर्त है। डॉ. अंबेडकर ने स्वामी श्रद्धानंद को अछूतों के सबसे महान और ईमानदार समर्थक के रूप में वर्णित किया था, जिनकी 1926 में एक जिहादी ने निर्मम हत्या कर दी थी। डॉ. अंबेडकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के भी संपर्क में रहे। वर्ष 1939 में उन्हें पुणे में एक आरएसएस प्रशिक्षण शिविर में औपचारिक रूप से आमंत्रित किया गया था, जहां उन्होंने संघ संस्थापक डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार से भी भेंट की थी। तब डॉ. अंबेडकर यह देखकर संतुष्ट हुए थे कि शाखा में जातिवाद के आधार पर कोई भेदभाव नहीं है। इसी तरह वर्ष 1949 में संघ के दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) ने दिल्ली में डॉ. अंबेडकर से मुलाकात की थी और गांधीजी की नृशंस हत्या के बाद कांग्रेस सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंध को हटाने में मदद करने पर आभार व्यक्त किया था। यही नहीं, 1954 के उपचुनाव में तत्कालीन युवा संघ प्रचारक दत्तोपंत ठेंगड़ी, डॉ. अंबेडकर के चुनावी एजेंट थे। अपनी किताब डॉ. अंबेडकर और सामाजिक क्रांति की यात्राच में ठेंगड़ी ने इस अनुभव को साझा किया था।अन्य राष्ट्रवादियों की भांति डॉ. अंबेडकर भी साम्यवाद को भारतीय लोकतंत्र और बहुलतावाद के लिए खतरा मानते थे। मतांतरण के मुद्दे पर भी डॉ. अंबेडकर और हिंदुत्व नेताओं का दृष्टिकोण समान था। इस विषय पर बाबासाहेब का विचार था, मतांतरण से देश पर क्या परिणाम होंगे, यह ध्यान में रखना बहुत जरूरी है। इस्लाम या ईसाई में मतांतरण अछूत वर्गों को राष्ट्रीयकरण से वंचित कर देगा। यदि वे इस्लाम में परिवर्तित होते हैं तो मुसलमानों की संख्या दोगुनी हो जाएगी और मुस्लिम प्रभुत्व का खतरा भी वास्तविक होगा। यदि वे ईसाइयत में मतांतरित होते हैं तो ईसाइयों की संख्यात्मक ताकत पांच से छह करोड़ हो जाएगी और इससे ब्रितानी राज को मदद मिलेगी।

डिजिटल होते बच्चों पर बढ़ते खतरे गंभीर चुनौती

पांच वर्ष से अठारह वर्ष के बच्चों में मोबाइल, इंटरनेट एवं टेक्नोलश्जी एडिक्शन की लत बढ़ रही है, जिनमें स्मार्ट फोन, स्मार्ट वश्च, टैब, लैपटश्प आदि सभी शामिल हैं। यह समस्या केवल भारत की नहीं, बल्कि दुनिया के हर देश की है।

ललित गर्ग

डिजिटल होते बच्चों पर बढ़ते खतरे चिन्ता का बड़ा कारण बन रहे हैं। बच्चों के स्क्रीन पर बहुत अधिक समय बिताने से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं तो बढ़ ही रही हैं, बच्चे अलगाववादी, हिंसक एवं अस्वस्थ गतिहीन जीवनशैली के अंग बनते जा रहे हैं। छोटी अवस्था में बच्चे अधिक समय ऑनलाइन बिताने के कारण साइबरबुलिंग, ऑनलाइन शिकारियों और अन्य जोखिमों के शिकार भी हो रहे हैं। सोशल मीडिया बच्चों एवं युवाओं के संवाद का जैसे–जैसे अभिन्न माध्यम बन रहा है, वैसे–वैसे तमाम तरह के जोखिम एवं खतरे भी जुड़ते जा रहे हैं जिनसे बच्चों एवं किशोरों को बचाने के लिये भारत में वर्ष 2023 में डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट लाया गया, इस एक्ट के नियमों के तहत नाबालिगों के लिये सोशल मीडिया अकाउंट खोलने के लिये माता–पिता या अभिभावकों की सहमति अनिवार्य है। निश्चिय ही यह बच्चों पर बढ़ रहे खतरों से सुरक्षा देने के लिये एक प्रभावी एवं सराहनीय कदम है।पांच वर्ष से अठारह वर्ष के बच्चों में मोबाइल, इंटरनेट एवं टेक्नोलॉजी एडिक्शन की लत बढ़ रही है, जिनमें स्मार्ट फोन, स्मार्ट वॉच, टैब, लैपटॉप आदि सभी शामिल हैं। यह समस्या केवल भारत की नहीं, बल्कि दुनिया के हर देश की है। ऐसे अनेक ऑनलाइन लत के शिकार रोगी बच्चें अस्पतालों में पहुंच रहे हैं जिनमें इस लत के चलते बच्चे बुरी तरह तनावग्रस्त थे। कुछ दोस्त व परिवार से कट गए, कुछ तो ऐसे थे जो मोबाइल न देने पर पेंरेंट्स पर हमला तक कर देते थे। बच्चे आज के समय में अपने आप को बहुत जल्दी ही अपनी उम्र से ज़्यादा बड़ा महसूस करने लगे हैं। अपने ऊपर किसी भी पाबंदी को बुरा समझते हैं चाहे वह उनके हित में ही क्यों ना हो। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में दिल्ली के एक व्यक्ति ने डिजिटल माध्यमों की खामियों का लाभ उठाते हुए सात सौ से अधिक महिलाओं को स्नैपचैट का उपयोग करके ब्लैकमेल करने का प्रयास किया था। इसी तरह इंस्टाग्राम पर धमकाने के बाद ब्रिटेन में एक किशोर की दुखद आत्महत्या ने सोशल मीडिया के मनोवैज्ञानिक प्रभावों की घातकता को उजागर किया।इंटरनेट की यह आभासी दुनिया ना जाने और कितने मासूम व छोटे बच्चों को अपने जाल में फंसाएगी और उनका जीवन तबाह करेगी? बच्चों के इंटरनेट उपयोग पर निगरानी व उन्हें उसके उपयोग की सही दिशा दिखाना बेहद जरूरी है। यदि मोबाइल की स्क्रिन और अंगुलियों के बीच सिमटते बच्चों के बचपन को बचाना है, तो एक बार फिर से उन्हें मिट्टी से जुड़े खेल, दिन भर धमा–चौकड़ी मचाने वाले और शरारतों वाली बचपन की ओर ले जाना होगा। ऐसा करने से उन्हें भी खुशी मिलेगी और वे तथाकथित इंटरनेट से जुड़े खतरों से दूर होते चले जाएंगे। इंटरनेट के बढ़ते प्रयोग की वजह से साइबर अपराधों की संख्या भी बढ़ रही है। हमारी सरकार एवं सुरक्षा एजेंसियां इन अपराधों से निपटने में विफल साबित हो रही हैं। आज के डिजिटल युग में, माता–पिता के पालन–पोषण का तरीका भी काफी हद तक बदल गया है। टेक्नोलॉजी के बढ़ते चलन और डिजिटल उपकरणों के व्यापक उपयोग के साथ, डिजिटल युग में बच्चों के पालन–पोषण में और ज्यादा सावधानी बरतने की आवश्यकता है।आभासी दुनिया के तिलिस्मी संसार के कारण जीवन में आ रहे बदलाव ने कई ज्वलंत एवं चुनौतीपूर्ण मुद्दों को सामने ला दिया है, जिनसे माता–पिता को जूझना पड़ता है, जिससे पालन–पोषण का कार्य और भी अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। ऑनलाइन सुरक्षा से लेकर स्क्रीन टाइम को प्रबंधित करने और लगातार विकसित हो रहे डिजिटल परिदृश्य का हिस्सा बनने तक, माता–पिता के लिए खुद ही यह काफी नया सा है। खुद को जानकारी से लैस करके और सक्रिय दृष्टिकोण अपनाकर, हम अपने बच्चों को जिम्मेदारी से डिजिटल दुनिया में सावधानीपूर्वक हिस्सा बनने के लिए सशक्त बनाते हुए उनके लिए एक स्वस्थ और संतुलित डिजिटल वातावरण बना सकते हैं। अपने बच्चों को तकनीक का उपयोग ऐसे तरीकों से करने में मदद करें जो रचनात्मकता और सीखने को बढ़ावा दें। उन्हें शैक्षिक ऐप तलाशने, डिजिटल कला बनाने या कोडिंग जैसे नए कौशल सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। इससे उन्हें तकनीक को सिर्फ मनोरंजन के बजाय विकास एवं ज्ञान अर्जन के साधन के रूप में देखने में मदद मिल सकती है। तकनीक के अच्छे और बुरे दोनों पक्षों को जानकर और स्पष्ट सीमाएँ निर्धारित करके, हम बच्चों को उनके स्क्रीन समय के साथ एक स्वस्थ संतुलन बनाने में मदद कर सकते हैं। इस तरह, वे बचपन की खुशियों का अनुभव करते हुए तकनीक के लाभों का आनंद ले सकते हैं जिसमें बाहर खेलना, दोस्तों के साथ समय बिताना और अपने आस–पास की दुनिया की खोज करना शामिल है। मोबाइल एवं डिजिटल साइट पर कुल निर्भरता बढ़ गई है। लोग अपने फोन एवं इन्टरनेट का इस्तेमाल खाना खाते समय, लिविंग रूम में और यहां तक कि परिवार के साथ बैठकर उपयोग करते हैं। कम से कम अस्सी प्रतिशत स्मार्टफोन उपयोगकर्ता अपने फोन पर तब भी होते हैं जब वे अपने बच्चों के साथ समय बिता रहे होते हैं और वे अपने बच्चों परिवेश पर ध्यान नहीं देते हैं और जब उनके बच्चे उनसे कुछ पूछते हैं तो वे चिढ़ जाते हैं।

दरअसल, भारत सरकार के डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट के नियम भी सोशल मीडिया कंपनियों को मजबूत उपायों के जरिये माता–पिता की सहमति से जवाबदेह बनाने का प्रयास ही है। जिससे अभिभावकों को अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों में भागेदारी में मार्गदर्शन करने का अधिकार मिल सके। इन नियमों को अधिक प्रभावी एवं कारगर बनाने में एआई संचालित आयु सत्यापन, डिजिटल साक्षरता कार्यशालाएं आयोजित करने और इसके साथ ही पारदर्शी शिकायत तंत्र की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। इन उपायों की नियमित निगरानी, हितधारकों की प्रतिक्रिया तथा वैश्विक मानकों के साथ तालमेल से इस ढांचे को प्रभावी बनाया जा सकेगा। निस्संदेह, इन नियमों के अनुपालन से भारत में बच्चों के लिये सुरक्षित ऑनलाइन वातावरण बनाने के साथ ही वैश्विक प्रयासों में योगदान दिया जा सकता है। पूरी दुनिया में 58 फीसदी किशोर टिकटॉक जैसे प्लेटफॉर्मों के दैनिक उपयोगकर्ता हैं, जो नुकसानदायक सामग्री के संपर्क में आ सकते हैं। ऐसे वक्त में जब आज डिजिटल दुनिया से जुड़ाव अपरिहार्य है, बच्चों की सुरक्षा और भलाई को प्राथमिकता बनाना न केवल एक जिम्मेदारी है, बल्कि एक नैतिक अनिवार्यता भी है। बच्चों में बढ़ती ऑनलाइन गैमस् की आदत भी एक बड़ी समस्या बनती जा रही है, इसके घातक परिणाम भी सामने आ रहे हैं और लोगों के बीच इसे लेकर चिंता बढ़ रही हैं। इसलिये दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार से कहा था कि वह बच्चों को ऑनलाइन गेम की लत से बचाने के लिए राष्ट्रीय नीति बनाने पर गंभीरता से विचार करें। आज इंटरनेट का दायरा इतना असीमित है कि अगर उसमें सारी सकारात्मक उपयोग की सामग्री उपलब्ध हैं तो बेहद नुकसानदेह, आपराधिक और सोचने–समझने की प्रक्रिया को बाधित करने वाली गतिविधियां भी बहुतायत में मौजूद हैं। आवश्यक सलाह या निर्देश के अभाव में बच्चे ऑनलाइन गेम या दूसरी इंटरनेट गतिविधियों के तिलिस्मी दुनिया में एक बार जब उलझ जाते हैं तो उससे निकला मुश्किल हो जाता है। इस दिशा में स्थायी परिवर्तन के लिये माता–पिता, शिक्षक और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के बीच बेहतर तालमेल बनाना वक्त की जरूरत है। एक और रणनीति यह है कि बच्चों को तकनीक का संयम से इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित करें और इसे पढ़ने, बाहर खेलने और परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताने जैसी अन्य गतिविधियों के साथ संतुलित करें। इस दिशा में निगरानी करने वाली सरकारी एजेंसियों की सजगता भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह एक गंभीर चुनौती है और इस चुनौती का गंभीरता के साथ सामना करने की जरूरत है।

मिल्कीपुर सीट पर योगी और अखिलेश की सियासी टक्कर, दोनों के लिए प्रतिष्ठा का सवाल

मिल्कीपुर सीट पर वोटिंग की तारीख के ऐलान के साथ ही, यूपी सरकार ने इस उपचुनाव के लिए अपनी पूरी मंत्रिमंडल टीम को सक्रिय कर दिया है। सात प्रमुख मंत्रियों को मिल्कीपुर के विभिन्न वर्गों को साधने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।चुनाव आयोग ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के साथ उत्तर प्रदेश की मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव की तारीख का ऐलान कर दिया है। यह उपचुनाव 5 फरवरी 2025 को आयोजित होगा, जबकि मतगणना 8 फरवरी 2025 को होगी। इस चुनाव को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्मिशन मिल्कीपुरश के तहत पूरी ताकत झोंक दी है, क्योंकि यह सीट उनके लिए

विशेष महत्व रखती है। अयोध्या में लोकसभा चुनाव 2024 में मिली हार के बाद, योगी आदित्यनाथ ने इस उपचुनाव को अपनी प्रतिष्ठा से जोड़ते हुए सपा के खिलाफ अपने राजनीतिक प्रभाव को मजबूत करने की रणनीति तैयार की है।मिल्कीपुर सीट पर वोटिंग की तारीख के ऐलान के साथ ही, यूपी सरकार ने इस उपचुनाव के लिए अपनी पूरी मंत्रिमंडल टीम को सक्रिय कर दिया है। सात प्रमुख मंत्रियों को मिल्कीपुर के विभिन्न वर्गों को साधने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इनमें प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही, खेल मंत्री गिरीशचंद्र यादव, स्वास्थ्य राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु, सतीश चंद्र शर्मा, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह और जेपीएस राठौर शामिल हैं। ये सभी मंत्री बूथ स्तर पर बैठकें कर वोट बैंक को मजबूत करने का काम कर रहे हैं। योगी आदित्यनाथ ने इस उपचुनाव में किसी भी प्रकार की चूक से बचने के लिए पूरी रणनीति तैयार की है। वह किसी भी कीमत पर यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि उनकी पार्टी इस सीट पर जीत दर्ज करे।मिल्कीपुर की यह सीट योगी के लिए न केवल एक चुनावी चुनौती है, बल्कि एक प्रतिष्ठा का सवाल भी बन चुकी है। इस सीट को लेकर उनकी चिंता इस हद तक बढ़ गई है कि उन्होंने महाकुंभ की तैयारियों के बावजूद मिल्कीपुर का पांचवीं बार दौरा किया है। इस दौरान सीएम योगी ने प्रभारी मंत्रियों और संगठन पदाधिकारियों को बूथ मजबूत करने और मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक लाने का संदेश दिया। योगी की यह सक्रियता इस बात का संकेत है कि वह इस उपचुनाव को लेकर कितने गंभीर हैं और उनकी सरकार इसे अपनी प्रतिष्ठा से जोड़कर देख रही है।समाजवादी पार्टी के लिए भी यह उपचुनाव प्रतिष्ठा का सवाल बन गया है। मिल्कीपुर सीट समाजवादी पार्टी का गढ़ रही है, और इस सीट पर भाजपा के खिलाफ सपा ने अपनी राजनीतिक ताकत को स्थापित किया है। सपा के लिए यह चुनौती इसलिए और भी कठिन हो जाती है ।

नगर पंचायत व पुलिस ने हाईवे किनारे हुए अतिक्रमण को हटवाया, हडकंप

लालगंज, प्रतापगढ़। हाइवे किनारे बने अतिक्रमण की समस्या से निजात को लेकर गुरूवार को पुलिस ने नगर पंचायतकर्मियों के साथ अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया। इस दौरान व्यापारियों में हडकंप का माहौल बना दिखा। वाराणसी लखनऊ राजमार्ग पर स्थित नगर पंचायत लालगंज का मुख्य बाजार इलाका दिन भर अतिक्रमण व जाम की समस्या से जूझता नजर आता है। नगर पंचायत के अधिशाषी अधिकारी अभय रंजन व कोतवाल नीरज यादव की संयुक्त अगुवाई में अभियान चलाकर कस्बे मे हाईवे किनारे पटरियों पर बने अतिक्रमण को हटवाया गया। वहीं हाइवे किनारे सड़क पर बेतरतीव खडेध दोपहिया व चारपहिया वाहनो को लेकर भी पुलिस सख्त दिखी। इंदिरा चौक से लेकर संगम चौराहे तक चले अतिक्रमण अभियान को लेकर व्यापारियों मे हडकंप भी मचा दिखा। ईओ अभय रंजन ने बताया कि महाकुंभ को लेकर अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाया गया। दोबारा अतिक्रमण करने वाले व्यापारियों पर कडी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गयी है। इस दौरान दरोगा दीपक यादव, अनिकेत दुबे, विकास तिवारी, रोहित मिश्र आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

जलवायु व ऊर्जा संकट पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

लालगंज, प्रतापगढ़। जलवायु संकट और स्वच्छ ऊर्जा को लेकर लोकप्रिय जनहित सेवा संस्थान एवं पानी संस्थान अयोध्या के संयुक्त तत्वाध ाान में गुरूवार को अमावां में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में अपने विचार रखते हुए प्रधान हरकेश कुमार वर्मा ने कहा कि देश में गंभीर होते जलवायु संकट तथा स्वच्छ ऊर्जा की समस्या से उबरना जरूरी हो गया है। जलवायु संकट से उबरने के लिए पर्यावरण संरक्षण प्रदूषण आदि पर सजग रहना होगा। वहीं सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा जैसे संयन्त्रों को स्थापित कर ऊर्जा के संकट को दूर किया जा सकता है। लोकप्रिय जनहित सेवा संस्थान के निदेशक निरंजन प्रकाश तिवारी ने कहा कि आधुनिकता के इस दौर में मनुष्य बडे पैमाने पर पर्यावरण एवं प्राकृ तिक संसाधनों का दोहन कर रहा है। उन्होनें जलवायु व ऊर्जा की समस्या पर जागरूक न होने पर भयावह खतरे के प्रति आगाह किया। पानी संस्थान के बैजनाथ, पंचायत सचिव विपिन सिंह ने भी अपने विचार रखे। इस मौके पर मीना, सुनीता, सरिता, अखिलेश आदि मौजूद रहे।

तमंचा व रिवाल्वर के साथ दो बाल अपचारी धराये

लालगंज, प्रतापगढ़। सांगीपुर पुलिस ने अवैध तमंचा व रिवाल्वर के साथ दो बाल अपचारी को गिरफ्तार किया है। एसओ मनीष त्रिपाठी के नेतृत्व में उप निरीक्षक प्रशिक्षु विनय प्रताप सिंह पुलिस फोर्स के साथ गुरूवार सुबह चेकिंग अभियान में निकले थे। इस दौरान नौबस्ता मार्ग के पास से संदिग्ध दशा में दो बाल अपचारियों को गिरफ्तार किया। एसओ ने बताया कि दोनों बाल अपचारियों के पास से एक अवैध देशी रिवाल्वर तथा चार तमंचा व कारतूस की बरामदगी की गयी है। दोनों बाल अपचारियों के खिलाफ पूर्व में भी मारपीट व विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा में मुकदमा दर्ज है। पूछतांछ में दोनों के अवैध तमंचे के कारोबार में संलिप्तता की बात भी प्रकाश में आयी है। कार्रवाई के लिए दोनो बाल अपचारियों को न्यायालय भेज दिया गया है।

शशिकला बनी उत्तर प्रदेश महिला एथलेटिक्स सब जूनियर की कोच

सुलतानपुर। जिले के रामकली बालिका इंटरकालेज में कार्यरत व्यायाम शिक्षिका शशिकला मौर्य को उत्तर प्रदेश एथलेटिक्स महिला सबजूनियर टीम का कोच नियुक्त किया गया है। 11 से 14 जनवरी के मध्य झारखंड की राजधानी रांची में आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश महिला टीम एथलेटिक्स सबजूनियर संवर्ग की जिम्मेदारी राज्य क्रीड़ा संस्थान द्वारा दी गई है। नौ को सभी खिलाड़ी, कोच व मैनेजर संस्थान को अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे अगला निर्देश मिलने पर टीम रवाना की जाएगी, जिला विद्यालय निरीक्षक रविशंकर ने उनको कोच नियुक्त होने पर बधाई दी, क्रीड़ा सचिव दिलीप सिंह ने बताया कि शशिकला अपने समय की अच्छी एथलीट भी थी साथ ही प्रधानाचार्या रीना सिंह, राजेश कनौजिया, मुनेंद्र मिश्र, सुरेश यादव, सुरेंद्र वर्मा, राहुल तिवारी, दिलीप कुमार सहित जिले के व्यायाम शिक्षक व खेल प्रेमियों ने बधाई दी।

कच्ची शराब के साथ एक गिरफ्तार

श्रावस्ती(नि0सं0)। थाना सिरसिया पुलिस' ने अभियुक्त भदई पुत्र रामफेरन निवासी चिड़ीमारपुरवा थाना सिरसिया जनपद श्रावस्ती को 10 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ गिरतार कर थाना सिरसिया पर 60 आबकारी अधिनियम में अभियोग पंजी.त किया गया। जनपद श्रावस्ती के विभिन्न थानाक्षेत्रों से शांतिभंग करने के आरोप में कुल 07 व्यक्तियों को गिरतार कर पाबंदी हेतु रिपोर्ट प्रेषित की गयी। पुलिस अधीक्षक द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध जनपदीय पुलिस द्वारा विभिन्न स्थानों पर बैरियर चेक पोस्ट लगाकर चेकिंग गयी, जिसके अन्तर्गत विभिन्न चेक पोस्टों पर वाहनों की चेकिंग की दौरान 179 वाहनों का मोटर अधिनियम से ई–चालान कर रू0 2,17,000 का शमन किया गया।

योगेश प्रताप सिह प्रबंधक पंडित राम शब्द मिश्र बने अध्यक्ष

सुल्तानपुर। चौकिया स्थित संजय गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय व संजय गांधी कॉलेज आफ फार्मेसी पठानीपुर के प्रबंध समिति का चुनाव निर्विरोध रूप से संपन्न हो गया । चुनाव पर्यवेक्षक प्रोफ़ेसर विनोद कुमार श्रीवास्तव की देखरेख में आयोजित कार्यक्रम मे निर्विरोध प्रबंध समिति व विद्यालय संचालन समिति की घोषणा हुई। समिति के सभी सदस्यों ने पुरानी कमेटी को अगले 5 साल के लिए बहाल कर दिया। चुनाव संपन्न होते ही पर्यवेक्षक विनोद श्रीवास्तव ने पूरी कमेटी को बधाई देते हुए अध्यक्ष पद पर चुने गए पंडित राम शब्द मिश्रा व पूर्व सांसद राम सिंह के पुत्र योगेश प्रताप सिंह को विद्यालय का प्रबंध बनाए जाने पर माला पहनकर बधाई दी। कार्यक्रम में पहुंचने पर चुनाव अधिकारी विनोद कुमार श्रीवास्तव का अध्यक्ष पंडित राम शब्द मिश्रा उपाध्यक्ष डॉ आर पी सिंह ने माल्यार्पण कर बुके देकर स्वागत किया। प्रबंध समिति की और से उन्हे भगवान गणेश की प्रतिमा भेंट की गई।विद्यालय के प्रबंधक योगेश प्रताप सिंह ने अंग वस्त्र पहनाया।

आरटीओ, यातायात पुलिस, शिक्षक, शिक्षिका व समाजसेवियो ने चलाया जागरूकता अभियान

सुल्तानपुर। दुर्घटनाओं के प्रतिशत को कम करने के लिए नगर में आरटीओ व यातायात पुलिस का रोडवेज बस स्टाप स्थित संयुक्त अभियान चलाया गया। अभियान में स्कूल भी रहे शामिल, विद्यालय के प्रबंधक, शिक्षक, शिक्षिकाओ व समाजसेवियों ने भी दर्ज कराई उपस्थिति। यातायात निरीक्षक राम निरंजन व यात्री कर अधिकारी अश्वनी उपाध्याय के संयुक्त नेतृव में लांइसेंस, हेल्मेट, शीटबेल्ट व वाहन के दस्तावेज लेकर चलने वालो को गुलाब देकर उनका उत्साह बढ़ाया व जो नियम विरूद्ध यात्रा करते पकड़े गए उन्हें यातायात नियम के पाठ पढ़ाए गए। यात्रीकर अधिकारी अश्वनी उपाध्याय ने नियम विरूद्ध सफ़र करने वालो को सुझाते हुए कहाकि यदि आप नियम का पालन करगें तो आपको देखकर और लोग भी पालन करेगें और आपके इस .त्य को पुनीत कार्य के रूप में देखा जाएगा। यातायात निरीक्षक राम निरंजन ने कहाकि हम लोगों की सुरक्षा के लिए सड़क पर खड़े है, हमारा प्रयास दुर्घटनाओं का प्रतिशत शिफर करना है, हम वाहन चालको से अपील करते है कि पुलिस के मांगने पर अपने वाहन के दस्तावेज दिखाए, पुलिस को देखकर इधर उधर न भागे इससे दुर्घटानाएं हो सकती है, पुलिस आपके सहयोग में खड़ी है, आपसे भी अपील है कीकि पुलिस का सहयोग करें, अभियान में यातायात उप निरीक्षक नरेंद्र बहादुर सिंह, जयप्रकाश, मुख्य आरक्षी अरविंद, मेजर बेलाल अहमद सहित होमगार्ड जवान, सैमफोर्ड़ विद्यालय के प्रबंधक, शिक्षक, शिक्षिका व समाजसेवी मौजूद रहे।

मेडिकल कालेज के छात्रों द्वारा 200 परिवारों को लिया गया गोद

सुल्तानपुर। जिन परिवारों को छात्रों द्वारा गोद लिया गया है उनके गांव का नाम दुबेपुर, महायतपुर होली का पुरवा है इसी क्रम मे अगले महीने फिर एक नए गांव में 1–1 घर एमबीबीएस छात्र के द्वारा गोद लिया जाएगा। परिवार दत्तक ग्रहण कार्यक्रम का उद्देश्य है कि भारतीय चिकित्सा स्नातकों को समुदाय–आधारित स्वास्थ्य देखभाल के बारे में अनुभव देना और स्वास्थ्य में समानता बढ़ाना है इस कार्यक्रम के द्वारा छात्रों को ये सीखने को मिलते हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल की अवधारणा को समझना, समुदाय में स्वास्थ्य से जुड़ी जागरूकता बढ़ाना, समुदाय में स्वास्थ्य से जुड़ी किसी भी समस्या में पहला संपर्क बिंदु बनना, जनसंख्या और स्वास्थ्य सुविधाओं के बीच माध्यम का काम करना, स्वास्थ्य परिणामों में सुधार के लिए डेटा इकट्ठा करना और उसका विश्लेषण करना। इस कार्यक्रम के तहत नए स्नातक छात्रों को पांच परिवारों को गोद लेना होता है और अगले तीन सालों तक उनकी देखभाल करनी होती है। इस कार्यक्रम को राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने तैयार किया है. यह कार्यक्रम,सामुदायिक चिकित्सा विषय के पाठ्यक्रम का हिस्सा है। इस कार्यक्रम की पहल मे कम्युनिकेशन मेडिसिन (ए एस एम सी) सुल्तानपुर का अहम रोल रहा है जिसमे डिपार्टमेंट के हेड डॉक्टर आनंद रंजन, असोसिएट प्रोफ़ेसर डॉक्टर राजीव कुमार, असिस्टेंट प्रोफ़ेसर डॉक्टर पायल सिंह, असिस्टेंट प्रोफ़ेसर डॉक्टर अनीता मौर्या, जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर सौरभ डॉक्टर आशीष, डॉक्टर सूरज तथा आशा और एनम अपनी सक्रिय भूमिका को जिम्मेदारी के साथ निभा रहे है।

लापरवाही बरतने वाले 59 जनसेवा केन्द्रों का लाइसेंस निरस्त

श्रावस्ती । जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने बताया है कि आम जनमानस को शासकीय सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराये जाने हेतु उ०प्र० जनसेवा केन्द्र योजनान्तर्गत जनपद में जनसेवा केन्द्र संचालित है। शासकीय योजनाओं की आम जनता तक पहुंच सुनिश्चित किये जाने हेतु 31–12–2024 को जनसेवा केन्द्र संचालकों के साथ बैठक की गयी थी,जिसके अन्तर्गत समस्त केन्द्रों को प्रतिदिन न्यूनतम 25 रजिस्ट्रेशन किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। जिस क्रम में समस्त जनसेवा केन्द्रों से .षकों से समन्वय करते हुये अधिक से अधिक संख्या में डेटा फीड का कार्य कराये जाने हेतु निरंतर सम्पर्क किया जा रहा है। इस सम्बन्ध में तहसील एवं कार्यदायी संस्थाओं द्वारा उपलब्ध कराये गये भिनगा–17, इकौना–33 एवं जमुनहा–24 कुल 74 अक्रियाशील केन्द्रों को नोटिस के माध्यम से 03 दिवस के भीतर केन्द्र का संचालन करते हुये स्पष्टीकरण उपलब्ध कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया था। तत्क्रम में कार्यदायी संस्थाओं द्वारा रिपोर्ट 07–01–2025 उपलब्ध करायी गयी है, जिसके अनुसार कुल 15 केन्द्रों द्वारा 10 से अधिक पंजीकरण किया गया है, 9 केन्द्रों द्वारा मात्र 10 से कम पंजीकरण किया गया है तथा 50 केन्द्रों द्वारा शून्य पंजीकरण किया गया है।जिसके तहत कार्यदायी संस्थाओं द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार भिनगा–1, इकौना–5 एवं जमुनहा–3 कुल 9 केन्द्र जिनके द्वारा जनसेवा केन्द्र का नियमित रूप से संचालन नहीं किया जा रहा है, उक्त के अतिरिक्त भिनगा–12, इकौना–26 एवं जमुनहा–12 कुल 50 जनसेवा केन्द्र निष्क्रिय हैं। जिससे ग्रामवासी एवं .षकों को काफी असुविधा हो रही है। कम्पनी के अनुबंध के अनुसार सभी ग्राम पंचायतों में जनसेवा केन्द्रों का संचालन किया जाना अनिवार्य है उक्त केन्द्रों के निष्क्रिय होने से सम्बन्धित क्षेत्रों में जनसेवाओं की आमजनता को उपलब्धता प्रभावित हो रही है जो शासकीय नियमों के विपरीत है। जिसके लिए कुल 59 जनसेवा केन्द्र का लाइसेंस आईडी निरस्त किये जाने हेतु कार्यवाही की गई है।

जिलाधिकारी ने भीषण ठंड को देखते हुए सफाई कर्मियों को ट्रैकसूट देकर किया सम्मानित

श्रावस्ती (नि0सं0)। भीषण ठंड को देखते हुए जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने नगर पालिका परिषद भिनगा के अन्तर्गत आने वाले सफाई कर्मियों, सफाई नायकों, लाइनमैन, प्लम्बर व ड्राईवरों को कलेक्ट्रेट परिसर में ट्रैकसूट प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनके कार्य की सराहना भी की। इस दौरान सम्मानित किये जाने से सफाई कर्मचारी खुश हुए व उनके चेहरे उत्साहित नजर आए। सम्मानित सफाई कर्मियों में क्रमशः ओमकार, राम प्रकाश, रामबाबू, अजय कुमार, श्रीदेवी, पूनम देवी, रेखा, बेबीदेवी, सहजराम, मदन गोपाल, मनोज कुमार, संतोष कुमार, श्रीकांत, मो0 शरीफ, रोहित, जाफर, मो0 इरफान, रमेश कुमार, राज करन, राजू बाल्मीकि, राज किशोर, अनुप कुमार, अमरेन्द्र, नानबच्चा, भदई व कामता प्रसाद को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि जिले को स्वच्छ एवं स्वस्थ जनपद बनाने में सफाई कर्मियों व सफाई नायकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। स्वच्छता के कारण ही सभी नागरिक सुरक्षित रहते है क्योंकि स्वच्छता के बिना अनेकों संक्रामक जानलेवा बीमारियों का फैलाव होता है, जिसके कारण अनेकों लोग कई बीमारियों से पीड़ित हो जाते है। हमारे सम्मानित सफाई कर्मियों की देन है, जिनके कारण हम सभी स्वस्थ्य और सुरक्षित है।

सीएचसी में विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

जमुनहा/श्रावस्ती। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मल्हीपुर में गुरुवार को एक विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 54 गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच की गई। शिविर में ब्लड टेस्ट, यूरिन टेस्ट, ब्लड प्रेशर, हीमोग्लोबिन की जाँच सहित अल्ट्रासाउंड की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इसके अलावा, महिलाओं को सुरक्षित प्रसव, पोषण और परिवार नियोजन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ भी प्रदान की गईं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को समय पर स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना है, ताकि मातृ और शिशु मृत्यु दर को कम किया जा सके। शिविर में गर्भवती महिलाओं को उनके पोषण और प्रसव संबंधी आवश्यकताओं के प्रति जागरूक करने के लिए परामर्श सत्र भी आयोजित किए गए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ. अवनीश तिवारी ने गर्भवती महिलाओं को नियमित स्वास्थ्य जाँच कराने और पोषण संबंधी आवश्यकताओं का ध्यान रखने की सलाह दी।

पानी भरे गड्ढे में मिला मासूम बच्ची का शव

श्रावस्ती घर से गायब हुई मासूम बच्ची का सड़क किनारे खाईनुमा गड्ढे में शव मिलने से परिजनों में कोहराम मच गया। थाना कोतवाली भिनगा क्षेत्र मध्यनगर निवासी हिमांशी उम्र 4 वर्ष पुत्री भाईलाल बुधवार दोपहर करीब 12 बजे खेलते खेलते घर से गायब हो गई थी। परिजन बच्ची की तलाश में जुटे थे काफी तलाश करने के बाद जब बच्ची नही मिली तो पिता ने गांव के पास घर से करीब 100 मीटर दूर मनरेगा से पटाई गई सड़क के किनारे खुदे खाईनुमा पानी भरे गड्ढे में मासूम बच्ची का शव पाया गया। जिसके बाद परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने बच्ची के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी हाउस भिनगा भेज दिया गया है।

अज्ञात पिकप चालक के खिलाफ गैरइरादतन हत्या का केस

लालगंज, प्रतापगढ़। मार्ग दुर्घटना में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गयी। मामले मे पुलिस ने अज्ञात पिकप चालक के खिलाफ गैरइरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के शिवलाल सिंह का पुरवा सराय नरायन सिंह निवासी महेश सरोज पुत्र रामलखन सरोज ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि चौबीस दिसंबर को दोपहर करीब साढे तीन बजे उसका भाई गुडडू लालगंज बाजार से सामान खरीदकर घर लौट रहा था। शम्भू का पुरवा असरही के पास अज्ञात पिकप वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दिया। गंभीर रूप से घायल पीडित के भाई का लखनऊ में इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान छः जनवरी को गुडडू की मौत हो गयी। कोतवाल नीरज यादव का कहना है कि अज्ञात चालक के खिलाफ गैरइरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है।

चार पर एससीएसटी का केस

लालगंज, प्रतापगढ़। मारपीट व गालीगलौज तथा दलित उत्पीड़न को लेकर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के रामगढ़ रैला पड़किया गांव निवासी सोमेश सरोज पुत्र रामदुलारे सरोज ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि पुरानी रंजिश को लेकर छः जनवरी को दोपहर करीब ढाई बजे गांव के पिंटू सिंह पुत्र राजू सिंह व रामू सिंह पुत्र ददन सिंह तथा दो अज्ञात लोगों ने जातिसूचक गाली देते हुए घर में घुसकर मारापीट किया। बीचबचाव मे पहुंची पीडित की भतीजी व उसकी मां को भी मारापीटा व जान से मारने की धमकी दी। कोतवाल नीरज यादव का कहना है कि जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

रोमांचक रहा क्रिकेट सेमीफाइनल, आयुष इलेवन व जैनपुर इलेवन बनी विजेता

लालगंज, प्रतापगढ़। अझारा में चल रहे क्रिकेट टूर्नामेण्ट का सेमी फाइनल मुकाबला रोमांच से भरा रहा। पहले सेमी फाइनल मुकाबले में निर्धारित दस ओवरो में आयुष इलेवन पूरे वंशी की टीम ने पांच विकेट खोकर एक सौ बारह रनों का स्कोर खड़ा किया। जबाब में हण्डौर इलेवन की टीम एक सौ दो रन ही हासिल कर सकी। आयुष इलेवन की टीम को विजेता घोषित किया गया। वहीं दूसरा सेमीफाइनल जैनपुर इलेवन व अझारा इलेवन के बीच खेला गया। जिसमें जैनपुर की टीम ने आठ विकेट खोकर सतासी रन बनाये। लक्ष्य का पीछा करते हुए प्रतिद्वंदी अझारा इलेवन की टीम अठहत्तर रन ही बना सकी। जैनपुर की टीम को विजेता घोषित किया गया। अम्पायर की भूमिका गिरिजाकांत द्विवेदी व धीरू सरोज ने निभायी। इस मौके पर अजय मिश्र आशीष, विद्याशंकर मिश्र, राजू पाण्डेय, नितिन, प्रभाकर मिश्र, अंजनी मिश्र, ललित पाठक, प्रियम मिश्र आदि रहे।

समस्याओं को लेकर कामकाज से विरत रहे अधिवक्ता, अधिकारियों से निस्तारण की उठाई मांग

लालगंज, प्रतापगढ़। अधिवक्ताओं की समस्याओं के निस्तारण में प्रशासनिक शिथिलता को लेकर गुरूवार को भी यहां अधिवक्ताओं ने तहसील तथा दीवानी अदालत में न्यायिक कामकाज का बहिष्कार जारी रखा। विभिन्न मुददो को लेकर सीओ कार्यालय में दोपहर संयुक्त अधिवक्ता संघ के प्रतिनिधिमण्डल की एसडीएम तथा सीओ के साथ संयुक्त वार्ता हुई। वार्ता के दौरान संघ के अध्यक्ष संदीप सिंह ने अधि ाकारियों से उदयपुर थाना क्षेत्र के अधिवक्ता रामछबीले यादव के ऊपर प्राणघातक हमले में आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई मे शिथिलता को लेकर नाराजगी जतायी। अधिवक्ताओ ने साथी पर जानलेवा हमले के आरोपियो की गिरफ्तारी शीघ्र सुनिश्चित कराने की भी मांग रखी। वही जमीनी विवाद के निस्तारण में भी प्रशासनिक टीम का गठन कर समाध ाान कराए जाने को कहा। अधिवक्ता अंकुर त्रिपाठी के भी प्रकरण में वार्ता के दौरान शीघ्र कार्रवाई की मांग उठायी गयी। एसडीएम नैंनसी सिंह तथा सीओ रामसूरत सोनकर ने अधिवक्ताओं से जुडे प्रकरण मे निस्तारण के बाबत उच्चाधिकारियों को आख्या भेजे जाने का भरोसा दिलाया है। वार्ता के दौरान महामंत्री सूर्यकांत निराला, पूर्व अध्यक्ष राममोहन सिंह, अनिल त्रिपाठी महेश, देवी प्रसाद मिश्र, ज्ञानप्रकाश शुक्ल, संतोष पाण्डेय, शिवरंजन यादव, दीपक पाण्डेय मौजूद रहे।

महाकुंभ' सनातन संस्कृति उत्सव-2025 में युवाओं की हो अहम भागेदारी-अंश द्विवेदी

सुलतानपुर। सरकार महाकुंभ की अलौकिक छंटा को बिखेरने में प्रयासरत हैं, वहीं भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष अंश द्विवेदी ने महाकुंभ उत्सव–2024–25' में जनपद के इच्छुक सभी ग्रामीण/शहरी युवाओं को ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचने की अपील है।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में लगने वाले 2025 का महाकुंभ सनातन संस्.ति का जीता–जागता उदाहरण है। जहां हिंदू जगतगुरुओं के चारों पीठाधीश्वर सहित साधू–संत के अलावा युवाओं का आगाज हो रहा है वहीं युवाओं को बढ़ चढ़कर पर्व में भागीदारी लेना चाहिए, और संगम में स्नान करने से जीव धन्य होगा। एक मुलाकात में यह उक्त बातें भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष अंश द्विवेदी ने कहीं। उन्होंने यह भी कहा कि ज़िले भर के युवा इस गौरव शाली उत्सव में प्रतिभाग कर उत्तर प्रदेश ही नहीं वल्कि पूरे भारत देश की माटी को चमकाने का काम करेगा, जहां के माटी की छटा उल्लेखनीय है। जिसे लेकर जिले की संस्.ति परंपरा प्राचीन काल से ही धर्म, दर्शन, कला साहित्य से ही संगीत के क्षेत्र में अग्रणी रहा हैं। इस पारंपरिक सनातन महाकुंभ 2025 के संस्.ति उत्सव में सूक्ष्म मुलाकात के समय भाजपा युवा मोर्चा के जिलाउपाध्यक्ष अंश द्विवेदी के अलावा मीडिया प्रभारी प्रतीक मिश्रा, मोहित तिवारी, धर्मेंद्र वर्मा, सर्वेश मिश्रा सहित अन्य युवा कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

चौंपियंस टाफी के लिए अफगानिस्तान टीम के मेंटर बनेंगे यूनिस खान !

नई दिल्ली ,09 जनवरी। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) के सूत्रों ने बताया कि पूर्व पाकिस्तानी कप्तान यूनिस खान 2025 चौंपियंस ट्रॉफी के लिए अफगानिस्तान टीम के मेंटर के रूप में जुड़ेंगे ।यूनिस इससे पहले 2022 में अफगानिस्तान टीम के बल्लेबाजी कोच के रूप में छोटे कार्यकाल के लिए काम कर चुके हैं ।एसीबी के सूत्रों ने बताया, यह पक्का हो गया है कि यूनिस 2025 चौंपियंस ट्रॉफी के लिए अफगानिस्तान टीम के मेंटर रहेंगे। वह टूर्नामेंट से पहले तैयारी कैंप में टीम से जुड़ेंगे और चौंपियंस ट्रॉफी के अंत तक टीम के साथ रहेंगे ।यूनिस खान ने 2017 में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था। उन्होंने 118 टेस्ट मैचों में 10,099 रन बनाए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 313 रहा। वहीं, 246 वनडे मैचों में उन्होंने 7,249 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 31.24 था। उन्होंने 7 शतक और 48 अर्धशतक लगाए ।यूनिस ने पाकिस्तान को 2009 में इंग्लैंड में आयोजित पुरुष टी20 वर्ल्ड कप जिताया था ।यूनिस ने पाकिस्तान टीम के बल्लेबाजी कोच के रूप में कम किया लेकिन 2021 में छह महीने बाद इस्तीफा दे दिया। उन्होंने पीएसएल में पेशावर जाल्मी और अबू धाबी टी10 लीग में बांग्ला टाइगर्स के साथ कोचिंग की है ।2025 की चौंपियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से 9 मार्च के बीच पाकिस्तान और दुबई में होगी। यह पहली बार होगा जब अफगानिस्तान इस आठ टीमों वाले टूर्नामेंट में खेलेगा। अफगानिस्तान ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के साथ है, जबकि ग्रुप ए में पाकिस्तान, भारत, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश की टीमें हैं ।एक भारतीय कोच, जो पहले अफगानिस्तान टीम के साथ काम कर चुके हैं, ने कहा कि यूनिस खान को मेंटर बनाना टीम की उस रणनीति का हिस्सा है, जिसमें वे आईसीसी टूर्नामेंटों में खेलने वाले देशों के विशेषज्ञों को अपने साथ जोड़ते हैं ।पिछले आईसीसी टूर्नामेंटों में यह नीति अफगानिस्तान के लिए फायदेमंद रही है। 2023 में, भारत के पूर्व बल्लेबाज अजय जडेजा को वनडे वर्ल्ड कप के लिए मेंटर बनाया गया था। उस टूर्नामेंट में अफगानिस्तान ने इंग्लैंड जैसी मजबूत टीम को हराकर चार मैच जीते ।2024 के टी20 वर्ल्ड कप में, जो अमेरिका और वेस्टइंडीज में हुआ, अफगानिस्तान ने दिग्गज ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो को बॉलिंग कंसल्टेंट नियुक्त किया। उनकी मदद से टीम ने न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश को हराकर पहली बार सेमीफाइनल में जगह बनाई ।अब यह देखना दिलचस्प होगा कि 2025 चौंपियंस ट्रॉफी में यूनिस खान की भूमिका अफगानिस्तान के लिए कितनी सफल रहती है।

शेयर बाजार में देखी जा रही गिरावट, रियल एस्टेट स्टाक्स सबसे अधिक टूटे, यहां दिखी तेजी

मुंबई ,09 जनवरी। भारतीय शेयर बाजार आज गुरुवार को मामूली बढ़त के साथ खुला और शुरुआती कारोबार में गिरावट देखने को मिली। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सूचकांक सेंसेक्स आज शुरुआती कारोबार में यह 0.35 फीसदी या 267 अंक की गिरावट के साथ 77,892 पर ट्रेड करता दिखाई दिया। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 5 शेयर हरे निशान पर और 25 शेयर लाल निशान पर ट्रेड करते दिखाई दिए। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का सूचकांक निफ्टी शुरुआती कारोबार में 0.35 फीसदी या 83 अंक की गिरावट के साथ 23,605 पर ट्रेड करता दिखा। निफ्टी के 50 शेयरों में से 11 शेयर हरे निशान पर, 37 शेयर लाल निशान पर और 3 शेयर बिना किसी नुकसान के ट्रेड करता दिखा।

निफ्टी के शेयरों का हाल

निफ्टी के शेयरों में आज सबसे अधिक तेजी कोटक बैंक में 1.71 फीसदी, हिंडाल्को में 1.56 फीसदी, बजाज ऑटो में 1.09 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 0.54 फीसदी और टीसीएस में 0.37 फीसदी देखने को मिली। वहीं, सबसे अधिक गिरावट लार्सन एंड टुब्रो में 1.58 फीसदी, टाटा मोटर्स में 1.40 फीसदी, ट्रेंट में 1.38 फीसदी, अपोलो हॉस्पिटल में 1.22 फीसदी और ओएनजीसी में 1. 17 फीसदी देखने को मिली।

सेक्टोरल सूचकांकों का हाल

सेक्टोरल सूचकांकों की बात करें, तो सबसे अधिक गिरावट निफ्टी रियल्टी में 1.20 फीसदी देखने को मिली। इसके अलावा, निफ्टी बैंक में 0.25 फीसदी, निफ्टी ऑटो में 0.36 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 0.43 फीसदी, निफ्टी आईटी में 0. 17 फीसदी, निफ्टी मेटल में 0.48 फीसदी, निफ्टी फार्मा में 0.57 फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक में 0.19 फीसदी, निफ्टी हेल्थकेयर इंडेक्स में 0.66 फीसदी, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में 0.90 फीसदी, निफ्टी ऑयल एंड गैस में 0.56 फीसदी, निफ्टी मिडस्मॉल हेल्थकेयर में 0.58 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज एक्स–बैंक में 0.53 फीसदी की गिरावट देखी गई। इससे इतर निफ्टी प्राइवेट बैंक में 0. 03 फीसदी, निफ्टी मीडिया में 1.25 फीसदी और निफ्टी एफएमसीजी में 0.06 फीसदी की तेजी दिखी।

यूके का प्रतिष्ठित रिवर साइड स्टूडियोज अब होगा अनिल अग्रवाल रिवरसाइड स्टूडियोज ट्रस्ट

जयपुर ,09 जनवरी। विभिन्न महाद्वीपों में कला, संस्कृति और इनोवेशन को एक दूसरे के साथ जोड़ने के प्रयास में वेदांता ग्रुप के संस्थापक एवं चेयरमैन अनिल अग्रवाल अब आइकॉनिक रिवरसाईड स्टूडियोज का नेतृत्व करेंगे। लंदन की थेम्स नदी के उत्तरी किनारे पर स्थित 100 साल पुराना स्टुडियो, जिसे कला के विश्वस्तरीय केन्द्र के रूप में जाना जाता है।

अब इसका संचालन श्अनिल अग्रवाल रिवरसाईड स्टुडियोज ट्रस्ट्य के नाम से होगा। अपने गौरवशाली इतिहास में रिवरसाईड स्टुडियोज ने दुनिया भर से कई जाने–माने कलाकारों की मेजबानी की है, जिसमें बीटल्स द्वारा गीत की रिकॉर्डिंग, डेविड बॉवी की परफॉर्मेंस, डारिओ फो का कार्य तथा डेविड हॉकनी द्वारा प्रदर्शित कार्य शामिल हैं। यह शुरूआत रचनात्मकता एवं विश्वस्तर पर सांस्कृतिक आदान–प्रदान को बढ़ावा देने की अग्रवाल की व्यक्तिगत प्रतिबद्धता को दर्शाती है। अपने दृष्टिकोण के तहत रुआर्ट इन एवरी हार्ट पहल के जरिए वे कला को सार्वजनिक रूप से सुलभ बनाने तथा भारत एवं दुनियाभर के बीच समृद्ध सांस्कृतिक संबंधों पर जोर देने के लिए तत्पर हैं।

रिवरसाईड स्टूडियोज के साथ अग्रवाल ऐसे स्थानों को बढ़ावा देना चाहते हैं, जहां इनोवेशन और सांस्कृतिक विविधता एक साथ फले–फूलें, जो विश्वस्तरीय सीमाओं को दूर करने वाली कलात्मक अभिव्यक्ति के लिए जीवंत हब की भूमिका निभाएं। कला एवं संस्कृति के केन्द्र के रूप में रिवर साइड स्टूडियोज कलात्मक अभिव्यक्ति और सांस्कृतिक विविधता का पर्याय बन गया है ।आज स्टूडियो गर्व के साथ थिएटर्स, परफॉर्मेंस, रिकॉर्डिंग स्टूडियो, प्रदर्शनी स्थल तथा शानदार कैफे के साथ सिनेमा की भूमिका निभाता है। वेदांता ग्रुप के संस्थापक एवं चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कहा, श्मेरा हमेशा से मानना रहा है कि कला में सीमाओं को पार करने, लोगों को एकजुट करने तथा मनुष्य के अनुभव को बेहतर बनाने की अद्भुत क्षमता है। रिवर साईड स्टूडियोज भारतीय एवं विश्वस्तरीय कला और संस्कृति के प्रदर्शन के लिए प्रमुख विश्वस्तरीय गंतव्य बन चुका है।

मैं भारतीय कलाकारों और फिल्म समुदायों को इस विश्वविख्यात स्थल पर अपनी कलात्मक प्रतिभा को दर्शाने के लिए आमंत्रित करता हूं। अब विभिन्न क्षेत्रों के ग्लोबल लीडर्स अपने वास्तविक जीवन की यात्रा एवं अनुभवों के साथ दर्शकों को रोमांचित कर सकते हैं। इन बेहतरीन परफॉर्मेंसेस, प्रदर्शनियों और सिनेमा के साथ स्टुडियो दुनिया भर से विश्वस्तरीय प्रोडक्शन्स की मेजबानी कर रहा है। मुझे विश्वास है कि हम ऐसा स्थान बनाने जा रहे हैं, जो न सिर्फ रचनात्मकता, बल्कि सामाजिक बदलाव को भी प्रोत्साहित करेगा ।य्

अग्रवाल हमेशा से अपने प्रयासों के माध्यम से परोपकार और सांस्कृतिक विकास को बढ़ावा देते रहे हैं। भारतीय कला और संस्कृति के समर्थक होने के नाते उन्होंने यूके में कई भारतीय आध्यात्मिक नेतृत्वकर्ताओं, कलाकारों और सांस्कृतिक फाउन्डेशन्स की मेजबानी की है। मन, शरीर और आत्मा पर केन्द्रित उनके प्रयासों ने भारत की समृद्ध कला की परम्परा और आध्यात्मिकता को विश्वस्तरीय दर्शकों तक पहुंचाकर भारत एवं दुनिया के बीच के अंतर को दूर करने में योगदान दिया है।

अनिल अग्रवाल रिवरसाईड स्टूडियोज ट्रस्ट अपनी तरह का अनूठा सांस्कृतिक केन्द्र है, जहां आगंतुक विश्वस्तरीय थिएटर प्रोडक्शन से लेकर आर्ट गैलेरीज, सिनेमा स्क्रीनिंग, आधुनिक कला प्रदर्शनियों, लाईव परफॉर्मेंसेस और टेड टॉक्स तक का यादगार अनुभव पा सकते हैं। अपनी आधुनिक सुविधाओं के साथ यह सेंटर दुनिया भर से मनोरंजन उद्योग के लीडर्स को आकर्षित करेगा, भारतीय, विदेशी एवं अन्य इंटरनेशनल क्रिएटर्स को उनके कार्य को दर्शाने का मौका देगा ।यह उपलब्धि भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि देश के सबसे सम्मानित बिजनेस लीडर्स में से एक विश्वस्तरीय कला की दुनिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहे हैं। अग्रवाल का दृष्टिकोण रुआर्ट इन एवरी हार्ट कला के माध्यम से सीमा–पास सहानुभुति और सूझ–बूझ को प्रोत्साहित करता है। रिवर साईड स्टूडियोज का अधिग्रहण विश्वस्तरीय संस्कृति पर भारत के बढ़ते प्रभाव की पुष्टि करता है, चूंकि भारतीय उद्यमी विश्वस्तरीय मंच पर कलात्मक संवाद में योगदान दे रहे हैं ।यह पहल अग्रवाल की इस अवधारणा की पुष्टि करती है कि कला सार्वभौमिक भाषा है, जो लोगों को सीमा पार संस्कृतियों के साथ जोड़ती है। इस ऐतिहासिक अवसर पर रिवरसाईड स्टूडियोज वर्ष 2025 में भव्य ओपनिंग कार्यक्रम का आयोजन भी करेगा, जहां दुनिया भर से कलाकार, परफॉर्मर्स, उद्योग जगत के लीडर्स और कला प्रेमी एक मंच पर इकत्र्रा होंगे। भौतिक आयोजनों के अलावा ट्रस्ट, वैन्यू की पहुंच और प्रभाव को बढ़ाने के लिए डिजिटल एवं हाइब्रिड कला कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का आयोजन भी करेगी।

वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही में ग्रोथ ने पकड़ी रफ्तार, आम बजट 2025 होगा अहम फैक्टर!

मुंबई ,09 जनवरी। भारतीय अर्थव्यवस्था में वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही में वृद्धि के मजबूत संकेत मिले हैं। इसकी वजह अच्छे मानसून के कारण ग्रामीण अर्थव्यवस्था में रिकवरी होना है। यह जानकारी बुधवार को एक रिपोर्ट में दी गई।

पिछले वर्ष के मानसून सीजन में लंबी अवधि के औसत से 8 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज (एमओएलएल) की रिपोर्ट में बताया गया कि हाल में हुए राज्य स्तर के चुनावों और उपचुनावों में जीत के कारण एनडीए के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार को मजबूती मिली है। इस कारण सरकार का फोकस फिर से विकास से जुड़ी पहलों को आगे बढ़ाने पर है और इससे आने वाले समय में पूंजीगत व्यय में वृद्धि होगी।

रिपोर्ट में बताया गया कि वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही की आय दूसरी तिमाही की आय के समान ही रहने की उम्मीद है। इस अर्निंग सीजन में फोकस बीएफएसआई, कैपिटल गुड्स, टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर और रियल एस्टेट पर होगा।

वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही में बीएफएसआई सेक्टर की आय 8 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। इस दौरान कैपिटल सेक्टर की आय सालाना आधार पर 26 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है।

रिपोर्ट में कहा गया कि वित्त वर्ष 25 एक चुनावी वर्ष था। ऑर्डर इनफ्लो इस दौरान कमजोर रहा था, लेकिन वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में ऑर्डर बढ़ने की उम्मीद है।

थर्मल पावर, रिन्यूएबल एनर्जी, टीएंडडी, डेटा सेंटर, बिल्डिंग और कारखानों में ऑर्डरिंग गतिविधि मजबूत रही है, हालांकि, पानी और रेलवे में यह कमजोर रही है।

इसके अलावा बाजारों को केंद्रीय बजट और आरबीआई मौद्रिक नीति दोनों पर नजर रखने की जरूरत है ।रिपोर्ट में बताया गया कि इस बार का केंद्रीय बजट काफी महत्वपूर्ण होगा, जो सरकारी पूंजीगत व्यय में संभावित पुनरुद्धार और खपत को बढ़ावा देने के उपायों के बारे में संकेत प्रदान करेगा। इसी तरह फरवरी में आरबीआई मौद्रिक नीति भी ब्याज दर के रुझान को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण होगी।

रिपोर्ट के अनुसार, कुल मिलाकर देखा जाए तो भारत में मध्यम अवधि के अवसर बरकरार हैं।

महीश तीक्षणा बने वनडे में हैट्रिक लेने वाले श्रीलंका के 7वें गेंदबाज, न्यूजीलैंड ने जीता मैच

हैमिल्टन ,09 जनवरी। महीश तीक्षणा ने वनडे क्रिकेट में हैट्रिक लेकर इतिहास रच दिया। वह श्रीलंका के के सातवें गेंदबाज हैं, जिन्होंने यह कारनामा किया है। तीक्षणा की यह हैट्रिक तीन मैचों की सीरीज के दूसरे वनडे में सेडन पार्क में हुई।

यह सीरीज श्रीलंका और न्यूजीलैंड के बीच खेली जा रही है। मेहमान टीम की ओर से तीक्षणा ने यह उपलब्धि दो ओवरों में हासिल की। 35वें ओवर में, उन्होंने लगातार दो गेंदों पर न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर और नाथन स्मिथ को आउट किया। इसके बाद 37वें ओवर की पहली ही गेंद पर मैट हेनरी को पवेलियन भेजकर अपनी हैट्रिक पूरी की।

तीक्षणा ने 8 ओवर में 44 रन देकर 4 विकेट झटके और अपनी स्पिन गेंदबाजी का बेहतरीन प्रदर्शन किया। यह श्रीलंका के किसी गेंदबाज द्वारा छह साल बाद वनडे में हैट्रिक है। इससे पहले 2018 में दुश्मंथा मदुशनका ने बांग्लादेश के खिलाफ हैट्रिक ली थी।

महीश तीक्षणा अब श्रीलंका के उन चुनिंदा गेंदबाजों में शामिल हो गए हैं जिन्होंने वनडे में हैट्रिक ली है। इनमें चमिंडा वास, लसिथ मलिंगा, दिलशान मदुशनका, थिसारा परेरा, परवेज महरूफ और वानिंदु हसरंगा जैसे दिग्गज नाम शामिल हैं।

न्यूजीलैंड की पारी की बात करें तो रचिन रवींद्र ने 79 और मार्क चौपमैन ने 62 रनों की पारी खेली। बारिश के कारण खेल देर से शुरू हुआ और मैच 37 ओवर का कर दिया गया। न्यूजीलैंड ने 255७9 का स्कोर बनाया ।इसके बाद श्रीलंका की टीम मात्र 30.2 ओवर में 142 रनों पर आउट हो गई। इस तरह से बारिश से प्रभावित मुकाबले में श्रीलंका को 113 रनों से करारी हार मिली। श्रीलंका की ओर से कामिंदु मेंडिस ने 66 गेंदों पर 64 रनों की पारी खेली। कोई और बल्लेबाज खास योगदान नहीं कर सका।

न्यूजीलैंड की गेंदबाजी में मैक हेनरी, नाथन स्मिथ और मिशेल सेंटनर को एक–एक विकेट मिला। विलियम ओश्रुरके ने सर्वाधिक 3 और जैकब डफी को 2 विकेट मिले।

यह तीन मैचों की वनडे सीरीज है जिसमें कीवी टीम ने 2–0 से अजेय बढ़त हासिल कर ली है।

2026 तक 5 लाख लोगों को कौशल प्रदान करेगा माइक्रोसाफ्ट, इंडिया एआई मिशन के साथ मिलाया हाथ

नई दिल्ली ,09 जनवरी। माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन और सीईओ सत्य नडेला ने बुधवार को देश में कई एआई पार्टनरशिप को लेकर घोषणा की, जिसमें 5 लाख लोगों को कौशल प्रदान करने के लिए सरकार के श्भारत एआई मिशनत्र के साथ एक समझौता ज्ञापन भी शामिल है।

डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन के एक प्रभाग इंडिया एआई के साथ समझौता ज्ञापन का उद्देश्य देश भर में इनोवेशन को बढ़ावा देने, उत्पादकता बढ़ाने और इंक्लूसिव ग्रोथ को बढ़ावा देने के लिए एआई का लाभ उठाना है ।एमओयू के तहत माइक्रोसॉफ्ट और इंडिया एआई मिलकर 2026 तक छात्रों, शिक्षकों, डेवलपर्स, सरकारी अधिकारियों और महिला उद्यमियों सहित 5,00,000 व्यक्तियों को कौशल प्रदान करेंगे ।माइक्रोसॉफ्ट और इंडिया एआई इस साझेदारी के साथ ग्रामीण एआई इनोवेशन को प्रमोट करने के लिए एक एआई सेंटर फॉर एक्सीलेंस की भी स्थापना करेंगे, जिसे एआई कैटालिस्ट्स नाम दिया जाएगा। साथ ही 1,00,000 एआई इनोवेटर्स और डेवलपर्स को हैकाथॉन, कम्युनिटी–बिल्डिंग सॉल्यूशन और एआई मार्केटप्लेस के जरिए सपोर्ट किया जाएगा ।एमओयू के तहत, 20 राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (नेशनल स्किल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट) एआई प्रोडक्टिविटी लैब भी सेटअप करेंगे, जो 10 राज्यों में मौजूद इन संस्थानों के 20,000 एजुकेटर्स को फाउंडेशन कोर्स प्रदान करेंगे ।यह सहयोग हेल्थकेयर, एजुकेशन, एक्सेसिबिलिटी और एग्रीकल्चर जैसे सिटिजन स्केल डोमेन के लिए एआई–इनेबल्ड सॉल्यूशन डेवलप करने पर केंद्रित होगा ।माइक्रोसॉफ्ट इंडिया और साउथ एशिया के अध्यक्ष पुनीत चंडोक ने कहा, हम भारत एआई मिशन के लाभों को देश के हर कोने तक पहुंचाने और टेक्नोलॉजी– संसाधनों तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाने के लिए सरकार के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्साहित हैं।

आरएआईएलटीईएल और माइक्रोसॉफ्ट ने भारतीय रेलवे और पब्लिक सेक्टर स्पेस में एडवांस डिजिटल, क्लाउड और एआई ट्रांसफॉर्मेशन के लिए पांच साल की रणनीतिक साझेदारी भी की ।माइक्रोसॉफ्ट द्वारा हाल ही में किए गए आईडीसी अध्ययन से पता चला है कि भारत में एआई का इस्तेमाल 2023 में 63 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 72 प्रतिशत हो गया है ।मंगलवार को, माइक्रोसॉफ्ट ने भारत में अगले दो वर्षों में क्लाउड और एआई इंफ्रास्ट्रक्चर में 3 बिलियन डॉलर का निवेश करने की योजना की घोषणा की, जिसमें नए डेटा सेंटर की स्थापना भी शामिल है ।टेक दिग्गज ने 2030 तक 10 मिलियन लोगों को एआई में प्रशिक्षित और कुशल बनाने की भी घोषणा की ।कंपनी ने पहले ही 2.4 मिलियन भारतीयों को एआई कौशल से सशक्त बनाया है, जिनमें सिविल सर्वेंट, कॉलेज छात्र और दिव्यांग शामिल हैं।

जार्ज बैली ने दी पैट कमिंस की फिटनेस पर अपडेट, बताया चौंपियंस ट्राफी में खेलेंगे या नहीं

मेलबर्न ,09 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया की चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बैली ने पैट कमिंस की फिटनेस को लेकर अपडेट दिया है। पैट कमिंस के आगामी आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी में भागीदारी पर संदेह बना हुआ है ।कमिंस ने हाल ही में खत्म हुई बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के सभी पांच टेस्ट खेले, लेकिन गर्मियों के दौरान उन्हें टखने में चोट की समस्या रही। अब इस चोट के लिए उनके स्कैन होंगे ।कमिंस को श्रीलंका दौरे के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है क्योंकि वह पितृत्व अवकाश पर हैं और अपने दूसरे बच्चे के जन्म का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, 19 फरवरी से शुरू होने वाली चौंपियंस ट्रॉफी से पहले उनकी फिटनेस ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए चिंता का विषय बनी हुई है ।बैली ने बताया, पैट अभी पितृत्व अवकाश पर हैं। उनके टखने में हल्की चोट है। अगले हफ्ते उनका स्कैन होगा, जिसके बाद हमें उनकी स्थिति का सही अंदाजा होगा ।जब उनसे पूछा गया कि क्या कमिंस चौंपियंस ट्रॉफी में खेल पाएंगे, तो उन्होंने जवाब दिया, अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। स्कैन के नतीजे और उनकी प्रगति देखने के बाद ही फैसला होगा ।ऑस्ट्रेलियाई टीम को इस समय अपने मुख्य तेज गेंदबाजों की चोटों से जूझना पड़ हा है। बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के दौरान कमिंस ने दर्द के बावजूद खेला, जबकि मिचेल स्टार्क भी चौथे टेस्ट में चोटिल रहे लेकिन सिडनी टेस्ट में खेलने में सफल रहे।

दूसरी ओर, जोश हेजलवुड की पिंडली की चोट के कारण वह गाबा टेस्ट के बाद बाहर हो गए और उन्हें भी श्रीलंका दौरे की टीम में शामिल नहीं किया गया ।बैली ने हेजलवुड की रिकवरी पर भरोसा जताते हुए कहा, वह कड़ी मेहनत कर रहे हैं, और उनकी प्रगति को लेकर हमें सकारात्मक खबरें मिल रही हैं ।उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि श्रीलंका दौरे से हेजलवुड को बाहर रखना एहतियातन फैसला था ताकि उनकी लंबी अवधि की फिटनेस सुनिश्चित हो सके। बैली ने कहा, उन्हें इस दौरे के लिए फिट होने में थोड़ा वक्त लगता, इसलिए उन्हें शामिल नहीं किया गया।

भारत में स्टील की मांग 2025 में 9 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान : रिपोर्ट

नई दिल्ली ,09 जनवरी। भारत में स्टील की मांग कैलेंडर वर्ष 2025 में 8 से 9 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। इसकी वजह हाउसिंग, इन्फ्रास्ट्रक्चर, इंजीनियरिंग, पैकेजिंग और अन्य सेगमेंट्स में स्टील की मांग बढ़ना है। यह जानकारी रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की रिपोर्ट में बुधवार को दी गई।

रिपोर्ट में बताया गया कि भारत के उलट वैश्विक स्तर पर स्टील की मांग में इस साल धीमापन देखने को मिल सकता है ।रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में भारत में स्टील की मांग बढ़कर 11 प्रतिशत और ब्राजील में 5.6 प्रतिशत हो जाने का अनुमान है। वहीं, ग्लोबल स्तर पर स्टील की मांग में लगभग 1 प्रतिशत की गिरावट आने का अनुमान है ।चीन, जो सबसे बड़ा स्टील उत्पादक और उपभोक्ता भी है, में मांग में 3.5 प्रतिशत की गिरावट आई है, जिसकी वजह अनुकूल नीतिगत बदलावों और सहायता पैकेज जारी होने के बावजूद रियल एस्टेट क्षेत्र में स्टील की मांग में गिरावट होना है ।यूरोप, जापान और अमेरिका से भी स्टील की मांग में 2–3 प्रतिशत की अनुमानित गिरावट दर्ज की गई ।रिपोर्ट के मुताबिक, भारत और ब्राजील जैसी विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में मांग में वृद्धि ने वैश्विक स्तर पर स्टील की मांग में भारी गिरावट को रोका है ।रिपोर्ट में बताया गया कि पिछले कुछ वर्षों में भारत में सभी प्रमुख निर्यातकों से तैयार स्टील के आयात में काफी वृद्धि हुई है। उदाहरण के लिए, 2022 और 2024 के बीच चीन से तैयार स्टील के आयात में 2.4 गुना वृद्धि हुई है। वहीं, हॉट रोल्ड कॉइल्स के आयात में 28 गुना का इजाफा हुआ है ।इसी तरह जापान से तैयार स्टील के कुल आयात में 2022 के आधार से 2024 में 2.8 गुना वृद्धि हुई, जबकि एचआरसी आयात में 16. 6 गुना वृद्धि हुई और वियतनाम से तैयार स्टील के आयात में आठ गुना वृद्धि हुई।

आयशा खान ने बताया, कैसा है दिल को रफू कर ले में उनका किरदार

बिग बॉस 17 की पूर्व प्रतियोगी आयशा खान जल्द ही शो दिल को रफू कर ले में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने साझा किया कि शो में उनका किरदार जिंदगी से भरपूर और खुशमिजाज है।अभिनेत्री आयशा शो में रवि दुबे और सरगुन मेहता की दिल को रफू कर ले में निक्की का किरदार निभाती नजर आएंगी, जिसे रवि दुबे और सरगुन मेहता के बैनर ड्रीमियता ड्रामा ने बनाया है।शो में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, लेखिका मीनाक्षी स्क्रिप्ट पढ़कर मुझे सुना रही थीं तो मैंने सुझाव दिया कि लड़की का नाम ख्वाहिश होना चाहिए क्योंकि उसके अंदर बहुत सारे सपने और बहुत सारी महत्वाकांक्षाएं हैं। लेकिन मीनाक्षी ने कहा, नहीं यह निक्की है, वह जो हमेशा अपने मन का काम करती है, वह काम को चुटकियों में करती है। सच वह पल मेरे साथ रहा और मुझे एहसास हुआ कि निक्की जिंदगी से भरपूर है। वह एक मस्तमौला, जीवंत और खुशमिजाज लड़की है।अभिनेत्री ने बताया कि निक्की वैसी ही हैं जैसी स्क्रीन पर दिखती हैं।

उन्होंने कहा, मेरा व्यक्तित्व बिल्कुल निक्की जैसा है। मैं बहुत सीधी–सादी हूं – चेहरे से, हमेशा खुश रहने वाली, मजेदार और चुलबुली लड़की हूं। लेकिन हां, निक्की की एनर्जी दूसरे स्तर पर है और मुझे नहीं लगता कि मैं इस मामले में उससे मेल खा सकती हूं।आयशा शो में करण वी ग्रोवर के साथ नजर आएंगी। उन्होंने करण को लेकर कहा कि वह ऑन और ऑफ कैमरा शूटिंग करके बहुत अच्छा समय बिता रही हैं।अभिनेत्री ने कहा, मुझे लगता है कि मैं ऐसे अभिनेताओं के साथ काम करके काफी कुछ सीख रही हूं। करण, चिराग, मीनाक्षी, स्वाति जी, कमल और निर्मल मैम को जब भी मैं परफॉर्म करते देखती हूं, तो मुझे बहुत खुशी होती है और मैं हमेशा उनकी शूटिंग देखने के लिए उत्साहित रहती हूं।

अभिनेत्री ने करण के बारे में कहा, वह एक शानदार अभिनेता और एक अद्भुत इंसान हैं। मुझे लगा कि वह बहुत गंभीर व्यक्ति होंगे, लेकिन वह बहुत मजेदार इंसान हैं। हमारे बीच बहुत अच्छी बॉन्डिंग है और मैं वास्तव में सभी को मिस करने वाली हूं।रवि और सरगुन के बारे में आयशा बोलीं,मैं सरगुन मैम के बारे में क्या कह सकती हूं? वह हमेशा एक प्रेरणा रही हैं। एक निर्माता, अभिनेत्री– आप जो भी नाम लें वह सब हैं। मैं उनको प्यार करने के साथ ही उनका बहुत सम्मान भी करती हूं। वह बहुत मेहनती हैं। जब भी सेट पर होती हैं, तो मैं सबसे खुश होती हूं। उन्हें देखकर मेरी आंखों में चमक आ जाती है।

आयशा ने रवि के बारे में कहा, मैं उनकी प्रशंसक हूं और उन्होंने हमें भरपूर मनोरंजन दिया है। मुझे लगता है कि फिल्में हर कोई बना सकता है, लेकिन रचनात्मक दिमाग रखना और अपनी पूरी कोशिशें लगाना हर किसी के बस की बात नहीं है, लेकिन हां, रवि भैया के बस की बात है। वे दोनों

मुझे मरने की इजाजत है, डरने की नहीं, हिमेश रेशमिया की फिल्म बैडएस रवि कुमार का ट्रेलर रिलीज

गायक से अभिनेता बने हिमेश रेशमिया अनंत महादेवन की 2014 की पीरियड थ्रिलर द एक्सपोज से रवि कुमार की अपनी भूमिका को फिर से निभाने के लिए तैयार हैं, जो 1980 के दशक के बॉलीवुड फ्लेवर से भरपूर है। गायक और अभिनेता हिमेश रेशमिया की फिल्म बैडएस रवि कुमार का पहला ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में वह बड़े–बड़े डायलॉग बोलते हुए और एनिमल के रणबीर कपूर की झलक दिखाते हुए नजर आए। वीडियो में उन्होंने प्रभुदेवा के साथ अपने डांस मूव्स को भी दिखाया।

बैडएड रवि कुमार के ट्रेलर में हिमेश रेशमिया दमदार अवतार में नजर आ रहे हैं। वह एक मिशन पर है, जिसे उन्हें हर हाल में पूरा करना है। वहीं इस बीच वह अपने कई दुश्मन बना लेते हैं, जिनसे उन्हें पूरी ताकत के साथ निपटना है। ट्रेलर में वह कहते हैं कि उन्हें मरने में इजाजत है, डरने की नहीं और उनसे पंगा लेना सेहत के लिए हानिकारिक है। इसके साथ ही ट्रेलर में जॉनी लीवर और संजय मिश्रा के कुछ कॉमेडी सीँस भी दिखाए गए हैं। वहीं साथ ही हिमेश रेशमिया के कुछ दिल दहला देने वाले दृश्य भी दिखाई गए, जिसमें वे खूनी अंदाज में नजर आए।2014 की द एक्पोज की रिलीज के लगभग एक दशक के अंतराल के बाद अभिनेता एक बार फिर रविकमार के किरदार में वापस आ गए हैं और अपने किरदार की विरासत को आगे ले जा रहे हैं। यह अभिनेता के इर्द–गिर्द है, यह 1980 के दशक के एक्शन मोड में है, जिसमें दमदार संवाद हैं और गोलियों की बौछार है। हिमेश इस फिल्म में निर्माता, संगीत निर्देशक और अभिनेता तो हैं ही, उन्होंने फिल्म की कहानी और स्क्रीन प्ले भी लिखा है और साथ ही बैकग्राउंड स्कोर भी किया है।

प्रभु देवा को फिल्म में नकारात्मक भूमिका निभाने के लिए चुना गया है और फिल्म के एक्शन को वास्तविक अनुभव देने के लिए उन्होंने सुनील रोड्रिग्स (जवान और सिंघम अगेन), स्टंट सैम (तंगलान) और डेनी जॉर्डन कजुर्सिजेव (मनी हीस्ट) जैसे नामों को चुना है। फिल्म का निर्देशन कीथ गोम्स ने किया है और इसमें कीर्ति कुल्हारी, संजय जॉनी लीवर , मनीष वाधवा, अनिल जॉर्ज, राजेश शर्मा, प्रशांत नारायण, सौरभ सचदेवा, सनी लियोन जैसे नाम भी शामिल हैं और सिमोना को फिल्म में मधुबाला के रूप में पेश किया जा रहा है।

बाक्स आफिस पर बेबी जान का संघर्ष जारी, अब तक कर चुकी इतनी कमाई

अभिनेता वरुण धवन काफी समय से फिल्म बेबी जॉन को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। उनकी यह फिल्म बीते साल 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं सकी। पहले दिन से ही टिकट खिड़की पर फिल्म की हालत पस्त है।

फिल्म को रिलीज हुए 14 दिन हो गए हैं, लेकिन यह अब तक अपना आधा बजट भी नहीं निकाल पाई। फिल्म की दैनिक कमाई लाखों में सिमटी हुई है।

बेबी जॉन की कमाई के 14वें दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं, जो अब तक सबसे कम कारोबार है।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने अपनी रिलीज के 14वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को 25 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 39.01 करोड़ रुपये हो गया है।दुनियाभर में यह अब तक 57 करोड़ रुपये से अधिक कमा पाई है। यह फिल्म सिनेमाघरों में अब अपनी आखिरी सांसें गिन रही है।बेबी जॉन को कलीस ने निर्देशित किया है,वहीं एटली इसके निर्माता हैं। ये थलापति विजय की तमिल फिल्म थेरी का रीमेक है।फिल्म में जैकी श्रॉफ ने भी अपनी अदाकारी का तड़का लगाया है। कीर्ति सुरेश, सान्या मल्होत्रा, राजपाल यादव और वामिका गब्बी ने भी इसमें अहम भूमिका निभाई है।फिल्म के अंत में सलमान खान का कैमियो भी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सिनेमाघरों के बाद अब यह फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक देगी।

कैमरे के सामने स्टाइलिश पोज देती नजर आई जन्नत गर्ल सोनल चौहान, लेटेस्ट फोटोज ने इंटरनेट पर मचाया बवाल

जन्नत गर्ल सोनल चौहान अपने फैशन स्टेटमेंट्स और ग्लैमरस लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर चर्चाओं का विषय बनी रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लग जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट बोल्ड फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से मदहोश हो गए हैं।

एक्ट्रेस सोनल चौहान आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज सोशल मीडिया हेंडल पर शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं।

अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।

लेटेस्ट शेयर की गई फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने हॉल्टर नेक लुक में बॉडीकॉन आउटफिट पहना हुआ है। अभिनेत्री अपने इस लुक में बेहद ही शानदार नजर आ रही हैं।

खुले बाल, लाइट मेकअप लुक और कानों में इयररिंग्स पहनकर एक्ट्रेस सोनल चौहान ने अपने आउटलुक को बेहद ही खूबसूरती से निखारा है।

फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती हुई कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक पोज देती हुई फैंस को इंप्रेस करती हुई नजर आ रही हैं।सोनल चौहान भले ही इन दिनों फिल्मों में नजर नहीं आ रही हैं। लेकिन इंस्टाग्राम पर वो काफी एक्टिव रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही फैंस के बीच ट्रेंड करने लगता है।

यश का बर्थडे पर फैंस को तोहफा, टाक्सिक का जहर टीजर रिलीज, केजीएफ स्टार का फर्स्ट लुक आउट

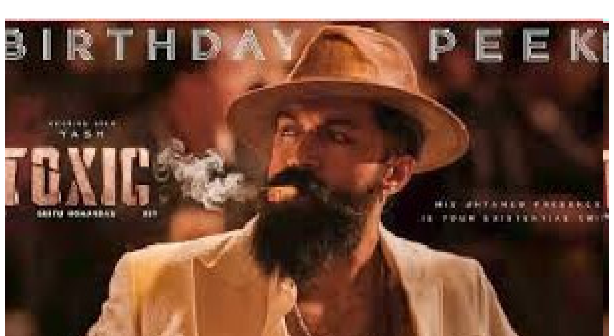

साउथ सुपरस्टार यश इंडियन सिनेमा में अपना नाम कमा चुके हैं. नवीन कुमार गौड़ उर्फ रॉकिंग स्टार यश के फैंस के लिए आज खुशी का दिन है. यश अपना 39वां बर्थडे मना रहे हैं. जानकर हैरानी होगी कि यश बीते 17 सालों से इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं, लेकिन साल 2018 में आई फिल्म केजीएफ चौप्टर 1 से उन्हें वर्ल्डवाइड पहचान मिली है. केजीएफ से पहले यश को कई फिल्मों में देखा गया है, लेकिन यह सभी फिल्में कन्नड़ सिनेमा तक ही सिमटकर रह गईं. आज इंडिया के कोने–कोने में यश की फिल्मों का इंतजार होता है. वहीं, बर्थडे के मौके पर यश ने अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म टॉक्सिक से फैंस को बड़ा तोहफा दिया है.

यश स्टारर एक्शन एडवेंचर फिल्म टॉक्सिक से यश ने बीती 6 जनवरी को एक पोस्टर शेयर किया था और अपने फैंस को कहा था कि वह अपने 39वें बर्थडे पर फिल्म से बड़ा और सरप्राइज गिफ्ट देंगे. अब यश ने अपना वादा पूरा करते हुए फिल्म टॉक्सिक से फैंस के लिए बड़ा गिफ्ट भेजा है. यश ने अपने बर्थडे पर फिल्म टॉक्सिक से एकदम जहर टीजर शेयर किया है, जिसमें यश को एक बार में पोल गर्ल और बार डांसर के साथ इंटीमेट होते देखा जा रहा है. वहीं, टीजर में यश का फर्स्ट लुक भी देखने को मिल रहा है. कहना गलत नहीं होगा कि यश अपनी इस फिल्म से भी फैंस को बड़ा तोहफा देने जा रहे हैं. बता दें, फर्स्ट लुक में यश ने क्रीम रंग के कॉस्ट्यू पर हैट लगाई हुई है और वह इस लुक में किसी माचोमैन से कम नहीं दिख रहे हैं.

टॉक्सिकरू ए डार्क फेयरीटेल को गीतू मोनदास डायरेक्ट कर रही हैं. टॉक्सिक आगामी 10 अप्रैल को वर्ल्डवाइड रिलीज होने जा रही है. यश की यह पैन इंडिया फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाका करने के लिए तैयार है. बता दें, यश को तीन साल पहले साल 2022 में फिल्म केजीएफ 2 में देखा गया था, इसके बाद से यश किसी फिल्म में नहीं दिखे. अब यश अपनी इस फिल्म पर पूरी तरह से ध्यान दे रहे हैं और दर्शकों को एक नया सिनेमैटिक एक्सपीरियंस देने के लिए तैयार हैं.

नई फुटेज के साथ इस तारीख से सिनेमाघरों में देखने को मिलेगी पुष्पा 2, फिल्म की अवधि में हुआ इजाफा

अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 बॉक्स ऑफिस पर कब्जा जमाए हुए है। रिलीज के करीब महीनेभर बाद भी इसका जलवा बरकरार है। अब इस फिल्म का रिलोडिड वर्जन सिनेमाघरों में आ रहा है। दर्शकों को कुछ अतिरिक्त फुटेज के साथ इस फिल्म को देखने का मौका मिलेगा। बता दें कि दिसंबर में क्रिसमस से पहले मेकर्स ने फिल्म में कुछ और एपिसोड जोड़ने का एलान किया था। इसके बाद फिल्म की अवधि बढ़ जाएगी। जोड़ी गई फुटेज के साथ फिल्म इसी महीने से सिनेमाघरों में दिखाई जाएगी। तारीख जान लेते हैं।

मैत्री मूवीज मेकर्स के इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया गया है। इसमें बताया गया कि फिल्म का रिलोडिड वर्जन 11 जनवरी 2025 से सिनेमाघरों में दिखाया जाएगा। नए एपिसोड जोड़ने से फिल्म की अवधि करीब 20 मिनट और बढ़ जाएगी। अब इसका टोटल रनटाइम होगा 3 घंटे 40 मिनट।

फिल्म पुष्पा 2 05 दिसंबर 2024 को पैन इंडिया स्तर पर रिलीज हुई। कमाई के मामले में यह पहले दिन से रिकॉर्ड तोड़ रही है। रिलीज के 34 दिन इसने शानदार अंदाज में पूरे किए हैं। कल मंगलवार को फिल्म ने ढाई करोड़ रुपये की कमाई घरेलू बॉक्स ऑफिस पर की। अब तक इसका नेट कलेक्शन 1,210.95 करोड़ रुपये हो चुका है।

देश में ही नहीं, बल्कि विदेश में पुष्पा 2 का भी खूब डंका बज रहा है। दुनियाभर में इस फिल्म ने 1,831 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर लिया है।

इस फिल्म का बजट 500 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।

पुष्पा 2 के निर्देशक सुकुमार हैं। उन्होंने साल 2021 में इस फिल्म का पहला भाग पुष्पारू द राइज बनाया था, जो बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर था। फहद फासिल भी इस फिल्म का अहम हिस्सा हैं।

कहानी की बात करें तो पहले भाग में एक आम दिहाड़ी मजदूर रहा पुष्पा राज (अल्लू अर्जुन) चंदन का तस्कर बन चुका है। वह अपने इलाके के लोगों की भलाई के लिए सबकुछ करता है और उनके दिलों का राजा बन जाता है।

मेकर्स इस फैसले के बाद अंदाजा लगाया जा रहा है कि पुष्पा 2 जल्द ही आमिर खान की ऑलटाइम ब्लॉकबस्टर फिल्म दंगल, जिसने दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर 2070.3 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया है, को पीछे छोड़ सकती है.

शिक्षामित्र हुआ साइबर ठगी का शिकार, सहयोगी अध्यापक बन उड़ाया 65 हजार

हलिया, मीरजापुर। हलिया शिक्षा क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय सगरा में तैनात शिक्षा मित्र साइबर ठगों के झांसे में आकर 65 हजार रुपए गंवा बैठे। जानकारी के मुताबिक हलिया कस्बा निवासी उमाशंकर ने साइबर क्राइम ब्रांच में लिखित शिकायत करते हुए बताया कि उनके मोबाइल पर सहयोगी अध्यापक बनकर राजेश गौड़ के नाम से फोन आया और तमाम परिचय देते हुए उसने बताया कि उनके लड़के का पैर फैक्चर हो गया है जिसे लेकर वह लखनऊ के एक अस्पताल में एडमिट हैं। डाक्टर के इलाज व दवा का पैसे देने के लिए उनके मोबाइल से पैसे ट्रांसफर नहीं हो रहे हैं मैं आपके के मोबाइल एकाउंट में पैसे ट्रांसफर कर रहा हूं और आप एक–दूसरे नम्बर पर ҕ65 हजार ट्रांसफर कर दिजिए जिससे मेरे बच्चे का इलाज हो सके। साइबर ठग ने 65 हजार रुपए का एक मैसेज पीड़ित शिक्षामित्र के मोबाइल एकाउंट में भेज दिया और शिक्षामित्र ने बगैर सोचे समझे ठग की मोबाइल एकाउंट में 65 हजार रुपए ट्रांसफर करने के बाद अपना पे एकाउंट चेक किए तो खाते में पैसे आए ही नहीं थे, जिसे देखकर पीड़ित के पैरों तले से जमीन खिसक गई और वह घबराकर इनकमिंग काल नम्बर पर बार बार फोन करने लगा। जिसके बाद साइबर ठग ने अपना मोबाइल स्वीच ऑफ कर लिया। मोबाइल स्वीच ऑफ होने के बाद ठगी का शिकार हुए शिक्षामित्र ने साइबर क्राइम ब्रांच में शिकायत कर कार्रवाई व पैसा वापस दिलाने की मांग की है।

डेयरी उद्योग के नाम पर महिला हुई धोखाधड़ी की शिकार

मीरजापुर। सरकार जहां विभिन्न योजनाओं के जरिए महिलाओं को स्वावलंबी बनने पर जोर दे रही है वहीं कुछ लोग सरकार की योजनाओं के नाम पर महिलाओं को ठगने में भी लगे हुए हैं। जिनके खिलाफ शिकायत के बाद भी कार्रवाई न होने से जिले में ठग गिरोह की सक्रियता बढ़ती जा रही है। ऐसा ही एक मामला प्रकाश में आया है।

जिसमें सोना भी गया और लोन भी नहीं मिला है। थक–हार कर पीड़िता अब न्याय पाने के लिए धरना–प्रदर्शन करने को विवश है। जिले के पड़री थाना क्षेत्र के धनही गांव निवासनी रेखा ने आरोप लगाया है कि आर्थिक तंगी को दूर करने की गरज से वह डेयरी पालन उद्योग से जुड़कर स्वावलंबी बनना चाहते थी। इसी दरम्यान जिले के ही कछवां निवासी एक व्यक्ति ने उन्हें डेयरी उद्योग के नाम पर अपने झांसे में लेकर उनके सत्तर हजार नगदी सहित सोने के जेवरात इत्यादि को भी ऐंठ लिया। आजकल करते काफी लंबा समय बीत जाने पर अब रुपए और जेवरात लौटाने के बजाए धमकियां दे रहा है जिसकी शिकायत पुलिस में करने के बाद कार्रवाई के बजाए पुलिस शिकायत पत्र लेकर खामोश हो जा रही है। गुरुवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर पीड़ित दंपति ने धरना प्रदर्शन करते हुए कछवां थाना क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति पर लोन दिलाने के नाम पर 70 हजार और सोने के जेवरात की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाते हुए सनसनी फैला दियाҕ पीड़िता का आरोप रहा है कि शिकायत दर्ज कराने के बाद अभी तक कार्रवाई नहीं हुई है। जिससे वह न्याय के लिए दर–दर भटकने को विवश है, वहीं आरोपी व्यक्ति रकम और गहने वापस करने के बजाए धमकियां देते हुए फिर रहा है।

कड़ाईरू इधर-उधर फेंका कूड़ा तो लगेगा जुर्माना

मीरजापुर। नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत अब कूड़ा इधर–उधर फेंकना संभव नहीं होगा इसके लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। यदि आप इधर–उधर कूड़ा फेंकने के आदती हैं तो सावधान हो जाएं यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण है। दरअसल, नए साल के पहले महीने में नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी की अध्यक्षता में सभासदों, ईओ, पालिका के अधिकारियों के साथ सदन की बैठक बुलाई गई। सदन की बैठक में विभिन्न मुद्दों को लेकर सदन के सदस्यों ने चर्चा की है। जिसमें नगर को स्वच्छ सुंदर बनाने के लिए कई ठोस कदम उठाएंगे जायेंगे। बोर्ड की बैठक में यह तय हुआ है कि विभिन्न वार्डो में एक महीने का जागरूकता कार्यक्रम होने के बाद इधर–उधर कूड़ा करकट फेंकने वालों पर जुर्माने की कार्यवाही की जाएगी। नपाध्यक्ष ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के निर्धारित स्थलों एवं कूड़ा गाड़ी को कूड़ा न देने एवं कूड़ा उठाने के बाद कूड़े को फेंकने पर कार्यवाही की जाएगी। जिसके लिए दण्ड शुल्क नियमावली बनाई जाएगी, जिसके आधार पर कार्यवाही की जाएगी।इसके साथ ही पुराने दुकानों के नामांतरण एवं नई दुकानें बनाकर आवंटन करने को लेकर भी सदन में चर्चा की गई। जिसमें कई सभासदों ने अपनी राय सदन के सामने रखी।जिसमें ये तय हुआ कि नियमानुसार बॉयलाज के अनुसार जो भी होगा उसको लागू किया जाएगा। बैठक में ईओ जी लाल, कर निर्धारण अधिकारी अरविंद यादव, जलकल अभियंता ओमप्रकाश राम, कर अधीक्षक सरदेंदु सिंह, अवर अभियंता अंजली मौर्या सहित वार्डो के सभासद मौजूद रहे हैं।

जिलाधिकारी ने जनता दर्शन में आए जरूरतमंद फरियादियों को वितरित किया कम्बल

मीरजापुर। जन समस्याओं को अधिक से अधिक निस्तारण व फरियादियों को न्याय दिलाने के दृष्टिगत जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने कलेक्ट्रेट में आए फरियादियो की जन समस्याओं को सुनते हुए निर्देशित किया कि सभी अधिकारी आने वाले जनता की समस्याओं को सुनकर, प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने पीड़ितों की समस्याओं को समयबद्ध गुणवत्तापूर्ण व संतुष्टिपूर्ण निस्तारण करने के लिये सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि इनकी समस्याओं को सुनते हुये तत्काल निस्तारण सुनिश्चित करायें। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने जरूरतमंद फरियादी– दुर्गावती देवी, लक्ष्मी देवी, मंजू देवी, पार्वती देवी, अमुआ देवी, निरहू, गाटर को ठंड से बचाव हेतु कम्बल भी वितरित किया।

भारत में आर्टिफिशियल इटेलिजेंस का विकास और संभावनाएं विषय पर विचार गोष्ठी आयोजित

मीरजापुर। श्रीमती इंदिरा गांधी राजकीय पीजी कॉलेज लालगंज में बृहस्पतिवार को भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का विकास और संभावनाएं विषय पर आयोजित विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने एआई के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं पर तीखी चर्चा की। उन्होंने इसके उपयोग को संतुलित और जिम्मेदारीपूर्ण बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया।गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ केके गिरी ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वर्तमान युग की सबसे बड़ी तकनीकी क्रांति है। यदि इसे सही दिशा में उपयोग किया गया तो यह भारत को आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभा सकता है। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. अजीत प्रताप सिंह ने कहा कि एआई का विकास रोजगार और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में नई चुनौतियां पैदा कर सकता है। उन्होंने आगाह किया कि इसका दुरुपयोग असमानता को बढ़ावा दे सकता है, इसलिए इसके उपयोग को नियंत्रित करना बेहद जरूरी है। डॉ संतोष सिंह ने कहा कि एआई का प्रभाव तब तक अधूरा रहेगा जब तक यह ग्रामीण भारत और कृषि क्षेत्र तक नहीं पहुंचेगा। उन्होंने इसे समाज के सभी वर्गों के लिए सुलभ बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ भूप नारायण सिंह ने कहा कि तकनीक का असली लाभ तभी होगा, जब यह केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित न रहकर ग्रामीण और औद्योगिक क्षेत्रों में भी पहुंचे। डॉ अभय चंद्र ने शिक्षा के क्षेत्र में एआई के उपयोग पर कहा कि इसे शिक्षकों के स्थान पर नहीं, बल्कि उनके सहायक के रूप में इस्तेमाल किया जाना चाहिए। उन्होंने शिक्षा के पारंपरिक स्वरूप को बनाए रखने पर जोर दिया। समाज शास्त्र विभाग के डॉ शिवधर सिंह ने कहा कि तकनीक के नैतिक उपयोग को सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है। उन्होंने आगाह किया कि अनियंत्रित उपयोग से गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।डॉ अंबेश्वरी पांडे ने कहा कि आधुनिक तकनीक का प्रभाव समाज पर स्पष्ट रूप से पड़ता है, और यह विकास में सकारात्मक योगदान दे सकती है। इतिहास विभाग के डॉ देवेंद्र नाथ गिरी ने कहा कि एआई ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे उद्योगों के लिए वरदान साबित हो सकता है। उन्होंने इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उचित प्रशिक्षण और जागरूकता की आवश्यकता पर जोर दिया। गोष्ठी में डॉ राहुल कुमार, रामप्रकाश पाल, डॉ अरविंद कुमार, डॉ शिवांगी पांडे, सुशील कुमार, शंकर पटेल सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

बलरामपुर फाउण्डेशन की ओर से डीएम के कर कमलों द्वारा वितरित कराया गया सिलाई मशीन एवं कम्बल

सिलाई मशीन व कम्बल वितरित करतीं डीएम

गोण्डा । बलरामपुर फाउण्डेशन की तरफ से गुरुवार को जिलाधिकारी नेहा शर्मा द्वारा बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड यूनिट दतौली मनकापुर के प्रांगण में 1000 कम्बल एवं 25 सिलाई मशीन मनकापुर ब्लाक के स्वयं सहायता समूह के लाभार्थियों को वितरित किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने बलरामपुर फाउण्डेशन की सराहना करते हुए कहा कि बलरामपुर चीनी मिल ग्रुप गोण्डा के विकास में अपना बहुमूल्य योगदान दे रहा है। चीनी मिल समूह प्रत्येक वर्ष गोण्डा जनपद में सामाजिक कार्य करती रहती है। इसी क्रम में आज कम्बल और सिलाई मशीन का वितरण किया गया। जिलाधिकारी ने चीनी मिल के प्रबन्धतन्त्र को धन्यवाद दिया और कहा कि आगे भी आप गोण्डा जनपद में सामाजिक सारोकार के कार्य में अपना अमूल्य योगदान देते रहेंगे। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी मनकापुर, पुलिस क्षेत्राधिकारी मनकापुर, तहसीलदार मनकापुर, खण्ड विकास अधिकारी मनकापुर, ए०डी०ओ० मनकापुर, कोतवाल मनकापुर एवं चौकी प्रभारी दतौली ने भी उक्त कार्यक्रम में कम्बल वितरण किया। इस अवसर पर चीनी मिल की तरफ से जिलाधिकारी का स्वागत मुख्य महाप्रबन्धक नीरज बंसल द्वारा बुके भेंट कर किया गया। मुख्य महाप्रबन्धक नीरज बंसल ने इस अवसर पर कहा कि बलरामपुर चीनी मिल गोण्डा के विकास में निरन्तर प्रगतशील है एवं गरीबों की सेवा करना चीनी मिल का उद्देश्य है और बलरामपुर फाउण्डेशन इस उद्धेश्य में निरन्तर कार्यरत है। इस अवसर पर मिल की तरफ से महाप्रबन्धक गन्ना राज कुमार ताया, महाप्रबन्धक उत्पादन विजय प्रताप सिंह, महाप्रबन्धक इन्जीनियरिंग प्रमोद कुमार पाण्डेय, अपर महाप्रबन्धक आसवनी प्रहलाद कुमार खड़का, उप महाप्रबन्धक इलेक्ट्रिकल दीपक भवसार, सहायक महाप्रबन्धक विधि, कार्मिक एवं प्रशासन जी०के० राउत, मुख्य प्रबन्धक स्टोर अमित सिंह गौर, मुख्य प्रबन्धक शुगर एक्साइज अरविन्द कुमार द्विवेदी, लीगल हेड आनन्द कुमार उपाध्याय आदि अधिकारी एवं कर्मचारीगण मौजूद रहे एवं मंच का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापित शशि कान्त शुक्ला द्वारा किया गया।

पहाड़ापुर गौशाला भारी अव्यवस्था का शिकार,खुले आसमान में ठिठुर रहे पशु

भीषण ठंडक से पशुओं के बचाव को लेकर इंतजाम करने का सरकारी दावा धरातल पर हवा हवाई

चारे के नाम पर सूखा भूसा व पैरा का लगा हुआ मिला ढेर

गौशाला के मामले में जिले से लेकर ब्लाक स्तर तक के अधिकारी शासन को आल इज वेल की रिपोर्ट भेजकर अपनी पीठ थपथपाने में मस्त

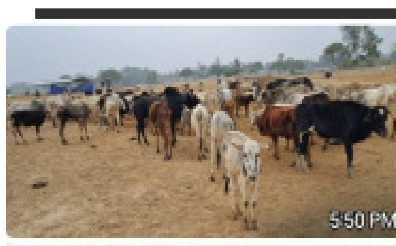

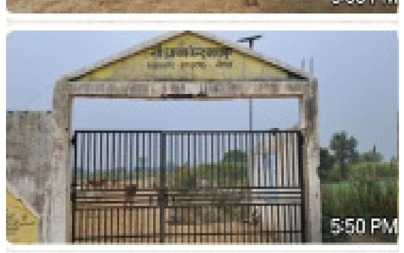

कर्नलगंज (गोण्डा) 9 जनवरी। बीते नवंबर महीने में देवीपाटन मंडल के आयुक्त द्वारा डीएम को गौशालाओं की जांच और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने के दिये गये निर्देश का कोई असर जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों में नहीं दिख रहा है। जिसका जीता जागता उदाहरण कर्नलगंज तहसील क्षेत्र के विकास खंड हलधरमऊ अन्तर्गत स्थित पहाड़ापुर गौशाला से देखा जा सकता है जो भारी अव्यवस्था का शिकार होकर रह गई है। भीषण ठंडक से पशुओं के बचाव को लेकर इंतजाम करने का सरकारी दावा धरातल पर हवा हवाई साबित हो रहा है। बुधवार को दोपहर में यहां पशु खुले आसमान के नीचे ठंडक से कांपते व ठिठुरते हुए पाए गए। पहाड़ापुर गौशाला में बुधवार को भारी अव्यवस्था व्याप्त पाई गई। शेड को तिरपाल से चारों ओर ढकने, गोवंश हेतु स्वच्छ पेयजल, गोवंश व गोवंश हेतु काऊकोट की व्यवस्था, सुरक्षित अलाव जलाने की व्यवस्था, हरे चारे व भूसे की व्यवस्था, फर्श पर बिछावन की व्यवस्था समेत 6 प्रकार की व्यवस्था प्रत्येक गौशाला में कराए जाने का दावा सरकारी अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा जोर–शोर से किया जा रहा है। जबकि धरातल पर हकीकत इसके ठीक उल्टे दिखाई पड़ रही है। मौके पर पहाड़ापुर गौशाला की दुर्दशा देखने पर पता चला कि यह सभी दावे हवा हवाई हैं। पशुओं के देखरेख में इतनी ज्यादा लापरवाही बरती गई है कि सभी पशु बहुत ज्यादा दुबले पतले हो गए हैं और उनकी सभी हड्डियां बाहर से दिखाई पड़ रही हैं उन्हें आसानी से गिना जा सकता है। पहाड़ापुर गौशाला में बुधवार दोपहर में पहुंचने पर सैकड़ों पशु खुले आसमान में ठंडक से कांपते व ठिठुरते हुए पाए गए। चारे के नाम पर सूखा भूसा व पैरा का ढेर लगा हुआ मिला लेकिन हरा चारा ढूंढने पर भी नहीं मिला। शेड के चारों ओर कोई तिरपाल लगा हुआ नहीं दिखाई पड़ा। काऊ कोट व अलाव जलाने की व्यवस्था दूर दूर तक कहीं नहीं दिखाई पड़ी। पशुओं को ठंडक से बचाव हेतु कोई बिछावन नहीं नजर आया। यहां की व्यवस्था देखने पर यही लगा कि शायद ही यहां के पशुओं को ताजा पानी व हरा चारा मिलता हो। पशुओं की दुर्दशा देखकर यही लगा कि विभाग की ओर से यह सभी पशु भगवान भरोसे छोड़ दिए गए हैं। यहां कोई चारदीवारी नहीं है। बड़ी खाई खोदकर व झटका मशीन के सहारे पशुओं को रोका गया है। इतने ज्यादा पशुओं को रहने के लिए यहां एक टीन शेड व एक चरनी बनी हुई है। भीषण ठंडक का दौर इस समय होने के बावजूद पशुओं को ठंडक से बचाव को लेकर कोई व्यवस्था ना किया जाना बहुत बड़ी लापरवाही को उजागर कर रहा है। जबकि गौशाला के मामले में जिले से लेकर ब्लाक स्तर तक के अधिकारी शासन को आल इज वेल की रिपोर्ट भेजकर अपनी पीठ थपथपाने में मस्त हैं। हलधरमऊ विकास खंड क्षेत्र में पहाड़ापुर के अलावा मैजापुर, भुलभुलिया, पतिसा, सेल्हरी समेत कुल 5 गौशालाएं संचालित की जा रही हैं। ग्रामीणों के मुताबिक कमोवेश सभी गौशालाओं का यही हाल है। विभागीय अधिकारी कर्मचारी इस मामले में भारी उदासीनता बरत रहे हैं। भीषण ठंडक में इतनी बड़ी लापरवाही से पशुओं की जान को लेकर खतरा बढ़ जाता है। बताया जाता है कि पहाड़ापुर गौशाला के करीब 206 पशुओं की देखभाल करने को लेकर अनन्त राम, राज कुमार व राजेश कुमार पाण्डेय समेत तीन लोगों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। ग्राम पंचायत पहाड़ापुर के सचिव विवेकानंद ने बताया कि पशुओं के ठंडक से बचाव को लेकर ग्राम प्रधान से सभी इंतजाम करने के लिए कहा गया है। सहायक खण्ड विकास अधिकारी राजेश कुमार वर्मा ने बताया कि ठंडक से बचाव को लेकर सभी गौशालाओं में पर्याप्त इंतजाम कराए गए हैं। यदि इसमें कोई कमी की शिकायत मिलती है तो संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

एलबीएस में सेवाकाल के 30 साल पर सम्मानित हुए बीएड विभागाध्यक्ष प्रो.एसबी सिंह

गोण्डा । मंडल मुख्यालय स्थित श्री लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय गोण्डा में बतौर बीएड विभागाध्यक्ष तैनात प्रोफेसर श्याम बहादुर सिंह के कालेज में 30 साल बेमिसाल पूर्ण होने पर उन्हें महाराणा प्रताप स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया।

प्रो . श्याम बहादुर सिंह ने वर्ष 1996 में एलबीएस पीजी कॉलेज गोण्डा में अपनी सेवा की शुरुआत की थी और इसी सत्र में उनका कार्यकाल पूर्ण हो रहा है। कालेज में सेवाकाल के दौरान वह चीफ प्रॉक्टर जैसे महत्वपूर्ण पद को भी सुशोभित कर चुके हैं। कॉलेज में आदर्श अध्यापक के रूप में अपनी पहचान बना चुके प्रो. श्याम बहादुर सिंह का जहां एक ओर कॉलेज में सेवाकाल का करीब 30 साल बेमिसाल रहा वहीं दूसरी ओर 7 जनवरी को उनका जन्मदिन भी था। दो – दो सुनहरे पलों पर आयोजित कार्यक्रम में प्रबुद्धजनों, शुभचिंतकों व इष्ट मित्रों द्वारा उन्हें विशेष रूप से सम्मानित कर व शुभकामनाएं देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस दौरान एलबीएस डिग्री कॉलेज की उपाध्यक्ष सुश्री वर्षा सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता अनिरुद्ध शाही द्वारा पुष्पगुच्छ तथा मां वाराही न्यूज परिवार की तरफ से अजय सिंह,अजीत सिंह, बृजेश सिंह, शौर्य प्रताप सिंह, बिन्नू सिंह सहित अन्य कई लोगों द्वारा महाराणा प्रताप स्मृति सम्मान देकर सम्मानित किया गया। मंगलवार शाम को आयोजित कार्यक्रम में उनके विभाग से डॉक्टर लोहंस कुमार कल्याणी, राजेंद्र मिश्रा, श्रीमती प्रतिभा सिंह, रवि कुमार, महाविद्यालय के डॉक्टर पवन कुमार सिंह प्रवक्ता हिंदी, एडवोकेट आरबी सिंह, एडवोकेट सतीश सिंह, के के द्विवेदी एडवोकेट, डॉ एस एन दुबे, एडवोकेट श्रीमान सिंह, पवन कुमार सिंह,अभिषेक सिंह, जीवन सिंह, बीपी सिंह जेई, हनुमान सिंह, पूर्व प्रधान विजय कृष्ण मिश्रा, शेर बहादुर सिंह एडवोकेट, अवधेश सिंह, वीरेंद्र सिंह, नवाबगंज से श्रीनारायण सिंह, मोनल सिंह, भरत नारायण सिंह ,उग्रसेन सिंह तथा लखनऊ से आए पूर्व प्रोफेसर अतुल सिंह पूर्व विभागाध्यक्ष एलबीएस व उनकी पत्नी श्रीमती वनिता सिंह ने कार्यक्रम में पहुंचकर स्नेहाशीष से अभिसिंचित किया। कार्यक्रम के अन्त में प्रोफेसर श्याम बहादुर सिंह ने आये हुए सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए हांड़ कपाऊ कड़ाके की ठंड में समय निकाल कर आशीर्वाद देने पहुंचे सभी साथियों का आभार व्यक्त किया।

विभिन्न मांगो को लेकर भाकियू ने प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

लालगंज, मीरजापुर। भारतीय किसान यूनियन टिकैत के जिला उपाध्यक्ष एवं जिला अध्यक्ष खाद्यान्न वितरण समिति जनपद मिर्जापुर इ. बीडी सिह के तत्वावधान में तहसील परिसर लालगंज में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन करते हुए 11 सूत्रीय मांग पत्र राष्ट्रपति द्वारा तहसीलदार को पत्र सोपा गया तहसीलदार ने पत्रक लेते हुए जिलाधिकारी के यहां भेजने का आश्वासन दिए।किसान यूनियन के जिला उपाध्यक्ष इंजीनियर बी सिंह ने पत्र में मांग करते हुए उल्लेख किया है कि सभी फसलों के लिए कानूनी रूप से गारंटी कृत खरीद के साथ एम एस पी देनी सुनिश्चित की जाए, गन्ने का मूल्य उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों में खर्च के अनुपात में ҕ500 प्रति कुंतल घोषित किया जाए, किसान नेता जगजीत सिंह जी के 43 दिन के आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं उनके स्वास्थ्य को देखते हुए केंद्र सरकार किसानों की सभी मांगे जल्द से जल्द पूरी करें, रीण ग्रस्तता और किसान आत्महत्या को समाप्त करने के लिए व्यापक ऋण माफी किया कराया जाए, राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइप लाइन को खत्म किया जाए, कोई डिजिटल कृषि मिशन राष्ट्रीय सहयोग नीति और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ आईसीएआर समझौते न किए जाएं जो राज्य सरकारों के अधिकारों का अतिक्रमण करते हैं ,अंधाधुंध भूमि अधिग्रहण को समाप्त करें, अधिनियम 2013 को लागू करें, सार्वजनिक संपत्ति के निगमीकरण और लोगों को विभाजित करने के लिए विभाजनकारी नीतियों के उद्देश्य से कॉर्पोरेट सांप्रदायिक नीतियों को खत्म करें, बीज नीति में संशोधन किया जाए, शुगर केन कंट्रोल ऑर्डर एंड खाड सारी रेगुलेशेन्स 2024 को रद्द किया जाए, केंद्र सरकार न्यू नेशनल एग्रीकल्चर मार्केट पॉलिसी को रद्द करें, पत्रक की कॉपी तहसीलदार को सौपा गया। इस अवसर पर तहसील अध्यक्ष बृजराज सिंह (राजू) तहसील महासचिव यज्ञ नारायण पाल, तहसील कोषाध्यक्ष रामगोपाल सिंह ,सचिव पारस पटेल, प्रचार मंत्री श्याम बहादुर सिंह, तहसील उपाध्यक्ष कृष्णकांत शुक्ला, ब्लॉक अध्यक्ष लालगंज कुणाल पटेल आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पंचायत सेक्रेटरी को घूस लेते एंटी करप्शन टीम ने किया गिरफ्तार

गोण्डा 9 जनवरी। गुरुवार की दोपहर में एंटी करप्शन की गोण्डा टीम ने मुख्यालय स्थित विकासखंड पंडरी कृपाल में तैनात सेक्रेटरी विजय कुमार को ग्राम प्रधान मनीष वर्मा से दस हजार रुपए लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। एंटी करप्शन टीम कोतवाली ले जाकर लिखा पढ़ी कर रही है। वहीं ग्राम प्रधान मनीष वर्मा से भी बयान भी दर्ज कर रही है। उक्त घटना से पूरे विकासखंड में हड़कंप मच गया। विकासखंड के कुछ कर्मचारी कोतवाली पहुंचे। फिलहाल लिखा पढ़ी के करने के बाद एंटी करप्शन टीम सेक्रेटरी विजय कुमार को जेल भेजने की तैयारी में जुटी थी।

सर्वर डाउन होने से फार्मर रजिस्ट्री का कार्य प्रभावित, किसान परेशान

कर्नलगंज (गोण्डा) सर्वर डाउन होने के कारण फार्मर रजिस्ट्री का कार्य प्रभावित हो रहा है। इससे किसानों को काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। कृषि विभाग व राजकीय बीज गोदाम के जिम्मेदारों की मानें तो दिन में साइट डाउन रहने के कारण पंजीकरण काफी धीमी गति से हो रहा है। सीएससी के लोगों से संवाद किया गया है। किसानों की समस्या को कम करने के लिए बीच का रास्ता निकाला गया है। अब किसानों से आधार, इससे लिंक मोबाइल नंबर खतौनी, गाटा संख्या सीएससी संचालक ले लेते हैं और रात में जब साइट चलती है तब किसानों से ओटीपी पूछकर पंजीकरण कर दिया जाता है।

उन्होंने बताया कि फार्मर रजिस्ट्री पंजीकरण प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि लाभ पाने वालों के लिए अनिवार्य है। पंजीकरण न होने की दशा में उनको मिलने वाला लाभ बंद हो जायेगा। वहीं फार्मर रजिस्ट्रेशन के लिए जन सेवा केंद्रों पर किसानों की भीड़ उमड़ रही है। लेकिन सर्वर न चलने के कारण किसान निराश होकर लौट रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क दिक्कत है तो शहरी क्षेत्रों में भी सर्वर न चलने के कारण किसानों को मायूस होकर वापस लौटना पड़ रहा है। गुरुवार को तहसील के सामने करीब एक दर्जन जन सेवा केंद्रों व आनलाइन केंद्रों पर किसानों की भीड़ देखने को मिली। जहां किसान अपना अभिलेख लेकर बैठे रहे और सर्वर न चलने से उनका रजिस्ट्रेशन नहीं हो सका। जन सेवा केंद्र चलाने वाले दुर्गेश कुमार खरे, उबैद अहमद, राकेश तिवारी, विमलेश तिवारी, हरिप्रकाश सिंह आदि का कहना है कि सुबह से ही किसानों की भीड़ जन सेवा केंद्र पर लग जाती है। लेकिन सर्वर न चलने के कारण किसान वापस चले जाते हैं। तहसीलदार मनीष कुमार का कहना है कि फार्मर रजिस्ट्रेशन के लिए किसान जल्दबाजी ना करें और इसके लिए किसी को अधिक शुल्क ना दें। अभी इसके लिए पर्याप्त समय है। वहीं उपजिलाधिकारी से सीयूजी नंबर पर संपर्क किया गया तो उनका फोन नेटवर्क क्षेत्र से बाहर था।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद गोण्डा शहीद ए आजम भगत सिंह इंटर कालेज इकाई सत्र का हुआ गठन

गोण्डा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद गोण्डा जिले के शहीद ए आजम भगत सिंह इंटर कॉलेज (टामसन) इकाई का सत्र 2025– 26 का गठन संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रांत कार्यकारणी सदस्य मुख्य वक्ता मनीष प्रताप सिंह कनौजिया ने करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के मुद्दों को प्रमुखता से उठाकर उच्च गुणवत्ता के साथ शैक्षणिक वातावरण रखना कॉलेज इकाई की मुख्य उद्देश्य रहेगा।

विद्यार्थियों में रचनात्मक गतिविधियों के साथ कैंपसों की गरिमा को अनुशरण रखना हमारी प्राथमिक विषयों के समाज व जिम्मेदारों के मध्य उठाता है। अभाविप ने ये जिम्मेदारी देकर छात्र–छात्राओं शिक्षकों को सहित विद्यार्थी समुदाय के मध्य कार्य विस्तार का जो भरोसा जताया है उसे पूर्ण करने का प्रयास किया जाएगा। कार्यकारिणी के माध्यम से ही संगठन अपनी गतिविधियों को समाज के मध्य प्रस्तुत करता है। चुनाव अधिकारी ने इकाई अध्यक्ष के रूप में आदर्श शुक्ला व इकाई मंत्री के रूप में आनंद यादव के नाम की घोषणा की।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।